THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 135 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण कृ.1 2080 बुधवार, 2 अगस्त 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

मोदी और शरद पवार एक मंच पर

> मोदी लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित, > पुरस्कार राशि गंगा को समर्पित कर रहा हूं

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पुणे के दौरे पर आए हैं। वे सुबह 11 बजे यहां पहुंचे और सबसे पहले दगडूशेठ हलवाई मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। इसके बाद वो एसपी कॉलेज मैदान पहुंचे जहां उन्हें तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट की ओर से लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एनसीपी चीफ शरद पवार बतौर चीफ गेस्ट मौजूद रहे। मंच पर पीएम मोदी के एक तरफ शरद पवार, तो दूसरी तरफ उनके भतीजे अजित पवार बैठे नजर आए।

लोकमान्य तिलक सम्मान पाना सौभाग्य की बात :

पीएम ने कहा, आज मैंने दगडूशेठ मंदिर में पूजा की। दगडूशेठ पहले व्यक्ति थे, जो तिलक के आह्वान पर गणेश प्रतिमा की स्थापना पर शामिल हुए थे। यह सम्मान अविस्मरणीय है। जो संस्थान सीधे तौर पर तिलकजी से जुड़ा हो, उससे लोकमान्य तिलक सम्मान सौभाग्य की बात है। अवॉर्ड के साथ जो धनराशि मुझे दी गई है, वो गंगा जी को समर्पित कर रहा हूं। नमामि गंगे परियोजना के लिए इसे दान देने का फैसला लिया है।

पीएम बोले, देश की आजादी में तिलक के योगदान को कुछ शब्दों में समेटना मुश्किल :

इस मौके पर पीएम ने कहा कि लोकमान्य तिलक भारत के स्वतंत्रता इतिहास के माथे के तिलक हैं। देश की आजादी में उनकी भूमिका, उनके योगदान को कुछ घटनाओं और शब्दों में नहीं समेटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं इस अवॉर्ड को 140 करोड़ देशवासियों को समर्पित करता हूं।

पीएम के साथ शरद के मंच साझा करने का विपक्षी दल कर रहे विरोध :

शरद पवार का पीएम मोदी के साथ मंच साझा करना विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं को रास नहीं आ रहा। खासकर कांग्रेस के नेताओं में इस बात को लेकर बेचैनी है कि मुंबई में होने वाली विपक्ष की आगामी बैठक से पहले शरद पवार का मोदी के साथ दिखना गलत संदेश देगा। विपक्ष को यह भी अंदेशा है कि भाजपा जानबूझकर ऐसा कर रही है, ताकि विपक्ष बंटा हुआ दिखे। पीएमओ के मुताबिक, लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए काम किया है। इनके योगदान को केवल उल्लेखनीय और असाधारण रूप में देखा जा सकता है। यह पुरस्कार हर साल 1 अगस्त को लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि पर दिया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी से पहले यह पुरस्कार पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा और प्रणव मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के अलावा मशहूर व्यवसायी एन आर नारायणमूर्ति और 'मेट्रो मैन' ई श्रीधरन जैसे 40 दिग्गजों को दिया जा चुका है। पीएम पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम के तहत वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का इनॉगरेशन भी किये। लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्लांट में वेस्ट से बिजली बनाई जाएगी, जिसमें सालाना लगभग 2.5 लाख मीट्रिक टन वेस्ट का इस्तेमाल होगा।

पीएमएवाई के तहत लोगों को सौंपे जाएंगे घर :

पीएम मोदी पीसीएमसी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए 1,280 से अधिक मकान और पुणे नगर निगम द्वारा बनाए गए 2,650 से अधिक पीएमएवाई घर लाभार्थियों को सौंपेंगे। पीएम पीसीएमसी द्वारा बनाए जाने वाले लगभग 1,190 पीएमएवाई घरों और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए जाने वाले 6,400 से अधिक घरों की आधारशिला भी रखेंगे।

पुणे मेट्रो के पहले चरण को हरी झंडी दिखाई

पीएम ने पुणे मेट्रो के पहले चरण के दो कॉरिडोर पर मेट्रो सेवाओं का इनॉगरेशन किया। ये मेट्रो फुगेवाड़ी स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन से रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक चलेगी। प्रधानमंत्री ने 2016 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।

इससे पुणे शहर के शिवाजी नगर, सिविल कोर्ट, पुणे नगर निगम कार्यालय, पुणे आरटीओ और पुणे रेलवे स्टेशन जुड़ जाएंगे। सिविल कोर्ट मेट्रो स्टेशन देश के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशनों में से एक है, इसमें 33.1 मीटर का सबसे गहरा पॉइंट है। इस स्टेशन की छत को इस तरह से बनाया गया है कि धूप सीधी प्लेटफॉर्म पर पड़े। इसके साथ ही पीएम ने पुणे में शिवाजी नगर पुलिस मुख्यालय में विभिन्न विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया।

सरकार बोली-सावरकर को भारत-रत्न देने के सुझाव आते हैं

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि वीर सावरकर को भारत रत्न देने के सुझाव अलग-अलग जगहों से आते रहते हैं। इसके लिए किसी औपचारिक सुझाव की जरूरत नहीं होती। भारत रत्न किसे देना है, इस बारे में सरकार फैसला लेती है। दरअसल, लोकसभा में एक सवाल में पूछा गया था, सरकार ने फ्रीडम फाइटर वीर सावरकर को भारत रत्न देने की दिशा में कोई कदम उठाया है? क्या सरकार को किसी जनप्रतिनिधि की ओर से इस बारे में सिफारिश मिली है। भाजपा, शिवसेना जैसी पार्टियों के अलावा हिंदूवादी संगठन कई बार वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग कर चुके हैं।

5 मौतों के बाद तनाव और बढ़ा

> नूंह में 2 दिन का कर्फ्यू, 6 जिलों में धारा 144

> इंटरनेट बंद, यूपी-राजस्थान में भी अलर्ट

गुरुग्राम, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद की ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद तनाव बना हुआ है। नूंह में दो दिन के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। हालात पर काबू पाने के लिए पूरे इलाके में पैरामिलिट्री की 13 कंपनियां तैनात की गई हैं।

अब यह हिंसा नूंह (मेवात) के बाद गुरुग्राम तक फैल गई है। जिसे देखते हुए इन दो जिलों के अलावा एहतियातन रेवाड़ी, पलवल, फरीदाबाद और सोनीपत समेत 6 जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई है। नूंह में 2 अगस्त तक इंटरनेट बंद कर दिया है। नूंह, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पलवल में मंगलवार यानी 1 अगस्त को सभी शिक्षण संस्थान और कोचिंग सेंटर बंद रहेंगे। बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा को नूंह में रद्द कर दिया गया है। यह परीक्षाएं 1 और 2 अगस्त को होनी थीं। हिंसा के मद्देनजर सीएम मनोहर लाल खट्टर ने गृहमंत्री अनिल विज के अलावा चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी समेत दूसरे बड़े प्रशासनिक अधिकारियों की हाई लेवल मीटिंग बुला ली है।

दरअसल, नूंह में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद की ब्रज मंडल यात्रा पर समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव कर दिया। इससे हिंसा भड़क गई। दोनों पक्षों में पत्थरबाजी और फायरिंग हुई। इस दौरान गुड़गांव के होमगार्ड नीरज और गुरसेवक समेत अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। 50 से ज्यादा पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और अन्य घायल हैं।

हरियाणा की हिंसा का असर पड़ोसी राज्यों पर भी पड़ा है। राजस्थान के भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया है। यहां के 4 इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। वहीं यूपी से हरियाणा को जोड़ने वाली मथुरा की सीमाएं सील कर दी गई हैं। साथ ही मेरठ, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर समेत हरियाणा से जुड़े यूपी के जिलों में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। उपद्रवियों ने रोड पर तीन किलोमीटर में जो भी वाहन दिखा, उसमें ही आग लगा दी। इसके बाद 500 से अधिक लोगों ने बस से टक्कर मार साइबर थाने की दीवार तोड़ी और अंदर घुस गए। डायल 112 की गाड़ियां जला दीं। अंदर तोड़फोड़ की। आग लगाने का प्रयास किया। कुछ दुकानों में लूटपाट के बाद आग लगा दी। हीरो बाइक के शोरूम से 200 बाइक लूटीं। शोरूम में तोड़फोड़ की। कर्मचारियों को पीटा।

पलवल-गुरुग्राम में भी हिंसा : सीएम बोले-ये साजिश है

गुरुग्राम, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में मंगलवार को भी तनाव बना हुआ है। नूंह में पैरामिलिट्री की 13 कंपनियां तैनात की गई हैं।

हिंसा नूंह (मेवात) के बाद गुरुग्राम तक फैल गई है। जिसे देखते हुए इन दो जिलों के साथ ही रेवाड़ी, पलवल, फरीदाबाद, सोनीपत समेत 6 जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई है। नूंह में 2 अगस्त तक इंटरनेट बंद कर दिया है। नूंह, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पलवल में मंगलवार यानी 1 अगस्त को सभी स्कूल-कॉलेज और कोचिंग सेंटर बंद कर दिए गए। नूंह में 10वीं, 12वीं की 1 और 2 अगस्त को होने वाली बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। इधर, हरियाणा पुलिस ने घोषणा की है कि नूंह दंगों में जान गंवाने वाले होमगार्ड नीरज और गुरसेव सिंह के आश्रितों को 57-57 लाख रुपये दिए जाएंगे।

पलवल में होडल के मेन बाजार के पास गांधी चौक पर कपडे की दुकान और सिलाई मशीन की दुकान के ताले तोड़कर 15-20 अज्ञात व्यक्तियों ने तोड़-फोड़ और लूटपाट की गई। इसके बाद 50-60 लोगों की भीड़ ने परशुराम कॉलोनी की लगभग 25-30 झोपड़ियों में आग लगा दी। उपद्रवी यहीं नहीं रुके। दोपहर बाद एक कबाड़े की दुकान को जला दिया तो होडल में सामान से भरे हुए चार ट्रकों को आग के हवाले कर दिया। पुन्हाना रोड पर बनी पार्किंग में खड़े 4 बंद बॉडी के कंटेनर को आग के हवाले कर दिया गया। इधर, गुरुग्राम के बादशाहपुर में भी दुकानें जलाई हैं।

हरियाणा के सीएम मनोहर लाल ने नूंह की हिंसा पर मंगलवार को गृह मंत्री अनिल विज और पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग की। सीएम ने कहा, यह यात्रा हर वर्ष निकलती थी।

कुछ लोगों ने षड्यंत्र करके हमला किया है। उपद्रवियों को बख्शा नहीं जाएगा।

लोकसभा में पेश हुआ दिल्ली सरकार के अधिकारों और सेवा से जुड़ा विधेयक

कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने किया विरोध

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के अधिकारों और सेवा से जुड़ा विधेयक- 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023' मंगलवार को लोकसभा में पेश हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में यह विधेयक पेश किया।

कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी सहित कई विपक्षी दलों ने इस बिल को संघवाद की भावना और संविधान के खिलाफ बताते हुए इसे सदन में पेश करने का विरोध किया। वहीं, बिल पेश करने के दौरान चर्चा में शामिल होते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विरोधी दलों के तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि संविधान ने सदन को दिल्ली राज्य के संबंध में कोई भी कानून पारित करने की शक्ति दी है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने भी इसे स्पष्ट कर दिया है।

लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन, टीएमसी सांसद सौगत रॉय, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई एवं शशि थरूर, डीएमके सांसद टीआर बालू और एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस बिल को सदन में पेश करने का विरोध करते हुए कहा कि यह विधेयक संघवाद के खिलाफ है। सेवा राज्य का विषय है इसलिए यह विधेयक संविधान के खिलाफ है। विपक्षी दलों ने सदन में आरोप लगाया कि उच्चतम न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी बनाने के लिए सर्वोच्च अदालत की अनदेखी करते हुए यह बिल लाया जा रहा है। वहीं, बीजू जनता दल सांसद पिनाकी मिश्रा ने कहा कि इस सदन को दिल्ली के बारे में कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है।

विरोधी नेताओं के बाद बोलने के लिए खड़े हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राजनीतिक कारणों से इस बिल का विरोध किया जा रहा है। बिल का विरोध करने का कोई संवैधानिक आधार नहीं है।

अमित शाह ने यह भी जोड़ा कि भारत के संविधान ने सदन को दिल्ली राज्य के संबंध में कोई भी कानून पारित करने की शक्ति दी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने भी यह स्पष्ट कर दिया है कि संसद इस संबंध में कोई भी कानून ला सकती है। उन्होंने सदन से अनुरोध किया कि उन्हें यह विधेयक लाने की अनुमति दी जाए। लोकसभा में संख्या बल के गणित के आधार पर इस बिल का पारित होना तय माना जा रहा है।

'सदनों में बोलने नहीं दे रही सरकार'

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र मणिपुर मुद्दे की वजह से अब तक खासा हंगामेदार रहा है। विपक्ष मणिपुर मुद्दे पर पीएम मोदी के बयान पर अड़ा हुआ है। हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा लगातार स्थगित हो रही हैं। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम ये प्रेस कॉन्फ्रेंस इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सरकार हमें संसद में बोलने नहीं दे रही है। पीएम अन्य मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं लेकिन वह हमें जवाब नहीं दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मणिपुर में कानून-व्यवस्था नहीं बची

डीजीपी कोर्ट में आकर जवाब दें, 6000 एफआईआर में चंद गिरफ्तारियां ही क्यों?

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने के केस में मंगलवार यानी 1 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस की जांच को सुस्त बताया। कोर्ट ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त हो चुकी है।

लाइव लॉ के मुताबिक, कोर्ट ने हैरानी जताई कि राज्य की जातीय हिंसा में लगभग 3 महीने तक एफआईआर ही दर्ज नहीं की गईं। बाद में जब 6000 से ज्यादा एफआईआर हुईं तो इनमें चंद गिरफ्तारियां की गईं। कोर्ट ने इन सभी जवाबों के लिए मणिपुर डीजीपी को हाजिर होने का निर्देश दिया है। एफआईआर में देरी पर केंद्र ने कोर्ट से कहा कि मणिपुर में हालात बेहद खराब हैं। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। पिटीशन में पीड़ित महिलाओं की पहचान जाहिर नहीं की गई है। उन्हें X और Y नाम से संबोधित किया गया है। अब मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को दोपहर 2 बजे होगी। कुकी महिलाओं से रेप और हत्या के मामले में याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट वृंदा ग्रोवर ने कहा कि यह रिपोर्ट कानून के खिलाफ है। इसमें पीड़ित महिलाओं के नाम हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को तुरंत निर्देश दिया कि इस रिपोर्ट को किसी से शेयर मत करना।

मीडिया को मत देना। नहीं तो पीड़ितों के नाम सामने आ जाएंगे। कोर्ट बोला कि हम अपनी कॉपी में करेक्शन कर लेंगे। इस पर केंद्र ने कहा कि हमने इसे किसी से शेयर नहीं किया। हमारे पास हमारी कॉपी है और एक कॉपी सिर्फ बेंच के सामने रखी गई है।

उद्धव ठाकरे की जल्द सुनवाई की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उद्धव ठाकरे की याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया। चुनाव आयोग ने 17 फरवरी 2023 को एकनाथ शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और चिह्न इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी। उद्धव ने चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील की थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि पहले संविधान पीठ जम्मू-कश्मीर मुद्दे (आर्टिकल 370) पर सुनवाई पूरी कर ले, तब तक इंतजार करें, आपको उसके बाद तारीख दी जाएगी। कोर्ट ने 10 जुलाई को मामले की सुनवाई के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की थी।

ये था पूरा मामला : चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया था। आयोग ने 17 फरवरी को शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और तीर-कमान का निशान इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी। आयोग ने माना था कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। उद्धव गुट ने बिना चुनाव कराए अपने लोगों को पद देने के लिए इसे बिगाड़ा था।

एनसीबी ने पन्ने पर 'चाटने वाले नशे' का किया भंडोफोड़

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो 'एनसीबी' की दिल्ली क्षेत्रीय इकाई द्वारा नशे के सौदागारों से जुड़े एक सनसनीखेज रैकेट का खुलासा किया गया है। इस नशे को एलएसडी (लिसर्जिक एसिड डायथाइलमाइड) का नाम दिया गया है जो एक हेलुसीनोजेनिक दवा होती है। खास बात ये है कि यह नशा, किसी सॉलिड फॉर्म में नहीं है, बल्कि इसे कागज पर उकेरा जाता है।

इंटरनेट की काली दुनिया 'डार्क इंटरनेट' के माध्यम से पन्ने पर 'चाटने वाला नशा' तैयार होता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 'जम्बाडा कार्टेल' के नाम से चलाए जा रहे रैकेट का खुलासा किया है। इस मामले में अभी तक कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं। एलएसडी हॉलुसिनोजेन्स, लोगों को अपने आसपास की दुनिया को समझने के तरीके को बदलता है। इसे एसिड, ब्लोट्स, स्टैम्प आदि के रूप में भी जाना जाता है। एलएसडी गंधहीन, रंगहीन और बेस्वाद है।

हिंदी में बात करने पर गई भारतीय मूल के इंजीनियर की नौकरी

कंपनी और अमेरिकी रक्षा मंत्री के खिलाफ किया केस

न्यूयॉर्क, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक भारतीय अमेरिकी को अपने रिश्तेदार से हिंदी में बात करना भारी पड़ गया। यहां एक भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर अनिल वार्ष्णेय ने दावा किया है कि बीते साल उसने वीडियो कॉल के जरिए भारत में अपने एक रिश्तेदार से बात की थी, इस दौरान उन्होंने हिंदी भाषा का प्रयोग किया। जिसके कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया। वे मिसाइल डिफेंस एजेंसी (एमडीए) में काम करते थे। उन्होंने कंपनी और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के खिलाफ कंपनी पर भेदभावपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिल वार्ष्णेय ने जून में इसे लेकर अलबामा के उत्तरी जिले में मिसाइल रक्षा ठेकेदार पार्सन्स कॉर्पोरेशन और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उन्होंने कंपनी पर प्रणालीगत भेदभावपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि इस कार्यप्रणाली के कारण उन्हें पिछले साल अक्टूबर में बेरोजगार होना पड़ा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीते साल 26 सितंबर, 2022 को वार्ष्णेय को उनके बुजुर्ग बहनोई के.सी. गुप्ता ने भारत से वीडियो कॉल की थी। जब ये वाकया हुआ तब के.सी. गुप्ता मरणासन्न अवस्था में थे और उन्होंने वार्ष्णेय को अलविदा कहने के लिए फोन किया था। उनकी ये वीडियो कॉल तकरीबन दो मिनट तक चली। इस दौरान उनके एस श्वेत सहकर्मी ने उन्हें हिंदी में बात करते हुए सुना। उन्होंने अपने मुकदमें में बताया है कि दूसरे कर्मचारी ने वार्ष्णेय को बताया कि कॉल की अनुमति नहीं है, इस पर वार्ष्णेय ने तुरंत फोन काट दिया। यह कॉल गुप्ता के निधन से पहले आखिरी बार थी जब उन्होंने बात की थी।

गडकरी ने देखा तबाही का मंजर

शिमला, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल के कुल्लू-मंडी में ब्यास नदी ने कैसे तबाही मचाई। इसके कारणों का पता लगाया जाएगा। कुल्लू दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उन्होंने विशेषज्ञ की एक कमेटी का गठन किया है, जो नदी के तबाही के कारणों का पता लगाएगी। इस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर भविष्य में जान व माल के नुकसान से बचने को एहतियाती कदम उठाए जाएंगे।

नितिन गडकरी ने कहा कि कुल्लू आने से पहले वह जितना नुकसान समझ रहे थे, हकीकत में तबाही उससे कहीं ज्यादा है। नदी ने सब कुछ बहा दिया। इसलिए नदी के बारे में अध्ययन जरूरी है। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद मुख्यमंत्री को भी दिल्ली बुलाएंगे और जो संभव होगा, वो किया जाएगा। नितिन गडकरी ने कहा कि उन्होंने आज चंडीगढ़-मनाली सड़क का भी निरीक्षण किया है, दो-तीन महीने में काम पूरा करेंगे और प्रधानमंत्री से उद्घाटन कराएंगे।

अविश्वास प्रस्ताव पर बहस 8 अगस्त से पीएम मोदी 10 को जवाब दे सकते हैं

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का आज 9वां दिन है। मणिपुर मुद्दे विपक्ष के हंगामे के चलते राज्यसभा और लोकसभा 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

मणिपुर मुद्दे को लेकर विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर 8 से 10 अगस्त तक बहस होगी। 10 अगस्त को ही पीएम इस पर जवाब दे सकते हैं। यह फैसला लोकसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में लिया गया। इंडिया घटक के कई सदस्यों ने तुरंत चर्चा न होने से नाराज होकर वॉकआउट कर दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मणिपुर मामले पर चर्चा करने के लिए विपक्ष की तरफ से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से समय मांगा है। मंगलवार सुबह कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा, हम चाहते हैं कि पीएम मोदी इस इंडिया सिंड्रोम से बाहर आ जाएं और मणिपुर मुद्दे पर बात करें। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में इंडिया एक के बाद एक राज्य जीतेगी और पीएम को दिखा देगी कि उनका घमंड इस देश के लोगों के आगे हार गया।

सभापति ने कहा-राज्यसभा में मणिपुर पर होगी 'शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन'

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा में मंगलवार को भी मणिपुर हिंसा मामले पर जबरदस्त हंगामा हुआ। इस हंगामे के बीच राज्यसभा के सभापति ने कहा कि उन्होंने सदन में मणिपुर पर चर्चा की इजाजत दे दी है। इस चर्चा के लिए 2 घंटे 30 मिनट का समय आवंटित किया गया है। हालांकि, विपक्ष इस पर राजी नहीं हुआ। विपक्ष का कहना था कि राज्यसभा में इस मुद्दे पर विस्तार से दिनभर की चर्चा कराई जाए।

इसके साथ ही विपक्षी सांसदों का कहना था कि प्रधानमंत्री मणिपुर मामले को लेकर सदन में आकर जवाब दें। मंगलवार को मणिपुर मामले में विस्तार से चर्चा को लेकर कुल 60 सांसदों ने राज्यसभा सभापति को नोटिस दिया था। राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सदन में कहा कि वह 20 जुलाई को ही इस मुद्दे पर अपनी व्यवस्था दे चुके हैं।

धरती की ऑर्बिट से निकला चंद्रयान-3

चंद्रमा की कक्षा में 5 अगस्त को पहुंचेगा, कुछ देर चालू किया इंजन

बोंगलूरू, 1 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रयान-3 धरती की कक्षा से निकलने के बाद अब 5 अगस्त को चंद्रमा की ऑर्बिट में पहुंच जाएगा। इसे ट्रांसलूनर इंजेक्शन कहा जाता है। इसके बाद 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरेगा। इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान 3 को धरती की कक्षा से चंद्रमा की तरफ भेजा है। इससे पहले चंद्रयान-3 अंडाकार कक्षा में घूम रहा था, जिसकी पृथ्वी से सबसे कम दूरी 236 किलोमीटर और सबसे ज्यादा दूरी 1,27,603 किमी थी। 23 अगस्त को हमारा चंद्रयान-3 चंद्रमा पर लैंड करेगा।

कुछ देर के लिए चालू किया इंजन

ट्रांसलूनर इंजेक्शन के लिए बेंगलुरु में मौजूद इसरो के हेडक्वार्टर से वैज्ञानिकों ने चंद्रयान का इंजन कुछ देर के लिए चालू किया। इंजन फायरिंग तब की गई जब चंद्रयान पृथ्वी से 236 किमी की दूरी पर था। इसरो ने कहा- चंद्रयान-3 पृथ्वी के चारों ओर अपनी परिक्रमा पूरी कर चंद्रमा की ओर बढ़ रहा है। इसरो ने अंतरिक्ष यान को ट्रांसलूनर कक्षा में स्थापित कर दिया है।

जानिए कैसे पृथ्वी की कक्षा से चंद्रमा की ऑर्बिट में जाता है चंद्रमा

चंद्रयान 3 मिशन आज से उपग्रह पृथ्वी की कक्षा को छोड़कर चंद्रमा के पास जाने की यात्रा पर निकल पड़ा है। वैज्ञानिक भाषा में इसे ट्रांस लुनार इंजेक्शन कहा जाता है पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का इस्तेमाल करते हुए उपग्रह को धीरे धीरे प्रथ्वी से दूर ले जाया जाता है और फिर एक समय आता है जब उपग्रह पृथ्वी के गुरूत्वाकर्षण के दायरे से बाहर जाने लगता है उसी वक्त उपग्रह के इंजन को फायर कर उसे उस दिशा में मोड़ दिया जाता है जहां से वह पृथ्वी के गुरूत्वाकर्षण दायरे से बाहर निकलकर चांद की ओर आगे बढ़ने लगता है।

इसरो के वैज्ञानिकों ने सफलतापूर्वक किया चंद्रमा की कक्षा में स्थापित

ये काम बहुत जटिल होता है क्योंकि इस गणना में जरा सी गलती से उपग्रह बाहरी अंतरिक्ष में कहीं भी खो सकता है। लेकिन इसरो के हमारे वैज्ञानिकों ने सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात इस जटिल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया, अब चंद्रयान 3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है, जब उपग्रह चंद्रमा के गुरूत्वाकर्षण के दायरे में पहुंच जाएगा तब उसे चंद्रमा के पास ले जाने की प्रक्रिया शुरू होगी। अगर सब कुछ तय गणना के हिसाब से चला तो 23 अगस्त की शाम 5 बजकर 47 मिनिट पर चंद्रयान चांद की सतह पर पर सॉफ्ट लैंडिंग करेगा।

चंद्रमा पर आने वाले भूकंप और मिट्टी का अध्ययन करेगा चंद्रयान-3

चंद्रयान-3 में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। लैंडर और रोवर चंद्रमा के दक्षिणी बिंदू पर उतरेंगे और 14 दिन वहां एक्सपेरिमेंट करेंगे। यदि ऐसा हुआ तो भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन जाएगा। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाली विकिरणों का अध्ययन करेगा। इस मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि चंद्रमा की सतह पर कैसे भूकंप आते हैं। यह चंद्रमा की मिट्टी का अध्ययन भी करेगा।

चंद्रमा दक्षिणी पोलर रीजन में कभी नहीं पहुंचती सूरज की किरणें, वहां होगा अध्ययन

चंद्रयान के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर ही उतरने के पीछे करण यह है कि चंद्रमा के पोलर रीजन दूसरे रीजन्स से काफी अलग हैं। यहां कई हिस्से ऐसे हैं जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती और तापमान -200 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक चला जाता है। ऐसे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यहां बर्फ के फॉर्म में अभी भी पानी मौजूद हो सकता है। भारत के 2008 के चंद्रयान-1 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी का संकेत दिया था।

ईडी को तृणमूल सांसद नुसरत जहां के खिलाफ शिकायत मिली

कोलकाता, 1 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अब अभिनेत्री से नेता बनी और तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य नुसरत जहां के खिलाफ एक संदिग्ध वित्तीय इकाई से जुड़े होने की शिकायत मिली है। राज्य भाजपा नेता शंकुदेब पांडा ने व्यक्तिगत रूप से सोमवार शाम को कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में ईडी के साल्ट लेक कार्यालय में जहां के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई। सूत्रों ने कहा कि जब पांडा ने यह शिकायत दर्ज की थी, तब उनके साथ कुछ लोग भी थे, जिन्हें कथित तौर पर उस वित्तीय इकाई द्वारा धोखा दिया गया था, जहां उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य पूर्व निदेशक थीं। केंद्रीय एजेंसी को दी गई अपनी शिकायत में, पांडा ने आरोप लगाया कि सेवन सेंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड नाम की उक्त इकाई ने ठगे गए निवेशकों से चार साल के भीतर उचित दरों पर आवासीय फ्लैट देने का वादा करके लगभग 6 लाख रुपये की राशि प्राप्त की।

लेकिन उन्हें अभी तक वे आवासीय फ्लैट नहीं मिले हैं

पांडा ने कहा, यह वित्तीय घोटाले का स्पष्ट मामला है। मामले में पहले कोर्ट में केस दायर किया गया था। अदालत ने तृणमूल कांग्रेस सांसद को अदालत में उपस्थित रहने के लिए भी कहा, जिसकी उन्होंने अवहेलना की। इसलिए हम इस मामले में ईडी से संपर्क करने के लिए मजबूर हैं। फरवरी 2012 में एक एंग्लो-इंडियन महिला के साथ कुख्यात पार्क स्ट्रीट सामूहिक बलात्कार के मामले में जहां विवादों के घेरे में हैं।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड

अजरबैजान के बाकू से भारत लाया गया लॉरेंस बिश्नोई का भतीजा सचिन, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मशहूर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की दिनदहाड़े हत्या के मामले में कथित मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक सचिन थापन उर्फ सचिन बिश्नोई को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा अजरबैजान के बाकू से प्रत्यर्पित करवा कर भारत लाया गया है। बीते दिनों अजरबैजान के लिए रवाना हुई दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की एक टीम ने देश की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भतीजे सचिन बिश्नोई को गिरफ्तार कर भारत ले आई है।

पुल से संगुएम नदी में गिरी कार, 2 साल के मासूम सहित एक की डूबने से मौत

पणजी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण गोवा के संगुएम में तारिपांतो में एक पुल से कार नदी में जा गिरी। इस भीषण हादसे में दो साल के लड़के सहित एक की कथित तौर पर डूबने से मौत हो गई। सूत्रों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। कचोंरम फायर स्टेशन के कर्मियों ने समाचार एजेंसी को बताया कि सोमवार शाम को हुई घटना के बाद लापता हुए कार चालक की तलाश आज सुबह फिर से शुरू हो गई है। उन्होंने बताया की, 'कल रात हमने तीसरे व्यक्ति की तलाश करने की कोशिश की जो कार चला रहा था। लेकिन उसका पता नहीं चल सका। अब सुबह से ही हमने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है

सीतलवाड़ ने 2002 दंगा मामलों में प्राथमिकी रद्द कराने के लिए गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया

अहमदाबाद, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ ने 2002 के दंगा मामलों में कथित तौर पर झूठे साक्ष्य गढ़ने को लेकर अहमदाबाद अपराध शाखा द्वारा उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कराने का अनुरोध करते हुए गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया है। हाल ही में एक सत्र अदालत ने इस मामले में सीतलवाड़ को आरोपमुक्त करने का आग्रह करने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी जबकि गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा राहत देने से इनकार किए जाने के बाद उच्चतम न्यायालय ने इसी मामले में सीतलवाड़ को जमानत दे दी थी। सीतलवाड़ ने प्राथमिकी रद्द कराने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में सोमवार को एक याचिका दायर की और मामले पर कुछ दिन में सुनवाई होने की संभावना है। सीतलवाड़ और दो अन्य-राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक आरबी श्रीकुमार तथा भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी संजीव भट्ट को जून 2022 में शहर की अपराध शाखा ने जालसाजी और 2002 के दंगा मामलों में गुजरात सरकार के अधिकारियों को फंसाने के इरादे से झूठे सबूत गढ़ने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उच्चतम न्यायालय ने पिछले महीने जकिया जाफरी की याचिका खारिज कर दी थी जिनके पति और पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी की दंगों के दौरान हत्या कर दी गई थी। न्यायालय के फैसले के बाद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सीतलवाड़ पर भारतीय दंड संहिता की धारा 468 और 194 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच बाद में विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दी गई थी। ज़किया ने आरोप लगाया था कि गोधरा की घटना के बाद हुए सांप्रदायिक दंगों के पीछे बड़ी साजिश थी। जून 2022 में शीर्ष अदालत ने (अब प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी और राज्य के अन्य पदाधिकारियों को दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा था।

मस्तराम घाट पर नहाने के दौरान गंगा की तेज धारा में बही गुजरात की यात्री, खोज में जुटी एसडीआरएफ

ऋषिकेश, 1 अगस्त (एजेंसियां)। ऋषिकेश में मंगलवार सुबह गुजरात की एक महिला यात्री गंगा में बह गई। एसडीआरएफ की टीम महिला की तलाश में जुटी है, लेकिन अभी उसका कोई सुराग नहीं लगा है। एसडीआरएफ के निरीक्षक कविंद्र सजवाण ने बताया कि नीलू बेन पत्नी रमेश भाई ठक्कर अहमदाबाद, गुजरात से यात्रियों के दल के साथ ऋषिकेश घूमने आई थी। वह आश्रम में रह रही थी। आज सुबह वह मस्तराम घाट पर नहाने के लिए गई थी। इसी दौरान अचानक गंगा का जलस्तर बढ़ गया और पैर फिसलने से वह तेज धारा में बह गई।

नूंह हिंसा पर ओवैसी का पहला बयान

बोले- ये सब बीजेपी की नाकामी

नूंह, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा की नूंह हिंसा को लेकर एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने हरियाणा और राजस्थान सरकार पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मोनू मानेसर को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है, वह लोगों को हिंसा करने के लिए उकसा रहा है और वीडियो जारी कर रहा है। ओवैसी ने इस हिंसा को बीजेपी सरकार की नाकामी का सबूत बताया है। उन्होंने कहा कि मोनू एक मोस्ट वांटेड क्रिमिनल है। वह जुनैद और नसीर केस में आरोपी है। इस सब के बाद भी वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो जारी कर लोगों से कह रहा है कि आप नूंह में इकट्ठे हो जाएं। इस जारी होने के बाद भी उसकी गिरफ्तारी नहीं की गई। अभी भी उसे फरार दिखाया जा रहा है। इससे साफ होता है कि बीजेपी पार्लियामेंट चुनावों को लेकर एक मुद्दा बनाना चाहती है। इस सबके बाद भी मोनू को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है।

सरकार को समझनी चाहिए थी साजिश

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जब मोनू वीडियो जारी कर रहा था, तो सरकार को समझ जाना चाहिए था कि साजिश रचाई जा रही है, लेकिन इसके बाद भी वहां लोगों को एकत्र होने की अनुमति दी गई। इसके बाद सरकार इस हिंसा को कंट्रोल नहीं कर पाई। इससे साफ है कि बीजेपी को पता है कि पार्लियामेंट के चुनाव आने वाले हैं और तनाव का माहौल पैदा किया जाए।

क्या है मामला

बता दें कि हरियाणा के नूंह में हिंदू संगठन के पदाधिकारी ब्रज मंडल यात्रा निकाल रहे थे, इस दौरान ही दो गुटों में विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद यह हिंसा भड़क गई। इस हिंसा में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है।

ब्रिगेडियर रैंक और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए अब सेना में एक जैसी वर्दी

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने मूल कैडर और नियुक्ति की तारीख से परे जाकर ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए एक समान वर्दी अपना ली है। भारतीय सेना के अधिकारी ने कहा कि इससे भारतीय सेना के एक निष्पक्ष और न्यायसंगत संगठन होने के चरित्र को भी बल मिलेगा। बता दें कि हाल ही में संपन्न सेना कमांडरों के सम्मेलन के दौरान विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया था। विभिन्न प्रकार की वर्दी और साज-सामान का भारतीय सेना में संबंधित हथियारों, रेजिमेंटों और सेवाओं से विशिष्ट संबंध है।

शस्त्र या रेजिमेंट या सेवाओं के भीतर विशिष्ट पहचान की यह व्यवस्था कनिष्ठ नेतृत्व और रैंक और फाइल के लिए आवश्यक मानी जाती है। इससे सौहार्द, कोर भावना और रेजिमेंटल अनुशासन को और मजबूती मिलती है। इन मूल्यों को सैनिक सेवा का आधार माना जाता है। यूनिट या बटालियन स्तर पर, पहचान की एक विशिष्ट भावना एक ही रेजिमेंट में अधिकारियों और जवानों के बीच एक मजबूत बंधन को दर्शाती है। हालांकि, वरिष्ठ नेतृत्व के बीच सेवा मामलों में एक सामान्य पहचान और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए, रेजिमेंटेशन की सीमाओं से परे, एक सामान्य वर्दी अपनाने का निर्णय लिया गया है। हाल ही में संपन्न सेना कमांडरों के सम्मेलन के दौरान सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया। ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के हेडगियर, शोल्डर रैंक बैज, गोरगेट पैच, बेल्ट और जूते अब मानकीकृत और सामान्य होंगे। फ्लैग-रैंक अधिकारी सामान्य वर्दी में कोई डोरी नहीं पहनेंगे।

भारतीय सेना में, ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अधिकारी वे होते हैं जो पहले से ही इकाइयों या बटालियनों की कमान संभाल चुके होते हैं और ज्यादातर मुख्यालय या प्रतिष्ठानों में तैनात होते हैं जहां सभी हथियारों और सेवाओं के अधिकारी एक साथ काम करते हैं।

पद्मश्री भजन गायक प्रह्लाद सिंह टिपानिया की कार को पिकअप ने मारी टक्कर, सड़क हादसे में चार लोग घायल

देवास, 1 अगस्त (एजेंसियां)। देवास के मक्सी रोड पर मंगलवार सुबह कार्गो पिकअप वाहन ने पद्मश्री भजन गायक प्रह्लाद सिंह टिपानिया की कार को टक्कर मार दी। हादसे में टिपनिया समेत चार लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सभी इंदौर से उनके गांव लुनियाखेड़ी होते हुए राजस्थान

जा रहे थे, इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे पिकअप वाहन ने कार को टक्कर मार दी। कार में पांच लोग सवार थे, जिसमें से प्रहलाद सिंह टिपानिया उनका पोता हिमांशु, दूसरा पोता मयंक, भतीजा धर्मेंद्र घायल हुए हैं। सभी को शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी जिला अस्पताल उपचार के लिए लेकर आए जहां पर उनका उपचार जारी है।

ईडी के फैसले के खिलाफ

उद्धव ठाकरे धड़े की याचिका पर तत्काल सुनवाई से न्यायालय का इनकार

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे पार्टी का चुनाव चिह्न 'धनुष एवं बाण' आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले के खिलाफ दायर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए प्रधान याधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष इस मामले का जिक्र किया। इस पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, "जम्मू-कश्मीर पर संविधान पीठ के फैसले का इंतजार करें और हम तारीख देंगे।" याचिका में दावा किया गया है कि निर्वाचन आयोग ने यह फैसला सुनाकर गलती की कि दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता और चुनाव चिह्न आदेश के तहत कार्यवाही अलग-अलग क्षेत्रों में काम करती है और विधायकों की अयोग्यता किसी राजनीतिक दल की सदस्यता की समाप्ति पर आधारित नहीं है। इसमें कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने यह मानकर गलती की कि शिवसेना विभाजित हो गई है। निर्वाचन आयोग ने एकनाथ शिंदे-गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी थी और दिवंगत बालासाहेब ठाकरे द्वारा स्थापित पार्टी का चुनाव चिह्न 'धनुष और बाण' उसे आवंटित किए जाने का आदेश दिया था।

अचानक दिल्ली की आजादपुर सब्जीमंडी पहुंचे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। किसानों और कार मैकेनिकों से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार (1 अगस्त) को सुबह-सुबह आजादपुर मंडी में सब्जी विक्रेताओं से मिलने पहुंचे। इस दौरान वह सब्जी वालों से मुलाकात करते नजर आए। राहुल गांधी जैसे ही सब्जी मंडी पहुंचे तो लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक वीडियो ट्वीट किया है। ऐजेंसी ने थर्ड पार्टी सोर्स के आधार पर यह वीडियो पोस्ट किया है।

किसानों और बाइक मैकेनिकों से भी मुलाकात कर चुके हैं राहुल

इससे पहले राहुल गांधी हरियाणा के सोनिपत में किसानों के साथ मुलाकात करते नजर आए थे। उन्होंने खुद भी अपने ट्विटर हैंडल से फोटो शेयर की थीं, जिनमें वह खेतों में काम करते, ट्रैक्टर चलाते, किसानों से बातें करते और उनके साथ खाना खाते दिखाई दिए थे। इसके अलावा, दिल्ली के करोल बाग में मोटर मैकेनिकों के साथ भी उनकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आई थीं। इस दौरान, वे कार रिपेयर करते दिखाए दिए थे और उन्होंने मैकेनिकों से बात करते हुए इस बात का भी खुलासा किया था कि उनके पास एक केटीएम बाइक है, लेकिन सिक्योरिटी गार्ड्स के कहने पर वह बाइक चलाते नहीं हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान आम लोगों से जुड़ने की कोशिश

पिछले दो महीनों में यह तीसरी बार है, जब राहुल गांधी ने आम लोगों के बीच जाकर उनसे बात की है। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी राहुल गांधी विभिन्न राज्यों के सफर पर निकले थे और आम लोगों से बात की। उनकी यात्रा में कांग्रेस नेताओं के अलावा विभिन्न राज्यों के नेता भी जुड़े थे। यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने आम लोगों से बात की।

नरोत्तम बोले- विपक्ष में रहते हैं तो भगवान और सत्ता में आते हैं तो सलमान

कांग्रेसी सीजनल हिंदू है

भोपाल, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव का काउन डाउन शुरू हो गया है। इसके साथ ही राजनीति दलों के नेताओं में आरोप प्रत्यारोप भी तेज हो गया है। मंगलवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के लोग है यह विपक्ष में रहते हैं तो भगवान और सत्ता में आते हैं तो सलमान हो जाते है। कांग्रेसी सीजनल हिंदू है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस के लोग विपक्ष में आ जाते है तो नर्मदा जी की पूजा करते है। इनको बताना चाहिए कि 15 महीने में नर्मदा जी के लिए क्या किया था। अब आरती उतार रहे है। नर्मदा सेना बना रहे है। इन्होंने सरकार में आने पर अवैध खनन करके नर्मदा जी की छाती को छलनी कर दिया था। जब यह सरकार में थे तब इन्होंने नर्मदा सेना क्यों नहीं बनाई? बता दें सोमवार को कांग्रेस की तरफ से नर्मदा सेवा सेना गठित की गई है। यह सेना नर्मदा जी के अवैध उत्खनन तथा गंदे जल को नदी में मिलने से रोकने के लिए काम करेंगी। इस अभियान का शुभारंभ नर्मदा सेवा सेना ने महाआरती के साथ किया।

संजय राउत ने पीएम मोदी के वंशवाद वाली टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा

भाजपा बताए कि प्रधानमंत्री क्यों शरद पवार के साथ मंच साझा किए हैं

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सियासत अपने चरम पर है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने प्रदेश की सत्ता में साझेदार भाजपा से प्रश्न करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनसीपी प्रमुख शरद पवार के साथ लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में कैसे मंच साझा किए हैं, जबकि वो कथित वंशवाद की राजनीति के लिए शरद पवार को कटघरे में खड़ा कर चुके हैं। सांसद संजय राउत ने आज कहा कि भाजपा को यह स्पष्ट करना होगा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्षी नेता शरद पवार के साथ मंच साझा करने के लिए क्यों तैयार हैं, जबकि उन्होंने एक महीने पहले ही एनसीपी पर पर भ्रष्ट होने और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। राउत ने कहा। पीएम मोदी ने एक महीने पहले एनसीपी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए हमला किया था और उसके कुछ दिनों के बाद एनसीपी से टूटे अजित पवार गुट के साथ भाजपा ने हाथ मिला लिया था। आज उसी एनसीपी के मुखिया पीएम मोदी के साथ मंच पर होंगे। इसका सीधा मतलब है कि पीएम मोदी के कथनी और करनी में भारी विरोधाभास है। कम से कम भाजपा को इस पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।" राउत ने शरद पवार के उस स्पष्टीकरण, जिसमें पवार ने कहा कि पीएम मोदी के साथ लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में शामिल होन का आमंत्रण तीन महीने पहले मिला था। संजय राउत ने कहा कि अगर यह गैर-राजनीतिक कार्यक्रम है तो निश्चित ही शरद पवार को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में जाना चाहिए। इस पूरे प्रकरण में दिलचस्प बात यह है कि शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में कहा गया कि खुद शरद पवार द्वारा लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में प्रधानमंत्री को सम्मानित किया जाना और उन्हें पुरस्कार दिया जाना "विवाद की जड़" है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार
अगर आपको दूसरों के धन्धे में मन लगाने की आदत है तो आपका अपने धन्धे में दिवाला निकल जायेगा

आपातकालीन वाहनों से मिलेगी स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने में मदद : केसीआर

सीएम ने 466 आपातकालीन वाहनों को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को यहां पीपुल्स प्लाजा में '108' आपातकालीन वाहन, '102' अम्मा वडी वाहन और मुफ्त शव वाहन सहित 466 नए वाहनों के बेड़े को हरी झंडी दिखाई। उद्घाटन के तुरंत बाद, वाहनों को सभी जिलों में भेज दिया गया, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक श्रेणी के तहत उन्नत सुविधाओं के साथ कम से कम एक नया वाहन हो। इनमें से 204 वाहन '108' एम्बुलेंस हैं, 228 अम्मा वोडी परिवहन वाहन हैं और 34 शव वाहन हैं, जो मृतकों के शवों को उनके मूल स्थान तक मुफ्त में पहुंचाने के लिए विशेष सेवाएं प्रदान करेंगे। वर्तमान में, '108' आपातकालीन बेड़े में 426 वाहन हैं, जिनमें से 175 वाहनों को नए वाहनों से बदला जा रहा है और 29 नए एम्बुलेंस नए मार्गों में जोड़े जा रहे हैं।

कुल मिलाकर, '108' आपातकालीन सेवाओं के बेड़े में 455 वाहन होंगे। मौजूदा 300 अम्मा वोडी वाहनों में से 228 वाहनों को उन्नत उपकरणों के साथ नए बेड़े से बदला जा रहा है। इसी प्रकार, सभी मौजूदा 34 पुराने शव वाहनों को इतनी ही संख्या में नए वाहनों से बदला जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए, स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के विकास और राज्य के प्रत्येक जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के मामले में दूसरों के अनुकरण के लिए नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। उन्होंने राज्य में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं में सुधार और मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों के निर्माण के प्रस्तावों को तुरंत मंजूरी देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस पहल से तेलंगाना में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। तेलंगाना सरकार ने अब अपने नागरिकों के लिए जन्म से मृत्यु तक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए अपने अस्पतालों और चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। वाहनों की नवीनतम वृद्धि के साथ, एम्बुलेंस सेवाओं की संख्या 2014 में प्रति एक लाख लोगों पर एक वाहन से बढ़कर 2023 में प्रति 75,000 लोगों पर एक वाहन हो गई है। इस अवसर पर, स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि '108' सेवा के कर्मचारियों का वेतन चार अलग-अलग स्लैब में बढ़ाया जाएगा और इसके तौर-तरीकों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

मंत्री ने टीपीसीसी अध्यक्ष पर जमकर हमला बोला

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उत्पाद शुल्क और पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने ब्लैकमेल रणनीति में शामिल होने और 'झूठे' अदालती मामलों के साथ उनकी छवि खराब करने के लिए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना की।

मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने विधायकों ए. वेंकटेश्वर रेड्डी और कृष्ण मोहन रेड्डी के साथ कहा कि उन्हें रेवंत रेड्डी पर शर्म महसूस हुई, क्योंकि रेवंत रेड्डी धोखेबाज हैं और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की छवि खराब करने की रणनीति के तहत हमेशा ब्लैकमेल में लगे रहते हैं।

श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि टीपीसीसी अध्यक्ष को एहसास हो गया है कि वह चुनाव में मेरा सामना नहीं कर सकते। जनता की नजरों में मेरी छवि खराब करने के लिए, वह अदालतों में झूठे मामले भर रहे हैं और मेरे खिलाफ झूठ फैला रहे हैं। मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। अगर यह साबित हो जाए कि मैंने वक्फ की जमीनों पर कब्जा किया है।

स्वस्थ समाज के निर्माण में 'विकल्प' की भूमिका महत्वपूर्ण होगी : अंजनी कुमार

राचकोंडा आयुक्तालय में अद्वितीय परामर्श केंद्र 'विकल्प' की स्थापना

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नरेट और अग्रणी तस्करी विरोधी संगठन प्रज्वला ने समावेशी समाज में योगदान देने वाले ट्रांसजेंडरों के लिए रोजगार के अवसरों की सुविधा के लिए मीरपेट पुलिस स्टेशन में एक अद्वितीय परामर्श केंद्र 'विकल्प' की स्थापना की है। पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार ने डी.एस. चौहान आयुक्त, राचकोंडा, वी. सत्यनारायण संयुक्त पुलिस आयुक्त, राचकोंडा, डॉ. सुनीता कृष्णन, पद्मश्री पुरस्कार विजेता और संस्थापक प्रज्वला, श्रीमती साई श्री डीसीपी, एल.बी. नगर और राचकोंडा आयुक्तालय के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में केंद्र का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए डीजीपी ने इस तरह के अनूठे कार्य को शुरू करने के लिए रचाकोंडा आयुक्तालय के प्रयासों की सराहना की। यह कार्य एक स्वस्थ अपराध मुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने यौन तस्करी से निपटने में प्रज्वला के महत्वपूर्ण प्रयासों का भी विशेष उल्लेख किया और इस अद्वितीय परामर्श केंद्र की स्थापना में सहयोगात्मक साझेदारी की सराहना की। रचाकोंडा के आयुक्त, डी.एस.चौहान ने एक समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यकता दोहराई और कहा कि सभी समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान मूल कारण की पहचान करना और समाधान की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना है। "विकल्प" एक समाधान आधारित पहल है जो अधिकांश के लिए विकल्प प्रदान करती है।

बहिष्कृत समुदाय और इसका उद्देश्य उन्हें अपराध के जीवन से रोकना है। उन्होंने कहा कि तस्करी किए गए लोगों की संख्या अप्रासंगिक है, भले ही एक इंसान की तस्करी की जाती है, यह 'एक बहुत अधिक' है और एक कानून लागू करने वाले के रूप में वह हर तरह से मानव तस्करी के संगठित अपराध की बुराई को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पद्मश्री पुरस्कार विजेता सुनीता कृष्णन ने इस अनूठे और अभिनव परामर्श केंद्र की स्थापना के लिए राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट के साथ सहयोग करने पर गर्व और खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की सामुदायिक पुलिसिंग पहल जटिल सामाजिक समस्याओं का सक्रिय समाधान प्रदान करने और अपराध मुक्त समाज का निर्माण करने पर केंद्रित है।

रेलवे ने 500 मीट्रिक टन माल लदान का आंकड़ा पार किया, माल लदान से 13,578 करोड़ रुपये कमाए

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे (आईआर) ने इस वित्तीय वर्ष के पहले 4 महीनों में एक बार फिर संचयी आधार पर 500 मीट्रिक टन माल लदान का आंकड़ा पार कर लिया है। अप्रैल-जुलाई 2023 तक, पिछले वर्ष की 501.55 मीट्रिक टन की लोडिंग के मुकाबले 507.7 मीट्रिक टन की माल लदान हासिल की गई है, जो पिछले वर्ष की लोडिंग की तुलना में 1.23 प्रतिशत का सुधार है। रेलवे ने पिछले साल के 53731 करोड़ रुपये के मुकाबले 55459 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.22 प्रतिशत का सुधार है। अप्रैल-जुलाई 2023 से, संचयी आधार पर, आईआर की कुल कमाई लगभग 80869 करोड़ रुपए (कोचिंग, माल, विविध, अन्य कोचिंग आय सहित) 75847 करोड़ रुपये के मुकाबले पिछले वर्ष की तुलना में जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 6.62 प्रतिशत का सुधार है। जुलाई 2023 के महीने के दौरान, जुलाई 2022 में 122.15 एमटी की लोडिंग के मुकाबले 123.98 एमटी की प्रारंभिक माल ढुलाई हासिल की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1.5 प्रतिशत का सुधार है।

माल ढुलाई राजस्व जुलाई 2022 में 13,163 करोड़ रुपये की माल ढुलाई आय के मुकाबले जुलाई 2023 में 13,578 करोड़ रुपये हासिल किए गए, जिससे पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत का सुधार हुआ। "हंग्री फॉर कार्गो" मंत्र का पालन करते हुए, आईआर ने व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा वितरण में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण और त्वरित नीति निर्माण द्वारा समर्थित व्यवसाय विकास इकाइयों के काम ने रेलवे को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में मदद की।

विधानसभा की गरिमा को बनाए रखते हुए हर मुद्दे पर हो गहन चर्चा : पोच्चारम

विस अध्यक्ष ने विधानसभा सत्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्पीकर पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी और परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने 3 अगस्त से शुरू होने वाले तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद सत्र की व्यवस्था की समीक्षा की है।

मंगलवार को यहां विधानसभा समिति हॉल में अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य विधानसभा का प्रदर्शन देश में अनुकरणीय है और इसकी चर्चा नई दिल्ली और अन्य राज्यों में भी हो रही है। अध्यक्ष ने कहा, "यह उपलब्धि अधिकारियों के सहयोग से संभव हो सकी। यदि जन प्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर काम करें तो उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।" पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, "तेलंगाना राज्य विधानसभा की गरिमा को बनाए रखते हुए हर मुद्दे पर गहन चर्चा की जानी चाहिए। सत्र पारदर्शी तरीके से आयोजित किया जाना चाहिए और निर्वाचित प्रतिनिधियों पर भी जिम्मेदारी है कि वे सभी मामलों की जानकारी लोगों को दें।" उन्होंने कहा कि सदन में सदस्यों द्वारा जो भी जानकारी मांगी जाये, उसे तत्काल उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया जाना चाहिए। पिछले सत्र से संबंधित सभी लंबित प्रश्नों के उत्तर संबंधित विधायकों को भेजे जाएं। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि सभी विधायकों को तेलुगु, अंग्रेजी और उर्दू भाषाओं में जानकारी प्रदान की जानी चाहिए और जानकारी प्रदान करने के लिए प्रत्येक विभाग में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाना चाहिए। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने अधिकारियों से सत्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करने को कहा और कहा कि ऐसे कदम उठाए जाने चाहिए कि प्रोटोकॉल का मुद्दा न उठाया जाए। विधान परिषद की बैठकों के दौरान अधिकारियों को उपस्थित रहना होगा। गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि दोनों सदनों को समन्वय के साथ सुचारू रूप से चलना चाहिए। इस अवसर पर विधायी मामलों के मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, परिषद के उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज, विधान सभा के मुख्य सचेतक दस्यम विनय भास्कर, विधान परिषद के मुख्य सचेतक भानु प्रसाद राव, मुख्य सचिव शांति कुमारी, विशेष मुख्य सचिव (वित्त) रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव (एमए एंड यूडी) अरविंद कुमार, जीएडी सचिव शेषाद्रि, डीजीपी अंजनी कुमार, प्रमुख सचिव गृह जितेंदर, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, राचकोंडा आयुक्त डीएस चौहान, साइबराबाद आयुक्त स्टीफन रवींद्र और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आरजीआईए में 82 लाख रुपये से अधिक का सोना जब्त

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सोमवार और मंगलवार को सामने आए दो अलग-अलग मामलों में दो यात्रियों से लगभग 82.42 लाख रुपये का सोना जब्त किया। सोमवार आधी रात के आसपास सामने आए पहले मामले में, हैदराबाद कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने दोहा से आए एक भारतीय नागरिक से लगभग 42.96 लाख रुपये मूल्य का 701 ग्राम सोना जब्त किया। प्रोफाइलिंग और संदेह के आधार पर, अधिकारियों ने उस यात्री को हिरासत में लिया, जिसने अपने मलाशय के अंदर कैप्सूल में पेस्ट के रूप में छिपी पीली धातु की तस्करी करने की कोशिश की थी।

भावभीनी श्रद्धांजलि

श्री बाबा रामदेव मित्र मंडल, सिकंदराबाद के पूर्व उपमंत्री प्रिय मित्र हमारा भाई
श्री जितेन्द्रजी लूणिया
(सुपुत्र : श्री प्रकाशचन्दजी लूणिया) स्वर्गवास : शनिवार, दि.29 जुलाई 2023
ऐ मेरे दोस्त लौट के आजा, बीन तेरे ये जिंदगी अधुरी है, आके तो देख मेरी हालत को बीन तेरे हर खुशी अधुरी है टूट गई है माला मोती बिखर चले, दो दिन रह गए पास जाने जीतू भाई आप किधर चले।
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता:
श्री बाबा रामदेव मित्र मंडल, सिकंदराबाद
गज्जू भाई कोलरिया, कमल जैन, धीरेंद्र कुमार जैन, मुकेश पारीक, प्रशांत गुलेचा, राजेश मालपानी, सुरेश माली, राजेश माली, पुखराज माली, निलेश बैद, अमित जोशी, संजय कटारिया, अशोक कावड़िया, शरद सिंह ठाकुर, प्रभु सिंह राठौड़, विक्रम लुहार, राम किशोर कुमावत, श्रीकांत तिवारी, रामकिशोर झँवर, हरीश इन्नाणी, अशोक पारीक, गोविंदा ग्रुप

बीजेपी विधायक रघुनंदन ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

कहा, बाढ क्षेत्र का दौरा न कर मुख्यमंत्री महाराष्ट्र चले गए

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाका विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक एम. रघुनंदन राव ने आज सीएम केसीआर के पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के दौरे पर अपनी नाराजगी व्यक्त की।

इस मुद्दे पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित मोरंचापल्ली गांव जाने के बजाय, जो हाल ही में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गया है और मुख्यमंत्री महाराष्ट्र चले गए। मोरंचापल्ली के लोग खराब स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि वे खाने के लिए भोजन खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हैदराबाद मेट्रो रेल के विस्तार के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले के बारे में बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि नौ वर्षों में राज्य सरकार पुराने शहर के लिए लंबित 5.5 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन को पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सीएम का वोट और सीटों के अलावा कोई और फोकस नहीं है। यह कहते हुए कि राज्य सरकार ने कडेम परियोजना के विकास के लिए एक समिति बनाई है और रिपोर्ट प्राप्त की है, उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मंत्रियों के पास कडेम परियोजना को देखने का समय नहीं है और कहा कि मुख्यमंत्री के पास कडेम परियोजना के विकास के लिए धन 30 प्रतिशत भी नहीं है। उन्होंने राज्य में एक के बाद एक प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन की बात करते हुए आरोप लगाया कि एक महीने में तीन तरह की परीक्षाएं आयोजित कर बेरोजगारों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि उन्होंने सोचा था कि परीक्षा आयोजित करने की तारीखों में बदलाव पर फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया जाएगा, लेकिन उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार राज्य सरकार के साथ विलय से पहले टीएसआरटीसी अस्पताल का बकाया भुगतान करे।

उन्होंने मांग की कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीखें फिर से निर्धारित की जाएं. उन्होंने यह भी मांग की कि विधायकों का एक महीने का वेतन बाढ़ पीड़ितों को दिया जाना चाहिए और कहा कि मुख्यमंत्री को महाराष्ट्र से आने के बाद इस संबंध में निर्णय लेना चाहिए।

तेलुगु को अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाने के संबंध की गई बैठक

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सरकारी सलाहकार केवी रमनाचारी ने आज बोग्गिकुंटा के कार्यालय में सभी प्रबंधन के स्कूलों में कक्षा 10 के सभी छात्रों के लिए तेलुगु विषय में परीक्षा लिखने की प्रक्रियाओं पर चर्चा करने और तैयार करने के लिए बैठक की। केवी रामनाचारी के नेतृत्व में तेलुगु कार्यान्वयन समिति के सदस्यों के साथ एक बैठक हुई। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक श्रीदेवसेना, राजभाषा संघ के अध्यक्ष मंत्री श्री देवी, तेलंगाना साहित्य अकादमी के अध्यक्ष जुलुरी गौरीशंकर, एससीईआरटी के निदेशक राधारेड्डी और तेलुगु समन्वयक सुवर्णा विनायक उपस्थित थे। श्रीदेवी ने कहा कि ऐसे समय में जब शिक्षाविद् और राष्ट्रीय नेता कह रहे हैं कि सभी छात्रों को अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करनी चाहिए, तेलंगाना राज्य के प्रत्येक छात्र को 10वीं कक्षा तक तेलुगु सीखना एक अच्छी बात है, और छात्रों तेलंगाना राज्य में तेलंगाना भाषा, साहित्य, संस्कृति, कवियों, कलाकारों आदि के बारे में सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि गंगाजमुना तहजीब की संस्कृति विकसित होगी क्योंकि गैर-तेलुगु मूल भाषियों को भी तेलुगु सीखकर तेलंगाना समाज के साथ घुलने-मिलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही तेलंगाना राज्य सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तेलुगु भाषा और संस्कृति की परंपराओं को संरक्षित करने और इसे पिछली पीढ़ियों को सौंपने में अनुकरणीय होगी। मंत्री श्री देवी ने मुख्यमंत्री कल्वाकुंतला चन्द्रशेखर राव को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि यदि तेलंगाना आचरण करेगा तो देश भी अनुसरण करेगा। इसके अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग ने चरणबद्ध तरीके से तेलुगु को लागू करने के लिए प्रक्रियाएं तैयार की हैं। वर्ष 2018-19 में कक्षा 1 और कक्षा 6 से शुरू होकर शैक्षणिक वर्ष 2022-23 तक कक्षा 1 से कक्षा 10 तक तेलुगु पढ़ाने के लिए प्रक्रियाएं तैयार और लागू की जा रही हैं। मार्च 2020 से पिछले साल तक, कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न संकट को देखते हुए, स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 और 2023-24 में तेलुगु को अनिवार्य अध्ययन से छूट दी थी। जिन छात्रों ने इस वर्ष 9 वीं कक्षा की पढ़ाई की है, उन्हें शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में 10वीं कक्षा की परीक्षा देनी होगी और तेलुगु विषय को बोर्ड परीक्षा के रूप में लिखना होगा। 2017 में आयोजित विश्व तेलुगु महासभा के अवसर पर, तेलंगाना राज्य के भाषा प्रेमी और दूरदर्शी मुख्यमंत्री श्री कल्वाकुंतला चन्द्रशेखर रावगरू ने राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा एक से कक्षा दस तक तेलुगु पढ़ाए जाने का आह्वान किया। इसके अनुरूप, राज्य सरकार ने 31 मार्च 2018 को अधिनियम 10/2018 लागू किया। कानून के अनुसार, राज्य के सरकारी स्कूलों में तेलुगु पढ़ाना अनिवार्य हो गया है, भले ही वे अन्य बोर्ड यानी सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी से संबद्ध हों।

रेवंत ने सीएम से मृत बाढ़ पीड़ितों को मुआवजे के रूप में 25 लाख देने की मांग की

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने हाल की बाढ़ के बाद लोगों की जिंदगी को भगवान की दया पर छोड़ दिया है। आंकड़ों के मुताबिक बाढ़ से 40 लोगों की मौत हो चुकी है. नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 20 लाख एकड़ में फसल बर्बाद हो गई है और किसानों को 5,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सीएम को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली आना चाहिए और पीएम मोदी और गृह मंत्री से मिलना चाहिए और उनसे राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए राज्य के लिए धन जारी करने के लिए कहना चाहिए।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि बीआरएस सांसद संसद में क्यों आ रहे हैं. उन्होंने राज्य सरकार से बाढ़ में मरने वालों के परिजनों को 20 लाख की मुआवजा राशि देने की मांग की. उन्होंने स्टाफ सरकार से बाढ़ प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ 20 हजार रुपये मुआवजा देने की भी मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम तेलंगाना के लोगों के पैसे से महाराष्ट्र में राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाने के बजाय बेशर्मी से महाराष्ट्र जा रहे हैं और उन लोगों का स्वागत कर रहे हैं जो उनकी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

॥ हरि ॐ ॥ स्वर्गवास ॥ हरि ॐ ॥

श्री फुसालालजी भायल
सुपुत्र: स्व.श्री घिसारामजी भायल (जोजावर)
स्वर्गवास: 01.08.2023
शवयात्रा, आज दि.02.08.2023 बुधवार
प्रात: 10.15 बजे हमारे निवास स्थान अम्बरपेट से गोलनाका शमशान वाटिका जायेगी
: शोकाकुल :
धापुबाई (धर्मपत्नी), स्व.मगारामजी, मांगीलाल, स्व.पेमारामजी (भाई), भंवरलाल (पुत्र), नारायणलाल, नगाराम, केसाराम, राजाराम, बालाराम, मनोहर, देवराज, अमरचन्द, मनमोहन (भतीजे), हर्ष (पौत्र)
एवं समस्त भायल परिवार
फर्म: आईमाताजी ऐजेन्सी अम्बरपेट
9885004520
P.Solankey

हाईकोर्ट से नीतीश के ड्रीम प्रोजेक्ट को हरी झंडी

इसे सर्वे की तरह कराने के लिए सरकार को मिली मंजूरी

पटना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। नौ या छह- बिहार में यह कहावत खूब चलती है। मंगलवार को पटना हाईकोर्ट अपने अंतरिम फैसले से आगे अंतिम फैसले में यही करेगा। हाईकोर्ट ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट की दी तारीख के अंदर बिहार में जातीय जनगणना को लेकर उठ रहे सवालों पर सुनवाई कर ली। चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन व जस्टिस पार्थ सार्थी की खंडपीठ ने लगातार पांच दिनों तक (3 जुलाई से लेकर 7 जुलाई तक) याचिकाकर्ता और बिहार सरकार की दलीलें सुनीं। कोर्ट ने जाति आधारित जनगणना बताने वालों की भी पूरी दलील सुन ली और फिर सरकार के उस दावे का पक्ष भी सुना, जिसके अनुसार यह जाति आधारित सर्वे है। आज पटना हाईकोर्ट ने सीएम नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है। कोर्ट ने इसे सर्वे

की तरह कराने की मंजूरी दे दी है। जल्दी ही बिहार सरकार फिर से जातीय जन-जनगणना शुरू करवाएगी। हालांकि कोर्ट के इस फैसले से याचिकाकर्ता नाखुश हैं। उनका कहना है कि अब वह इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

अंतिम फैसला आए बिना सुप्रीम कोर्ट में नहीं होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को तीसरी बार बिहार की जाति आधारित जन-गणना के केस को पटना हाईकोर्ट के पास भेजा था। दो बार जनहित के नाम पर याचिका पहुंचने पर सुप्रीम न्यायालय ने इसे हाईकोर्ट का केस बताते हुए वापस किया था। इसके बाद पटना हाईकोर्ट में सुनवाई हुई और यहां 04 मई को अंतरिम फैसला राज्य सरकार के खिलाफ आया। कोर्ट ने जाति आधारित जनगणना प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाते हुए 04 मई तक जुटाए सभी डाटा को सुरक्षित रखने का आदेश दिया था। पटना हाईकोर्ट से अपने खिलाफ अंतरिम आदेश को देखकर बिहार की नीतीश सरकार अगली तारीख का इंतजार किए बगैर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा- "पटना हाईकोर्ट के अंतरिम फैसले में काफी हद तक स्पष्टता है, लेकिन अंतिम फैसला आए बगैर सुप्रीम कोर्ट में कोई सुनवाई नहीं होगी।

जानिए, आदेश का असर और ऑनलाइन डाटा की स्थिति

पटना हाईकोर्ट ने 04 मई को अंतरिम आदेश दिया और कुछ ही घंटे में सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश पर तमाम जिलाधिकारियों के जरिए गणना में लगे सारे कर्मियों तक एक लाइन का मैसेज पहुंच गया कि डाटा को यथास्थिति सुरक्षित किया जाए। इसके बाद क्या हुआ? दरअसल, भले ही सरकार ने 80 प्रतिशत काम पूरा होने की बात की है लेकिन सच्चाई यही है कि यह आंकड़ा कागज पर जानकारी जुटाने वालों का है। मतलब, 80 फीसदी के करीब लोगों की जानकारी पेपर पर ली गई है। जमा की गई जानकारी (डाटा) का औसतन 25 फीसदी भी अभी ऑनलाइन अपलोड नहीं हुआ है। जिस सरकारी सर्वर की बात सरकार ने की है, उसकी जगह ज्यादातर डाटा अभी पेपर पर ही है।

क्या अखिलेश यादव को झटका देकर बीजेपी में शामिल होंगी पूजा पाल?

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी लगातार खुद को यूपी में मजबूत करने में जुटी है। पिछले दिनों ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव समाज पार्टी एनडीए में शामिल हो गई, इसके बाद सपा नेता दारा सिंह चौहान समेत कई और नेताओं के भी बीजेपी के पाले में आ गए, जिसके बाद ये चर्चा तेज हो गई कि बीजेपी कुछ और सपा नेताओं का तोड़ सकती है। इसमें एक नाम सपा विधायक पूजा पाल का भी था। खबर आई कि चायल विधानसभा सीट से विधायक पूजा पाल बीजेपी में शामिल हो सकती हैं। इन खबरों का खुद पूजा पाल ने खंडन किया है। बीजेपी के साथ जुड़ने की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए पूजा पाल ने कहा कि उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर जो खबरें चल रही है वो गलत है उनका कोई आधारा नहीं है। सपा विधायक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जानकारी देते हुए कहा कि वो समाजवादी पार्टी के साथ ही रहेंगी। उन्होंने लिखा, 'सोशल मीडिया पर चलाये जाने वाली खबर असत्य व बेबुनियाद है मैं किसी पार्टी में नहीं जा रही हूं सब राजनीतिक दलों की साजिश है। मैं समाजवादी पार्टी में ही हूं ये मेरी छवि को लोगों के बीच धूमिल करने का प्रयास है।' इससे पहले खबर आई थी कि सपा के कई विकेट गिराने के बाद बीजेपी पूजा पाल को भी अपने पाले में ला सकती है। पूजा पाल पहले विधायकी से इस्तीफा देंगी और फिर उन्हें कोई मंत्री पद या फिर लोकसभा का टिकट दिया जा सकता है।

ज्ञानवापी मामले पर मायावती की पहली प्रतिक्रिया

सीएम योगी के बयान का समर्थन किया या विरोध?

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। ज्ञानवापी को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए बयान पर सियासत तेज होने लगी है। सपा समेत कई दलों के नेताओं ने जहां योगी के बयान पर सवाल उठाए तो वहीं अब इस मुद्दे पर बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती का बयान भी सामने आया है।

बसपा सुप्रीमो ने इस मामले पर सपा और बीजेपी दोनों को घेरते हुए इसे विवाद बढ़ाने वाला बयान कहा।

उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी का मामला अभी कोर्ट में लंबित है, ऐसे में इसे लेकर किसी भी तरह की बयानबाजी करना गलत है। इस मामले पर कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा, सपा द्वारा बौद्ध मठ को तोड़कर बद्रीनाथ मन्दिर बनाने सम्बंधी बयान के बाद अब भाजपा द्वारा

कोर्ट में लम्बित ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर विवाद को बढ़ाने वाला बयान कहीं इन दोनों पार्टियों की सोची-समझी राजनीतिक साजिश का परिणाम तो नहीं?

यह गंभीर व अति-चिन्तनीय उन्होंने एक और ट्वीट में कहा, ज्ञानवापी मामले में एएसआई से सर्वे कराने के विवाद को लेकर मामला माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाई कोर्ट में अभी लम्बित है, तब उस विवाद के सम्बंध में कोई भी टीका-टिप्पणी करना अनावश्यक ही नहीं बल्कि अनुचित है।

'धर्म धमकी नहीं होता पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किया सीएम योगी पर पलटवार

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में दिए एक इंटरव्यू में कहा कि ये देश मजहब से नहीं संविधान से चलेगा। अगर इस देश में रहना है तो राष्ट्र को सर्वोपरि मानना होगा, जिसे लेकर अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि धर्म धमकी नहीं होता है। ये तो इंसान को मानवीय व्यवहार और आपसी सहनशीलता को सिखाने का रास्ता है। उन्होंने कहा कि धर्म लिबास से नहीं बल्कि इंसान के विचारों से प्रकट होता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी के बयान पर पलटवार करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जवाब दिया और कहा कि धर्म जीवन के साथ ही, मानवीय व्यवहार, सामाजिक सहनशीलता, व्यक्तिगत सकारात्मक उत्थान और चतुर्दिक सह अस्तित्व सिखाने का भी मार्ग है। धर्म लिबास से नहीं विचार-आचार से प्रकट होना चाहिए। धर्म धमकी नहीं होता।

दरअसल, सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि ₹ये देश संविधान से चलेगा। मत और मजहब से नहीं, मैं ईश्वर का भक्त हूं लेकिन किसी पाखंड में विश्वास नहीं करता हूं, आपका मत आपका मजहब अपनी तरीके से अपने घर में होगा, अपनी मस्जिद, अपनी इबादतगाह में होगा। सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं और इसको आप किसी भी अन्य तरीके से दूसरे पर थोप नहीं सकते हैं। नेशन फर्स्ट है।

शिवपाल यादव का दांव चला तो पूर्वांचल में बढ़ेगी बीजेपी की मुश्किल, क्या है सपा का प्लान?

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि विपक्षी एकता के नए नाम से पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी घबराई है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव सोमवार को आजमगढ़ पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादियों और सपा कार्यकर्ताओं को संगठित कर हम मजबूती से चुनाव लड़ेंगे और उत्तर प्रदेश में बीजेपी को हराएंगे। रही बात विपक्ष के गठबंधन 'इंडिया' की तो वो बहुत मजबूत है। विपक्षी एकता के नए नाम से पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी घबराई हुई है। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि कल से मैंने पूर्वांचल का दौरा शुरू किया है। संगठन को मजबूत और समाजवादियों को इकट्ठा कर 2024 का चुनाव लड़ा जाएगा और बीजेपी को हराया जाएगा। स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत मत है। यह जो बीजेपी की चाल है, हम उसे सफल नहीं होने देंगे। धर्मेंद्र यादव के चुनाव में गुटबाजी के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है, यह कहना गलत है। जल्द ही जिले की नई कार्यकारिणी का गठन होगा।

गुटबाजी के सवाल पर शिवपाल ने कहा

अखिलेश यादव के चाचा और सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि फिलहाल जो भी पार्टी के लोग हैं, सबको एकजुट किया जाएगा और 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी से बीजेपी को भगा दिया जाएगा। पार्टी में गुटबाजी के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसीलिए वह यहां आए हैं और सभी को चाहे जो भी हों, सब को एकजुट किया जाएगा। इससे पहले शिवपाल यादव ने कहा था कि 2024 में बीजेपी को सत्ता की दहलीज तक नहीं पहुंचने देना है। उन्होंने कहा था कि बीजेपी को हराने के लिए संगठन को मजबूत करना है।

माफिया अतीक अहमद के बेटे

असद के एनकाउंटर मामले की जांच के लिए प्रयागराज पहुंची टीम, करेंगे कैंप

प्रयागराज, 1 अगस्त (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और तीन अन्य शूटरों के एनकाउंटर की जांच कर रहा न्यायिक आयोग दो दिनों तक प्रयागराज में कैंप करेगा। दो सदस्यीय न्यायिक आयोग की टीम कल 2 अगस्त को प्रयागराज पहुंचेगी। सर्किट हाउस में संबंधित लोगों का बयान लिया जाएगा। बता दें कि उमेश पाल शूटआउट केस के दो आरोपी अरबाज और विजय चौधरी प्रयागराज पुलिस की मुठभेड़ में मारे गए थे। 27 फरवरी को क्राइम ब्रांच और धूमनगंज पुलिस ने नेहरू पार्क में अरबाज को ढेर कर दिया था। 6 मार्च को को कौंधियारा थाना क्षेत्र में शूटर विजय चौधरी उर्फ उस्मान एनकाउंटर में मारा गया था। माफिया अतीक अहमद का बेटा असद और शूटर गुलाम का 13 अप्रैल को झांसी में एसटीएफ ने एनकाउंटर कर दिया था। झांसी में कार्रवाई पर एसटीएफ ने बताया था कि घेराबंदी के दौरान असद और गुलाम फायरिंग करने लगे। एसटीएफ की जवाबी कार्रवाई में दोनों ढेर हो गए। यूपी एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यश ने कहा था कि आरोपियों के पास से विदेशी हथियार बरामद किए गए। उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद का बेटा असद और गुलाम वांटेड थे। दोनों पर पुलिस की तरफ से 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। मुठभेड़ों की जांच के लिए सरकार ने दो सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। 2 और 3 अगस्त को न्यायिक आयोग की टीम संबंधित लोगों का बयान दर्ज करेगी। न्यायिक आयोग के दौरे से पहले सर्किट हाउस की सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद किया गया है।

पुलिस का ऑपरेशन क्लीन जारी, दो बदमाश मुठभेड़ में घायल; 315 बोर के तमंचे बरामद

इटावा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में मंगलवार सुबह करीब तीन बजे पुलिस ने सूचना के आधार पर बदमाशों की घेराबंदी शुरू कर दी। बसरेहर क्षेत्र के सेंगर नदी के पास पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हुई। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन अभियान के तहत दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। गोली लगने से दो बदमाश घायल हुए हैं, जबकि एक बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। संजय और विकास नाम के बदमाश गोली लगने से घायल हुए हैं। दोनो बदमाश बसरेहर इलाके के कैलामऊ गांव के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से एक मोटर साइकिल और दो 315 बोर के तमंचे, 2 जिंदा और 2 खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। यह बाइक मध्यप्रदेश से लूटी गई थी।

बिहार: सेक्रेटरी से विवाद के बाद 25 दिनों से 'वर्क फ्रॉम होम' पर शिक्षा मंत्री, दफ्तर पर लटका ताला

पटना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले दिनों बिहार के शिक्षामंत्री प्रो चन्द्रशेखर जब सीएम नीतीश कुमार से मिलने के बाद बाहर निकले थे तो मीडिया ने उनसे केके पाठक विवाद को लेकर सवाल किया। शिक्षामंत्री प्रो चन्द्रशेखर ने तब सवाल के जवाब में एक सवाल उछालते हुए कहा था मंत्री बड़े या अधिकारी? वैसे तो संविधान मंत्री को बड़ा बताता है क्योंकि उन्हें जनता चुनती है। बिहार के शिक्षामंत्री अपने विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से कथित विवाद के बाद पिछले 25 दिनों से मंत्रालय नहीं पहुंचे हैं।

उनके दफ्तर पर ताला लटका है और फिलहाल जो स्थिति है उसमें केके पाठक बीस साबित हो रहे हैं शिक्षामंत्री पर।

दरअसल बिहार के शिक्षामंत्री प्रो चन्द्रशेखर पिछले 25 दिनों से वर्क फ्रॉम होम पर हैं। वह घर बैठकर मंत्रालय से जुड़े फाइल निपटा रहे हैं। जबकि उनका विभाग लगातार क्रांतिकारी फैसले ले रहा है। पिछले दिनों सरकारी स्कूल के क्लास से कुर्सिया हटा ली गई। शिक्षक अब पूरे समय खड़े होकर क्लास लेंगे। क्लास में टीचर मोबाइल भी नहीं ले जा पाएंगे। इधर स्कूल से गायब रहने वाले शिक्षकों से वेतन वसूली की जा रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव केके पाठक के सक्रिय होने के बाद बिहार की शिक्षा व्यवस्था की हर रोज पोल खुल रही है।

दोनों के विवाद में काम प्रभावित

इधर मंत्री प्रो चन्द्रशेखर लगातार अपने ऑफिस से दूर हैं। मंत्री और अधिकारी के साथ नहीं बैठने की वजह से शिक्षा मंत्रालय के काम अटके पड़े हैं। क्योंकि एसीएस को केवल पांच करोड़ तक खर्च करने का अधिकार हैं (मंत्री 15 करोड़ तक) मंत्री और केके पाठक के आमने सामने होने की वजह से फाइलें मंत्री आवास से मंत्रालय और मंत्रालय से आवास चक्कर काट रहा है। पिछले दिनों जब केके पाठक को शिक्षा विभाग भेजा गया था तब दबी जुबान में चर्चा थी कि अब शिक्षामंत्री प्रो। चन्द्रशेखर के लिए यहां सब आसान नहीं होगा। दरअसल केके पाठक के बारे में कहा जाता है कि जब सीएम किसी विभाग को दुरुस्त करना चाहते हैं तो उन्हें केके पाठक की याद आती है। हालाकि उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में केके पाठक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए। बिहार में शराबबंदी की स्थिति किसी से छुपी नहीं है।

केके पाठक ने एंट्री कर दिया बैन

लेकिन शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभालते ही पाठक ने विभाग और जिला शिक्षा कार्यालयों पर नकेल लगानी शुरू कर दी। ये बात आरजेडी कोटे से शिक्षा मंत्री बने चंद्रशेखर को रास नहीं आई। उन्होंने अपने आप्त सचिव डॉ कृष्ण नन्द यादव से केके पाठक को पीत पत्र भिजवाया और शिक्षा मंत्री के अधिकार हनन की बात कही। तब केके पाठक ने जवाबी पत्र में आप्त सचिव को कड़ी फटकार लगा दी। इतना ही नही शिक्षा विभाग के ऑफिस में उनकी एंट्री भी बंद हो गई। साथ ही केके पाठक ने आप्त सचिव से कहा कि आप नाम के आगे जो डॉक्टर लिखते हैं उसके सबूत दें।

नीतीश कुमार तक पहुंचा मामला

मंत्री के आप्त सचिव की ऑफिस में नो एंट्री होने पर प्रो। चन्द्रशेखर ने इसकी शिकायत आरजेडी प्रमुख से की। तब लालू यादव ने नीतीश कुमार को फोन कर इस मामले की जानकारी दी। इसके बाद नीतीश कुमार ने 6 जुलाई को प्रो चन्द्रशेखर और केके पाठक को बुलाकर उनकी क्लास लगाई। इसके बाद भी ये मामला शात नहीं हुआ है। प्रो चंद्रशेखर 25 दिनों से ऑफिस नहीं पहुंचे हैं। वह वर्क फ्रॉम होम में फाइलों को निपटा रहे हैं।

कहां छुपी हैं शाइस्ता परवीन और जैनब

विजय मिश्रा उगलेगा राज? पुलिस ने की रिमांड पर लेने की तैयारी

प्रयागराज, 1 अगस्त (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद अब प्रयागराज पुलिस उसे रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। पुलिस जल्द ही विजय मिश्रा की कस्टडी रिमांड के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी। मिश्रा के गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ से कई बड़े खुलासे हुए हैं। पुलिस को उसके पास मिले मोबाइस फोन से भी केस से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। पुलिस को शक है कि अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और उसके भाई अशरफ की पत्नी जैनब लगातार उसके सपंर्क में थी। अतीक अहमद के करीब वकील विजय मिश्रा को प्रयागराज पुलिस ने लखनऊ के हयात होटल से गिरफ्तार किया गया था। जिस दिन उसकी गिरफ्तार हुई उस दिन वहां अशरफ की पत्नी जैनब के भी होने की बात सामने आई है। पुलिस को शक है अतीक की हत्या के बाद से उसकी पत्नी शाइस्ता परवीन और जैनब लगातार विजय मिश्रा के संपर्क में बनी हुई थी ऐसे में विजय मिश्रा की रिमांड लेने के बाद शाइस्ता परवीन और अशरफ की पत्नी जैनब को लेकर भी सवाल किए जाएंगे।

ट्रेन से गिरकर दो पहियों के बीच फंसा युवक चीखने-चिल्लाने लगे यात्री; ऐसे किया गया रेस्क्यू

भागलपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जाको राखे साइयां मार सके न कोय, बाल न बांका करि सके जो जग बैरी होय। यह कहावत बुधवार को चरितार्थ हुआ भागलपुर स्टेशन पर। रामपुरहाट-गया पैसेंजर ट्रेन पर चढ़ने के दौरान एक यात्री ट्रेन के नीचे गिर गया। ट्रेन के दो पहियों के बीच युवक बुरी तरह फंस गया। युवक को ट्रेन के नीचे पटरी पर गिरा देख प्लेटफार्म संख्या एक पर मौजूद और ट्रेन पर सवार लोग चिल्लाने लगे। शोर सुनने के बाद ड्राइवर और गार्ड ने तुरंत ट्रेन रोक दी। स्टेशन अधीक्षक सहित आरपीएफ के जवान तुरंत मौके पर पहुंचे। युवक का कंधा ट्रेन के एंगल में बुरी तरह फंसा हुआ था, जिसके कारण उसे खींचकर बाहर निकाला नहीं जा सकता था। काफी देर मशक्कत के बाद आरपीएफ के जवान और अन्य रेल अधिकारियों ने ट्रेन के गार्ड और चालक को गाड़ी पीछे करने का इशारा किया। चालक ने जैसे ही ट्रेन को पीछे किया, युवक का कंधा एंगल से छूट गया। इसके बाद युवक को ट्रेन के नीचे से निकाला गया। आरपीएफ ने जख्मी युवक को मायागंज स्थित जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कालेज अस्पताल के इमरजेंसी में भर्ती कराया है। उसकी हालत स्थिर है। हालांकि, अबतक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। इधर, युवक के फंसे होने से रामपुरहाट-गया पैसेंजर ट्रेन काफी देर तक स्टेशन पर रूकी रही। काफी संख्या में यात्री ट्रेन से उतर गए।

यूपी के 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी कई जगहों पर बिजली गिरने की आशंका

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बारिश का सिलसिला जारी है। कई जगहों पर घने बादल छा गए हैं और कई जगहों पर सुबह से ही बरसात शुरू हो गई है। इस मौसम विभाग ने 6 अगस्त तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश तो कई जगहों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। पश्चिमी और पूर्वी यूपी के कई हिस्सों में आज मंगलवार को भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। यहां पर तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश की आशंका है। कई जगहों पर बिजली गिरने की संभावना है, ऐसे में लोगों को सावधानी बरतरने को कहा गया है। राजधानी लखनऊ की बात करें तो यहां पर आज सुबह से ही काले

बादल छाने लगे, जिसके बाद मौसम बेहद सुहाना हो गया है। लोगों को गर्मी से राहत मिली रही है। लखनऊ के कुछेक स्थानों में हल्की बौछारें भी देखने को मिली। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में फिलहाल कोई बड़ा बदलाव देकने को नहीं मिलेगा हालांकि उसके अगले 3 तीन तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती हैं वहीं न्यूनतम तापमान में अगले पांच दिनों तक कोई बदलाव नहीं होगा।

इन जनपदों में भारी बारिश की चेतावनी

यूपी में आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, जालौन, झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, मिर्जापुर, चंदौली, संत रविदास नगर और सोनभद्र में तेज आंधी तूफान भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। यहां पर आंधी तूफान के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में लोगों को सावधान रहने को कहा गया है। ज्यादा जरूरी हो तो ही वो घर से बाहर निकले नहीं तो अपने घर में ही रहें। इस बार यूपी में मौसम के अलग-अलग रूप देखने को मिल रहे हैं। जहां पश्चिमी यूपी में इस बार सामान्य से 11 फीसद बारिश ज्यादा हुई है तो वहीं पूर्वी यूपी के कई जिले अब भी बारिश के लिए तरस रहे हैं। इस बार जुलाई के महीने में यहां 37 फीसद तक कम बारिश हुई है। वहीं पहाड़ों पर हुई बारिश की वजह से नदियों का जलस्तर भी काफी बढ़ा हुआ है।

ट्रक ने तीन को कुचला: सड़क किनारे खड़े थे मामा और दो भांजे, पीछे से रफ्तार में आई मौत

मैनपुरी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में मंगलवार की सुबह ट्रक ने बाइक सवार युवकों को कुचल दिया। हादसे में एक किशोर सहित तीन लोगों की मौत हो गई। घटना से मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौजूद लोगों से बात करके घटना की जानकारी ली। परिजन को सूचना दी गई है। घटना बरनाहाल थाना क्षेत्र के इकहरा गांव के पास की है। दरअसल, दिहूली गांव निवासी सोहेल खान के भांजे आमिर (18) निवासी-जाटवपुरी, फिरोजाबाद और सैफ (17) निवासी-मोहम्मदगंज, फिरोजाबाद मोहर्रम पर उसके घर आए थे। मंगलवार की सुबह वह दोनों भांजों को लेकर बरनाहाल गया था। सुबह करीब 9 बजे वहां से तीनों लोग बाइक पर घर लौट रहे थे। इकहरा गांव के पास बाइक बंद हो गई। इस पर सोहेल ने बाइक को सड़क किनारे खड़ी कर दिया। आमिर बाइक मिस्त्री था तो वह बाइक देखने लगा। अन्य दोनों लोग पास में ही खड़े थे। इसी समय पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने तीनों को कुचल दिया। आसपास के लोगों ने देखा तो भागकर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस जब तक उन्हें अस्पताल ले जाती तब तक आमिर और कैफ ने दम तोड़ दिया। सोहेल की सांसे चल रही थी। इस पुलिस उसे लेकर अस्पताल पहुंची।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन अगस्त को भोपाल आएंगी

उत्कर्ष और उन्मेष कार्यक्रम का करेंगी शुभारंभ

भोपाल, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सवः उन्मेष और लोक एवं जनजातीय प्रदर्शन कलाओं का राष्ट्रीय उत्सव 'उत्कर्ष' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 3 से 6 अगस्त तक तीन दिवसीय चलने वाले कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित हो रहे कार्यक्रम को साहित्य अकादमी नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इसमें साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा उन्मेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सवः उन्मेष जो कि अभिव्यक्ति का उत्सव है। इसमें 75 से अधिक कार्यक्रमों में लगभग 100 भाषाओं के 575 से अधिक लेखक भाग लेंगे। इसके अलावा 13 अन्य देशों के लेखक भी उत्सव में शामिल होंगे। वहीं, संगीत नाटक अकादमी द्वारा उत्कर्ष शीर्षक से लोक एवं जनजातीय प्रदर्शन कलाओं का राष्ट्रीय उत्सव आयोजित किया जाएगा।

कोरोना काल में बीएमसी कर्मचारी मालामाल

ईडी का दावा- 25 लाख की रिश्वत को डांस बार में उड़ाया

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। देश में शायद ही ऐसा कोई शख्स हो जो कोरोना महामारी से किसी ना किसी रूप में प्रभावित ना रहा हो। सदी में एक बार आने वाली इस आपदा के दौरान लाखों की संख्या में लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी बीच कुछ लोग अपनी बदनीयत के चलते लोगों की जान से खेलने से भी नहीं चूके। मुंबई के कोविड फील्ड अस्पताल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह दावा किया है कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अधिकारी ने कोविड के दौरान भ्रष्टाचार के माध्यम से 25 लाख रुपये की रिश्वत ली। इस रकम को उसने मुंबई के डांस बार में उड़ा भी दिया। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने बीते दिनों शिव सेना (यूटीबी) के सांसद संजय राऊत के करीबी सुजीत पाटकर और मुंबई के सबसे उत्तरी उपनगर दहिसर में कोरोना मरीजों के लिए बने कोविड फील्ड अस्पताल के डीन डॉ किशोर बिसुरे को गिरफ्तार किया था। पेश मामले में एजेंसी ने गिरफ्तार आरोपी और बीएमसी के संदिग्ध कर्मचारियों के बयान दर्ज किए थे। इस दौरान ईडी को एक बीएमसी कर्मचारी ने बताया कि उसे 25 लाख रुपये की रकम रिश्वत के तौर पर दी गई थी। इस रकम को उसने मुंबई के डांस बार में नाचने के दौरान उड़ा भी दिया।

कोरोना काल में बनाई गई थी कंपनी

जांच एजेंसी का कहना है कि पाटकर और उनके तीन पार्टनर ने साथ मिलकर कोरोना काल में लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विस के नाम से एक कंपनी बनाई थी। बीएमसी ने इस नई कंपनी को मुंबई का सबसे उत्तरी उपनगर दहिसर में कोरोना मरीजों के लिए बने फील्ड अस्पताल के मैनेजमेंट का ठेका दे दिया। ईडी का कहना है कि आरोपियों ने जरूरत के आधे हेल्थ केयर वर्कर मुहैया कराए और बीएमसी के समक्ष बढ़ा-चढ़ा का बिल पेश कर दिए। बीएमसी ने 32 करोड़ के बिलों को क्लीयर भी कर दिया। फील्ड अस्पताल के लिए केवल 8 करोड़ रुपये का उपयोग वास्तविक कार्य के लिए किया गया और बाकी की रकम को अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया गया।

बीएमसी कर्मचारियों को बांटे गए सोने के सिक्के

इस मामले में सुजीत पाटकर को मुख्य आरोपी बनाया गया है, जिन्हें इस धोखाधड़ी की सबसे ज्यादा रकम दी गई। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि भ्रष्टाचार के इस पूरे खेल में फर्जी अटेंडेंस शीट बनाई गई। बीएमसी को फर्जी बिल देने का निर्देश दिया गया। पाटकर ने कथित तौर पर डॉ। बिसुरे और अन्य के साथ मिलकर फर्जी अटेंडेंस शीट बनाई। फर्जी कंपनियों के माध्यम से इस रकम को कैश कराया गया। इस रकम का इस्तेमाल बीएमसी कर्मचारियों को रिश्वत देने के लिए किया गया। बीएमसी के ऐसे कर्मचारियों को भी सोने के सिक्के बांटे गए, जो इस मामले में शामिल तक नहीं थे, ताकि वो इसका विरोध ना करें।

चेन्नई में पुलिस ने दो हिस्ट्रीशीटरों को मार गिराया

चेन्नई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। चेन्नई पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि राज्य की राजधानी के उपनगर गुडुवनचेरी के पास मंगलवार को एक पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ के दौरान दो हिस्ट्रीशीटर मारे गए। मृतकों की पहचान गणेश (32) और विनोद (36) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि विनोद के खिलाफ कम से कम 50 आपराधिक मामले हैं, इनमें हत्या के 10 मामले भी शामिल हैं। उसके साथी रमेश पर 20 आपराधिक मामले और सात हत्या के आरोप थे। न्नई में गुडुवनचेरी पुलिस के सूत्रों ने को बताया कि गश्त कर रही पुलिस टीम ने सुबह-सुबह गुडुवनचेरी में एक कार को रोका। पुलिस ने बताया कि कार में चार लोग सवार थे और चेकिंग के दौरान उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। लिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की। इससे गणेश और विनोद तुरंत मारे गए। रतलब है कि डीएमके सरकार के सत्ता में आने के बाद पुलिस ज्यादती के कई मामले सामने आए हैं। इनमें हवालात में मौतें और हिरासत में यातना के कारण मौतें शामिल हैं। चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और मदुरै जिलों में भी कुछ मुठभेड़ हत्याएं हुईं।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री दर्ज

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसमी औसत से एक डिग्री कम है। मौसम विज्ञानियों ने आमतौर पर बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहने की संभावना जताई है। इस बीच, आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन दिनों के दौरान पूर्व और पूर्व मध्य भारत में हल्की से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है, जबकि बुधवार और गुरुवार के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में बारिश की उम्मीद है। उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आने वाले चार दिनों तक हल्की से मध्यम छिटपुट से लेकर काफी तेज बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में गुरुवार और शुक्रवार को बारिश की संभावना रहेगी।

असम पुलिस ने गुवाहाटी से दो ड्रग तस्करों को पकड़ा, मोबाइल-कार समेत 101 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त

गुवाहाटी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। असम पुलिस ने गुवाहाटी में दो ड्रग तस्करों को पकड़ा और 101 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की। आरोपियों की पहचान 35 वर्षीय शारुंगबेग प्रेम कुमार सिंह और 22 वर्षीय फरीदुल हसन के रूप में हुई है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंता बोरा ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस टीम ने 101 ग्राम वजन के संदिग्ध ब्राउन शुगर के नौ पैकेट बरामद किए और उन्हें प्रक्रिया के अनुसार जब्त कर लिया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि चार मोबाइल फोन और एक कार भी जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, गुप्त सूचना के आधार पर गुवाहाटी के पलटन बाजार पुलिस स्टेशन के तहत रूपनगर इलाके में एडीसीपी सेंट्रल के नेतृत्व में सेंट्रल पुलिस जिले की एक टीम ने तलाशी अभियान चलाया और दो ड्रग तस्करों को पकड़ा।

ठाणे हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हुई, पीएम ने जताया शोक मुआवजे का ऐलान

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में कंस्ट्रक्शन साइट पर हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 लोगों की मौत हो गई। ठाणे के शाहपुर के पास एक गर्डर लॉन्चिंग मशीन गिरने से यह हादसा हुआ। हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। बताया जाता है कि समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे निर्माण के दौरान यह हादसा हुआ। समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे के तीसरे चरण के निर्माण में इस मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा था। पीएम मोदी ने इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए 2-2- लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है।

मंत्री गोपाल भार्गव बोले- क्षेत्र की प्रगति के लिए समझदारी का परिचय दें, मुझे निर्विरोध जिताएं

सागर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हमेशा अपने बयानों और अनोखे अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहने वाले प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव का एक बार फिर बयान आया है, उन्होंने रहली विधानसभा क्षेत्र के पटना बुजर्ग में कैथ परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मंच से संबोधित करते हुए क्षेत्र के लोगों से कहा कि क्षेत्र की प्रगति के लिए मुझे निर्विरोध चुनाव जीता दें और क्षेत्र का भला कर दें। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधते हुए कहा अगर किसी को ऊपर से पैसे या फंड मिल रहा है, तो खाए पीये, मुझे तो अभी से दिख रहा है कि रिजल्ट क्या है। भगवान की कृपा है अभी हम 70 से 80 हजार वोट से आगे चल रहे हैं। दो महीने के अंदर एक लाख वोट से आगे हो जाएंगे। इसलिए लोग समझदारी का परिचय दें।

विपक्ष को मंत्री भार्गव ने लिया आड़े हाथों

सभा को संबोधित करते हुए गोपाल भार्गव ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मेरे द्वारा स्वीकृत उद्यानिकी कॉलेज को कमलनाथ छिंदवाड़ा ले गए थे, लेकिन जैसे ही भाजपा की सरकार बनी उसे पुनः रहली वापस लाया गया। लोग पूछते हैं कि गोपाल भार्गव कब तक चुनाव लड़ेंगे हम उनसे कहना चाहते हैं कि वार्ड मेंबर का चुनाव तो जीत लो। लोगों का कहना है कि चुनाव लड़ने से क्षेत्र में जान पहचान बढ़ जाती है लेकिन हम कहना चाहते हैं क्षेत्र की प्रगति के लिए आप अपना अहित ना करें बल्कि क्षेत्र की और प्रगति के लिए मुझे निर्विरोध चुनाव जिताए।

पटवारी भर्ती परीक्षा पर कांग्रेस ने फिर उठाए सवाल, बीजेपी से पूछे ये पांच कठिन सवाल

भोपाल, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पटवारी परीक्षा में हुई गड़बड़ी के मामले में पूर्व मंत्री और भोपाल (दक्षिण-पश्चिम) के कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा ने बीजेपी सरकार पर कई सवाल दागे हैं। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कहा कि युवाओं के भविष्य के लिए बीजेपी काल बन चुकी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी युवाओं को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।बीजेपी ने व्यापमं घोटाले की हैट्रिक लगाते हुए व्यापमं-3 घोटाला किया है। यह पटवारी भर्ती परीक्षा के माध्यम से सामने आया है। उन्होंने कहा कि इसमें बीजेपी नेताओं ने कितने करोड़ का खेल किया है, यह उन्हें जनता को बताना चाहिए।

क्या आरोप लगाए हैं कांग्रेस ने

पीसी शर्मा ने कहा कि पटवारी भर्ती परीक्षा के फार्म दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 तक भरे गए। इसके लिए बड़ी फीस ली गई। चुनावी साल में 15 मार्च से 26 अप्रैल तक इसकी परीक्षा का आयोजन किया गया। एक जुलाई 2023 को भर्ती परीक्षा के परिणाम आए। परिणाम आते ही प्रदेश भर के अभ्यर्थी राज्य सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने लगे।बीजेपी विधायक के कॉलेज में बने परीक्षा केंद्र से कई सारे अभ्यर्थी टॉपर बने थे। विधायक पीसी शर्मा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने पहले मामले को दबाने की कोशिश की परंतु कांग्रेस और प्रदेश के युवाओं के बढ़ते विरोध को देखकर पहले डराने धमकाने की कोशिश की गई।पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

अंत में सीएम शिवराज सिंह चौहान को यह मानना पड़ा कि इस परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। उन्होंने 13 जुलाई को ट्वीट कर इस भर्ती पर रोक लगाने की बात कही। इसके साथ ही 19 जुलाई को इसकी जांच के लिए एक सदस्यीय जांच आयोग बनाने की घोषणा की। पर अब खबर आ रही है कि जांच आयोग को ठीक से काम नहीं करने दिया जा रहा है।

सीहोर पुलिस ने किया मोबाइल चोरों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़, एमपी से चुराकर इस देश में बेचते थे

सीहोर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के नजदीकी जिले सीहोर में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय चोर गिरोह को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी भारत में मोबाईल की चोरी कर उन्हें कोलकाता के रास्ते में बांग्लादेश में बेचा करते थे।पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 50 से अधिक मोबाइल फोन जब्त किया है। इन आरोपियों ने बीते दिनों गोपालपुर में आयोजित सीएम शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम के दौरान कई मोबाइल चुराए थे। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 25 जुलाई को फरियादी शाहिल पिता असलम शाह उम्र 18 साल निवासी जामा मस्जिद के पास थाना भैरुंदा ने थाना रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कस्बा गोपालपुर में कार्यक्रम में शामिल होने गया था।

धर्म परिवर्तन की धमकी देकर पैसे ऐंठने वाले हनी ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़

बेंगलुरु, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में तीन लोगों की गिरफ्तारी के साथ एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ, जो लोगों को हनीट्रैप में फंसाकर उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने की धमकी देकर भारी रकम वसूलता था। पुलिस के मुताबिक, घटना बेंगलुरु के पुत्तेनहल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शरण प्रकाश बालिगेरा, अब्दुल खादर और यासीन के रूप में हुई है। मुंबई की मॉडल नेहा उर्फ मेहर और एक अन्य आरोपी नदीम की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि नेहा टेलीग्राम के जरिए बेंगलुरु में 20-50 साल की उम्र के भोले-भाले लोगों से संपर्क करती थी। इसके बाद वह लक्ष्य को जेपी नगर पांचवें चरण स्थित अपने आवास पर बुलाती। जैसे ही वे उनके घर में प्रवेश करते थे, वह बिकनी में उनका स्वागत करती थी। बाद में, गिरोह घर के अंदर घुस जाता था और लड़की के साथ पीड़ितों की तस्वीरें और वीडियो लेता था। वे पीड़ित का मोबाइल छीन लेते थे और सारे कॉन्टैक्ट नोट कर लेते थे। भुगतान न करने पर वे निजी तस्वीरें और वीडियो संपर्कों के बीच प्रसारित करने की धमकी देते थे। बदमाश पीड़ितों को उस मॉडल से शादी करने के लिए कहते थे, इसके लिए उन्हें इस्लाम कबूल करने के लिए कहा जाता था, क्योंकि वह अपने को मुस्लिम बताती थी। वे इस बात पर भी जोर देते कि पीड़ितों का तुरंत खतना कराया जाए। जब एक पीड़ित ने साहस जुटाया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, तो गिरोह का भंडाफोड़ हो गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरोह ने 12 लोगों से जबरन वसूली की थी। पुलिस इस गिरोह के और भी मामलों में शामिल होने की आशंका जता रही है और जांच कर रही है

कॉलेज छात्रा से सामूहिक बलात्कार के आरोप में डांस टीचर सहित तीन गिरफ्तार

बेंगलुरु, 1 अगस्त (एजेंसियां)। बेंगलुरु के कोडिगेहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र में एक कॉलेज छात्रा से सामूहिक बलात्कार के आरोप में एक नृत्य शिक्षक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रफ्तार किए गए लोगों की पहचान एक निजी स्कूल में नृत्य शिक्षक एंडी जॉर्ज, संतोष और शशि के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, एंडी की सोशल मीडिया के जरिए कॉलेज छात्रा से दोस्ती हुई। उसने उनके निजी पलों को रिकॉर्ड कर लिया और उसे धमकाना शुरू कर दिया। आरोपी पर शक होने और डरने के कारण लड़की ने उससे दूरी बना ली। बाद में, उसने उसे ब्लैकमेल किया कि वह उसकी निजी तस्वीरें साझा करने की धमकी देकर रेप किया। उसने इस कृत्य को भी रिकॉर्ड कर लिया और इस फुटेज का उपयोग करके वह उसे ब्लैकमेल करता रहा और उसके साथ रेप करता रहा।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने अपने दोस्तों को घर बुलाया था और सभी ने उसके साथ रेप किया। आरोपी ने उसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिए थे। पीड़िता ने किसी तरह हिम्मत जुटाई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस तुरंत हरकत में आई और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मोबाइल फोन और एक पेन ड्राइव जब्त कर ली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

खितौली रेंज में तीन शावकों के साथ दिखी बाघिन तारा, कैमरे में कैद हुआ रोमांचक नजारा

कटनी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। एक बार फिर बाघिन तारा अपने मदमस्त अंदाज़ में घूमते नजर आई, लेकिन इस बार वो अकेली नहीं बल्कि उसके तीन शावक भी साथ दिखाई दिए, जो बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे खितौली रेंज पर भ्रमण करते दिखे। स्थानीय लोगों ने तारा और उसके शावकों का वीडियो बनाया जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कटनी जिला बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से जुड़ा हुआ है, तो पन्ना रिजर्व का क्षेत्र भी कटनी के जंगलों के पास से गुजरता है, जिससे कटनी में बाघों की हलचल बनी रहती है। वन मंडल अधिकारी गौरव शर्मा के मुताबिक कटनी जिले में 13 एडल्ट और उससे कहीं ज्यादा सब एडल्ट टाइगर मौजूद हैं, जिनकी चहलकदमी अक्सर वन परिक्षेत्रों से लगे ग्रामों में नजर आती है। उसी में से एक वीडियो खितौली रेंज से सामने आया, जिसमें एक बाघिन अपने शावकों के साथ टाइगर रिजर्व से जुड़े बफर जोन में नजर आई। हालांकि एक शावक के घने पेड़ों के बीच जाते ही बाघिन अपने दो शावको के साथ-साथ चली गई। वन अमला लगातार बाघों की निगरानी के लिए कैमरों, गश्त सहित अन्य तरीकों से नजर रखता है। हमारी कोशिश है वो रिहायशी इलाकों में न जाए इसलिए उन्हें सोर्सर के माध्यम से पानी वनों में छोड़कर उपलब्ध कराया जाता है लेकिन मवेशियों के शिकार या रास्ता भटककर कई बार वन्यजीव रिहायशी इलाके में पहुंच जाते हैं, जिन्हें रेस्क्यू करते हुए पुनः जंगलों में छोड़ दिया जाता है। बता दें मध्यप्रदेश को हाल ही में सबसे ज्यादा बाघ होने का खिताब फिर हासिल हुआ है।

लड़का-लड़की राजी हों तो भी नहीं होगा प्रेम विवाह

गुजरात में प्यार करने वालों को शादी के लिए लेनी होगी पापा और मम्मी की इजाज़त

अहमदाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जो लोग शादी की संवैधानिक उम्र पार कर चुके हैं उन्हें कानूनी तौर पर अपनी इच्छानुसार किसी से भी शादी करने की इजाजत है। लेकिन ऐसे प्रेम विवाहों से उन माता-पिता को अत्यधिक पीड़ा हो रही है जिन्होंने दसियों वर्षों तक कड़ी मेहनत करके उन्हें प्यार से पाला है। ऐसी घटनाओं से बचने के लिए गुजरात सरकार एक नई योजना लागू करने की सोच रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने खुलासा किया कि प्रेम विवाह के कारण होने वाले अनावश्यक विवाद और पीड़ा से बचने के लिए, प्रेम विवाह के लिए माता-पिता की अनुमति को अनिवार्य बनाने की व्यवस्था लाने की समीक्षा की जा रही है। सीएम भूपेन्द्र पटेल मेहसाणा में पाटीदार समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले 'सरदार पटेल ग्रुप' द्वारा आयोजित बैठक में शामिल हुए।

यह बयान माता-पिता की अनुमति से प्रेम विवाह करने की पाटीदार समुदाय की मांग के जवाब में आया है, जिसमें कहा गया है कि यदि संवैधानिक रूप से संभव हुआ तो प्रस्ताव को लागू किया जाएगा। कई युवतियां अपने प्रियजनों से शादी करने के लिए घर से भाग रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेष पटेल ने मुझसे कहा कि हमें इन घटनाओं का अध्ययन करना चाहिए। इसलिए हम इस पर अध्ययन करेंगे कि क्या हम ऐसी प्रणाली लागू कर सकते हैं जो प्रेम विवाह के लिए माता-पिता की सहमति को अनिवार्य बना दे। यदि संवैधानिक रूप से अनुमति दी गई तो हम इसे लागू करने जा रहे हैं।' हम इस समस्या के समाधान के लिए बेहतर परिणाम हासिल करने का प्रयास करेंगे।' खास बात यह है कि सीएम के प्रस्ताव को विपक्षी कांग्रेस नेताओं का भी समर्थन मिला है। कांग्रेस विधायक इमरान खेड़ावाला ने ऐलान किया है कि अगर सरकार ऐसा कोई बिल विधानसभा में पेश करेगी तो वह उनका समर्थन करेंगे। हाल के दिनों में प्रेम विवाह के मामले में माता-पिता की राय को नजरअंदाज किया जा रहा है। सरकार प्रेम विवाह के लिए संवैधानिक रूप से अलग व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही है। सीएम ने प्रेम विवाह के लिए माता-पिता की सहमति को अनिवार्य बनाने के लिए एक अध्ययन कराने का वादा किया है। इमरान ने साफ कर दिया है कि अगर विधानसभा सत्र में ऐसा कोई कानून लाया जाता है तो सरकार को मेरा समर्थन होगा। फिर भी, गुजरात सरकार जबरन धर्म परिवर्तन को दबाने के लिए पहले ही कई कदम उठा चुकी है। शादी के नाम पर धोखाधड़ी से धर्मांतरण पर रोक लगाने वाला कानून बनाया। 2021 में, गुजरात ने धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम में कई बदलाव किए, जिसमें जबरन धर्म परिवर्तन के लिए 10 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान किया गया। लेकिन गुजरात हाई कोर्ट ने इस विवादास्पद कानून की कुछ धाराओं पर रोक लगा दी है।

कांग्रेस चुनाव प्रचार समिति का ऐलान कांतिलाल भूरिया बने अध्यक्ष, आदिवासी वोटों पर है नजर

भोपाल, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में चुनावी शंखनाद हो चुका है बस औपचारिक ऐलान होना बाकी है। राज्य के दोनों बड़े दल चुनाव संबंधित इकाइयों का गठन करने लगे हैं और उनके दिग्गज सूबे में फेरी लगाने लगे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी ने भी मंगलवार को चुनाव प्रचार अभियान समिति का ऐलान कर दिया है। साल के आखिर में होने वाले चुनावों के मद्देनजर बनाई गई इस समिति में 32 नेता हैं और इनकी कमान सौंपी गई है पार्टी के दिग्गज नेता कांतिलाल भूरिया को। भूरिया प्रदेश के सबसे बड़े आदिवासी नेता के तौर पर पहचाने जाते हैं। दिवासी बहुल रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट से वो पांच बार सांसद रह चुके हैं। आदिवासी समाज में उनकी बेहतर पकड़ के चलते कांग्रेस पार्टी ने उन्हें भारी विरोध के बाद भी चुनाव प्रचार समिति का प्रमुख बनाया है। दरअसल मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से 47 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। वहीं सूबे की 84 सीटों पर ये समुदाय जीत हार का फैसला करने में अहम रोल निभाता है। मध्य प्रदेश में कहा जाता है कि जिसने आदिवासी समाज का वोट जीत लिया वो ही सूबे की सत्ता पर काबिज होगा। पिछले विधानसभा चुनावों के पहले तक ये वोट बीजेपी को जा रहा था। पिछले चुनावों में ये वोट बैंक बीजेपी से छिटका तो उनके हाथ से सरकार ही खिसक गई। 2018 में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 47 सीटों में से बीजेपी सिर्फ 17 ही जीत सकी थी। वहीं कांग्रेस के खाते में 30 सीटें आईं और कांग्रेस ने ही सरकार बनाई। वहीं 2013 में बीजेपी ने 47 में से 31 सीटों पर चुनाव जीता था। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस दोनों आदिवासी समुदाय को लुभाने की कोशिश में है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 2 अगस्त- 2023

प्रेम विवाह के लिए माँ बाप की इजाजत जरुरी ?

अशोक भाटिया

गुजरात में लव मैरिज के लिए अभिभावक की इजाजत जरुरी हो सकती है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में पाटीदार समाज के एक कार्यक्रम में कहा कि प्रेम विवाह में इस शर्त को जोड़ने की मांग को लेकर कानून में विचार किया जाएगा। बता दें कि गुजरात में पाटीदार समुदाय के लोगों की मांग है कि अगर कोई लड़का-लड़का प्रेम विवाह करते हैं तो शादी के पंजीकरण के लिए कम से कम एक अभिभावक के हस्ताक्षर जरुरी होना चाहिए। पाटीदार समुदाय का कहना है कि इससे काफी हद तक लव जिहाद पर लगाम लगाया जा सकता है। इससे पहले भाजपा और कांग्रेस के विधायकों ने गुजरात विधानसभा से मांग की थी कि 'प्रेम विवाह' के पंजीकरण के लिए माता-पिता के हस्ताक्षर अनिवार्य किए जाएं और दस्तावेज़ उसी तालुका में दर्ज किया जाए जहां जोड़ा रहेगा। कलोल से भाजपा विधायक फतेहसिंह चौहान ने कहा कि ऐसे मामलों में विवाह का पंजीकरण जब एक लड़की अपने माता-पिता की सहमति के बिना अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ शादी करती है तो राज्य में अपराध दर में वृद्धि होती है। माता-पिता की सहमति के बिना की गई शादियां राज्य में अपराध दर को बढ़ाती हैं और यदि ऐसे विवाह माता-पिता की सहमति से पंजीकृत होते हैं तो अपराध दर में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। उन्होंने सरकार से मौजूदा कानूनों में संशोधन करने और कोर्ट मैरिज के लिए माता-पिता की सहमति को अनिवार्य बनाने का आग्रह किया।उन्होंने दावा किया, "कालोल में ऐसे कई मामले हैं जहां लड़कियों को असामाजिक लोगों द्वारा बहकाया गया और अपहरण कर लिया गया। उन्हें बचाने के लिए ऐसा संशोधन जरूरी है। कांग्रेस विधायक गेनी ठाकोर ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम में प्रेम विवाह के संबंध में कानून में पर्याप्त बदलाव करने की मांग कुछ समय से उठाई जा रही है और कहा कि नेता पूरी तरह से प्रेम विवाह के खिलाफ नहीं हैं लेकिन यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में लड़कियों को उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस हलचल के बाद समाज में एक नई बहस की शुरुवात हो गई है । वैसे देखा जाय तो संविधान बालिग को स्वेच्छा से विवाह करने का अधिकार देता है यदि लड़की 18 साल की हो और लड़का 21 साल का हो और दोनों अपनी पूरी सोच-समझ से किसी रिश्ते को करना चाहते हैं . कानून में कहीं पर अड़चन नहीं है। कहीं पर भी कानून में यह नहीं लिखा है कि प्रेम विवाह करना चाहे तो उसको अपने अभिभावकों की इजाजत लेनी पड़ेगी या जब तक वो हां नहीं बोलेंगे, तब तक आप शादी नहीं कर सकते। साधारण बात है, आप अगर भारत के नागरिक हैं, लड़की अगर 18 साल की है, लड़का 21 साल का है तो उनके लिए कोई कानूनी अड़चन नहीं है । लव मैरेज हो या अरेंज मैरेज हो, उसके लिए परमिशन लेने की जरूरत नहीं पड़ती है। जब तक आप माता-पिता से परमिशन नहीं लेंगे, तब तक शादी नहीं कर सकते, ऐसा कहीं कानून में नहीं है। गौरतलब है कि अगर गुजरात सरकार अगर इसके बारे में सोच रही है कि इस तरह का कोई कानून लेकर आएं तो यह बात समझ के बाहर है कि कौन से कानून के तहत वो उसको कानूनी जामा पहना सकते हैं और सरकार का कोई भी कानून संविधान से बाहर नहीं हो सकता है. संविधान के तहत होगा। संवैधानिक अधिकार जो भारत के हर नागरिक का है, वो यही है कि आप अपनी इच्छा से अपने जीवन को जी सकते हैं, जब तक कि आप किसी और के मौलिक अधिकार पर हस्तक्षेप नहीं करें, कहीं पर उल्लंघन नहीं करें। आपका जन्म सिद्ध अधिकार है कि आप अपने जीवन को जैसे बिताना चाहें, बिता सकते हैं। आपको जो मौलिक अधिकार मिले हुए हैं, सबसे बड़ा अधिकार है. स्वेच्छा से आप कहीं भी आ जा सकते हैं और अपने जीवन को उसी तरीके से स्वाभिमान के साथ जी सकते हैं। आप किसी भी धर्म का पालन कर सकते हैं, आप किसी भी पुरुष, महिला से व्यवहार कर सकते हैं। आप अरैंज मैरेज करना चाहते हैं, अरैंज मैरेज कीजिए। जैसे किसी धर्म के तहत करते हैं। अगर आप हिंदू हैं तो हिंदू विवाह अधिनियम के तहत करेंगे, आप मुसलमान हैं तो मुस्लिम पर्सनल लॉ के हिसाब से करेंगे। अगर आप धर्म के तहत नहीं करना चाहते तो स्पेशल मैरेज एक्ट में जाकर किसी भी धर्म के अगर हों, तो आप वहां पर विवाह कर सकते हैं। वहां पर आपसे ये नहीं पूछेंगे कि आपके माता-पिता की सहमति है कि नहीं है। तो जो स्पेशल मैरेज एक्ट 1954 के अंदर बना हुआ है, या जो हिंदू मैरेज एक्ट 1955 के अंदर बना हुआ है, समझ नहीं आता है कि गुजरात सरकार उन कानूनों के आगे कैसे कोई और कानून बना सकती है कि विवाह के लिए हमको माता-पिता, अभिभावकों की सहमति लेनी पड़ेगी। ऐसा कोई कानून अगर बनाती है तो उसका कोई कानूनी औचित्य नहीं है और हाई कोर्ट ऐसे कानूनों को एक मिनट में खारिज कर देगा। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि समाज का तानाबाना इस समय जरूर हिल चुका है । समाज की तरक्की हो रही है , पढ़ाई की वजह से।

शिक्षा जो हमारी लड़कियों को मिल रही है वही है जो लड़कों को मिल रही है। लड़कियों और लड़कों दोनों की कमाने की ताकत एक जैसी हो गई है। पहले तो लड़कियां बिलकुल नहीं कमा सकती थीं। आज वो अपने पैरों पर खड़ी हैं आर्थिक रूप से पर इन सबके चलते समाज में एक सकारात्मक सोच होनी चाहिए थी, उसकी जगह देखा जा रहा है कि नैतिक मूल्यों का बहुत ज्यादा पतन हो रहा है। उस बात को ध्यान में रखते हुए गुजरात सरकार ने अगर उसके बारे में सोचा है, मैं कहूंगी कि हां, लॉन्ग रन के लिए अच्छी सोच हो सकती है। आखिर आपके भी मां-बाप आपको पैदा करते हैं, आपको शिक्षा देते हैं, आर्थिक रूप से आपको पांव पर खड़े करते हैं, तो कहीं पर बच्चों की भी जिम्मेदारी बनती है कि माता-पिता के खिलाफ सिर्फ यूं न जाएं कि सिर्फ इस पॉइंट को प्रूफ करने के लिए कि हम स्वतंत्र हैं, जो मर्जी करेंगे। आप हमें सिखाने वाले, समझाने वाले कौन हैं? पैरेंट्स बच्चों के कभी भी खिलाफ नहीं हो सकते हैं। उनके हमेशा हितैषी ही रहेंगे। मां-बाप की भी कुछ उम्मीदें होती हैं, उनका भी एक दिल होता है जो टूटता है जब बच्चे अपने कानूनी अधिकार को लागू करना करना चाहते हैं। उनके साथ-साथ जवाबदारी भी तो होती हैं। सिर्फ वो नहीं होता है कि आप सिर्फ अपने अधिकार को मांग करें। मां—बाप के प्रति आपका कर्तव्य भी होता है।

जैसे आजकल कोर्ट ने कहा है, मांगने पर लड़कियों को भी पिता की संपत्ति के अंदर अधिकार मिल जाता है पर माता-पिता अगर सक्षम नहीं हैं, तो लड़कियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि माता-पिता की संभाल करें। कानून में ऐसी बात नहीं है कि माता-पिता के भरण पोषण करने की जिम्मेदारी किसी बेटी की है पर अब समाज के अंदर बदलाव आ रहे हैं। उसके देखते-देखते नए कानून कई बार बनते हैं। हो सकता है कि गुजरात सरकार की यह सोच हो लेकिन समझ में नहीं आता कि कानूनी तौर पर इस सोच को कैसे न्यायोचित किया जाएगा परंतु समाज में हम सबको साथ-साथ चलना है और अच्छा यही रहता कि माता-पिता और बच्चे साथ-साथ चलें। विवाह एक अच्छी बात है, सकारात्मक बात है, कोई लिव-इन भी कर रहा है तो अपनी स्वेच्छा से कर रहा है पर उसका मतलब ये नहीं कि रिश्ते टूटें। रिश्ते बनने चाहिए। विवाह इसलिए करते हैं कि रिश्ते और बनें। ऐसा नहीं है कि रिश्ते टूटें।

बच्चों की तस्करी

देश में बच्चे किन-किन समस्याओं का सामना कर रहे हैं उस पर काम करने वाली एक संस्था ने रविवार को जो रिपोर्ट जारी की है उसमें फिर से बाल तस्करी की चिंताजनक तस्वीरें उजागर हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2016 से 2022 के बीच देश भर में बहुत सारे बच्चे गायब हुए, लेकिन इसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश अव्वल रहे। देश की राजधानी दिल्ली में भी हालत कोई सकूनदायक नहीं है। बाल तस्करी के मामलों में दिल्ली में अड़सठ फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। जाहिर है रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो जाने वाले बच्चों का सवाल किसी रपट के जरिए जब सामने आता है तो कुछ दिनों तक तो सुर्खियों में छाया रहता है। लेकिन समय बीतने के साथ फिर सबकुछ पहले की तरह शांत हो जाता है। गजब की बात तो यह है कि इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए सरकारें हर स्तर पर तंत्र को सक्रिय करने और बच्चों की तस्करी पर काबू पाने का भरोसा तो देती हैं, लेकिन कुछ अंतराल के बाद जब कोई नई रिपोर्ट आती है तो वह यही बताती है कि इस मोर्चे पर पर्याप्त संवेदनशीलता से काम नहीं किया गया है। नतीजतन साल दर साल बच्चों की तस्करी में इजाफा होता जाता है। ऐसे में सवाल लाजिम है कि जब देश भर में राज्य सरकारें हर स्तर पर बेहतर सुशासन, नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा आदि का भरोसा देते नहीं थकती हैं, लेकिन क्या वह अपने भरोसे पर अमल करने के लिए उतनी ही संवेदनशील और गंभीर हैं। सवाल है कि सरकारों की सक्रियता के बाद भी आखिर बच्चों की तस्करी के अमानवीय कारोबार में लगे लोगों या गिरोहों को किसी बच्चे को गायब करने या बेच देने की हिम्मत कहां से आती है? अगर अपराध के खिलाफ जिम्मेदार प्रशासन की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम हों तो क्या संभव है कि कोई इतने बडे पैमाने पर बाल तस्करी की हिम्मत कर सकता है? यदि बाल तस्करी न हो रही होती तो क्या शहरों-महानगरों में चल रही अधिकांश औद्योगिक इकाइयों में तेरह से अठारह वर्ष के बीच के बच्चों से काम कराया जा सकता है। दुर्भाग्य है कि कारखानों और उसकी समूची संरचना को जांच करने का जिसे जिम्मा मिलता है उसे बाल मजदूरी और तस्करी के पहलू पर गंभीरता से काम करने की जरूरत ही नहीं महसूस होती है! आखिर वे कौन-सी वजहें हैं जिसकी ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, न केवल जयपुर शहर को देश में बाल तस्करी के मुख्य केंद्र के रूप में दर्ज किया है, बल्कि देश की राजधानी दिल्ली में भी कई स्थानों को इसी श्रेणी में रखा गया है। अक्सर लोगों को भ्रम रहता है कि मुख्य शहरों में कानून-व्यवस्था देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले ज्यादा बेहतर रहता है और अपराधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाती है! गनीमत है कि बच्चों के जीवन पर जोखिम के मसले पर काम करने वाले स्वयंसेवी संगठनों की सक्रियता से इसी अवधि में साढ़े तेरह हजार से ज्यादा बच्चों को बचाया भी गया है। सरकार की ओर से भी कई सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। दूसरा पहलू यह भी है कि पुलिस-प्रशासन अपनी चौकसी और आधुनिक तकनीकी के उपयोग का ढिंढोरा पीटती नजर आती हैं तो दूसरी ओर जघन्य अपराध बदस्तूर जारी है। केवल कल्पना करके देखिए कि जिनके बच्चे लापता हो जाते हैं, उनके घर में मां-बाप या परिवार के अन्य सदस्यों की हालत क्या होती होगी! गायब किए गए बच्चों को किस त्रासदी से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। खासतौर पर जो बच्चियां तस्करों के हाथ लग जाती हैं, उन्हें घरेलू काम में लगाने से लेकर यौन शोषण और देह-व्यापार के भयावह दलदल में भी धकेलने से ये समाजद्रोही पीछे नहीं रहते।

अनाज की विभिन्न किस्मों का गायब होना चिंताजनक

सुनील कुमार महला

संपूर्ण विश्व के लिए यह अत्यंत गंभीर चिंता का विषय हो सकता है कि बीती एक सदी यानी कि सौ सालों में में ही फूड डायवर्सिटी खत्म हो गई। फूड डायवर्सिटी यानी कि खाद्य जैव-विविधता। यहां सबसे पहले हमें यह जानने की जरूरत है कि आखिर फूड डायवर्सिटी या खाद्य जैव विविधता है क्या ? और इसका दुनिया पर क्या प्रभाव पड़ सकता है अथवा पड़ रहा है ? तो इस संबंध में जानकारी देना चाहूंगा कि (जैसा कि विकीपीडिया से हमें जानकारी मिलती है कि) खाद्य जैव विविधता को 'भोजन के लिए उपयोग किए जाने वाले पौधों, जानवरों और अन्य जीवों की विविधता, प्रजातियों के भीतर, प्रजातियों के बीच और पारिस्थितिक तंत्र द्वारा प्रदान किए गए आनुवंशिक संसाधनों को कवर करने वाली विविधता' के रूप में परिभाषित किया गया है। सरल शब्दों में कहें तो खाद्य विविधता(फूड डायवर्सिटी)से तात्पर्य सब्जियों, फलों, अनाज, मांस, मछली और डेयरी उत्पादों जैसे खाद्य समूहों की संपूर्ण श्रृंखला से विभिन्न प्रकार के भोजन से है। बहरहाल, कहना बिल्कुल भी ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य हो या कोई भी जीव, उन्हें जीवित रहने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, क्यों कि भोजन से ही हम व सभी जीव पोषण प्राप्त करते हैं। जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए भोजन मनुष्य व किसी भी जीव की प्रथम व मूलभूत आवश्यकता है। इस पृथ्वी पर सभी जीवित जीव अलग-अलग प्रकार का भोजन खाते हैं, ग्रहण करते हैं। भोजन हमारे शरीर की आंतरिक गतिविधियों को भी ऊर्जा प्रदान करता है ताकि वे सुचारू रूप से क्रियान्वित हो सकें। खाद्य विविधता उन खाद्य पदार्थों की विभिन्न किस्मों को कहते हैं जिन्हें हम अपने आहार में लेते हैं जो हमारे शरीर को पोषक तत्व प्रदान करते हैं। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, फाइबर, विटामिन, खनिज और पानी प्राथमिक भोजन घटक हैं। बहरहाल, हाल ही में फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ) के हवाले से यह बात सामने आई है कि एक सदी(सौ सालों में)में दुनिया से 90% से भी ज्यादा अनाज की किस्में गायब हो चुकीं हैं ।अब जो वैराइटी या किस्में या प्रजातियां बाकी हैं, उसमें से भी 9 प्रजातियां ही सबका पेट भर रही हैं। वास्तव में यह बहुत गंभीर और संवेदनशील मसला है कि दुनिया से अनाज की विभिन्न किस्में धीरे धीरे गायब होती चली जा रही हैं।आज धरती से विभिन्न जीव-जंतुओं की नस्लें ही नहीं विभिन्न वनस्पतियां, यहां तक कि अनाज की विभिन्न किस्में भी धीरे धीरे गायब हो रही हैं। यह संपूर्ण मानव जाति के लिए गंभीर खतरा इसलिए है, क्यों कि विश्व की आबादी लगातार बढ़ रही है और अनाज की किस्में गायब होने से मनुष्य के समक्ष पोषण की गंभीर समस्या जन्म ले सकती है। बल्कि यह कहना ग़लत नहीं है कि आज के समय में विश्व की आबादी केवल नौ प्रजातियों से अपना पेट भर रहीं हैं।

आज अनाज की विभिन्न किस्मों का इतनी तेजी से खात्मा हो रहा कि अब वो दिन दूर नहीं जब दुनिया में अनाज की इक्का-दुक्का किस्में बाकी रह जाएंगी। वास्तव में इसे ही हम एग्रोबायोडायवर्सिटी के नाम से जानते हैं।एफएओ के अनुसार पिछले सौ सालों में जिन फसलों की विभिन्न किस्में गायब हुई हैं उनमें क्रमशः चावल, तिलहन, दाल और मिलेट्स(मोटा अनाज)की भी कई वैराइटी शामिल हैं। एफएओ के अनुसार , आज जो फसलें हम उपभोग कर रहे हैं, साल 2050 तक उनमें से भी एक-तिहाई खत्म हो जाएंगी। पाठकों को यह जानकार हैरानी होगी कि फिलहाल जितनी फसलें बाकी हैं, उनमें से भी चावल, गेहूं और मक्का जैसे कुछ ही अनाज दुनिया का पेट भर रहे हैं।

तीन स्त्रियों के विवाहेतर संबंधों ने तूल पकडा

पिछले कुछ दिनों से तीन महिलाएं लगातार चर्चा में हैं। पहली ज्योति मौर्य, दूसरी सीमा हैदर और तीसरी अंजू। इन तीनों महिलाओं में बहुत-सी समानताएं हैं। जैसे कि तीनों विवाहित हैं। तीनों के बच्चे हैं-ज्योति के दो, सीमा के चार और अंजू के दो। तीनों विवाहेतर संबंधों की वजह से चर्चा में हैं। तीनों अपने-अपने पति से परेशानी की शिकायत कर रही हैं। ज्योति का कहना है कि उसके पति ने अपने पद के बारे में शादी के वक्त उससे झूठ बोला। हालांकि उसने अपने विवाहेतर संबंध को स्वीकार नहीं किया है। पर उसके पति ने बहुत से ऐसे व्हाट्सएप संदेश आदि प्रस्तुत किए हैं। सीमा पबजी खेलते-खेलते सचिन के संपर्क में आई और दोनों में प्यार हो गया। फिर सीमा नेपाल के रास्ते अपने चार बच्चों के साथ भारत में घुसी। अंजू को दफ्तर के काम से फेसबुक खोलना पड़ता था। वहीं नसरुल्लाह से संपर्क हुआ। मित्रता हुई और वह उससे मिलने पाकिस्तान चली गई। हालांकि अंजू कहती है कि उसके मामले को सीमा की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। उसके पास यात्रा के वैध कागजात हैं, जबकि सीमा के पास वे नहीं थे। वह कह रही थी कि उसका शादी का कोई इरादा नहीं, जबकि उसके निकाहनामे और धर्म परिवर्तन की खबरें भी आ रही हैं। बताया जा रहा है कि जिस इलाके में अंजू है, उसे इतना खतरनाक माना जाता है कि वहां पाकिस्तानी पुलिस भी नहीं घुस पाती। जिन लोगों से कभी नहीं मिले, जिस देश को कभी देखा नहीं, वहां तक अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना ही सीमा और अंजू जिस तरह से चली गईं, वह भी ताज्जुब की बात लगती है।

ज्योति के परिवार वाले उसका समर्थन कर रहे हैं। बच्चे भी उसी के पास हैं, जबकि सीमा अपने बच्चों को साथ ले आई है और अंजू बच्चों को छोड़ गई है। विवाहेतर संबंध कोई नई बात नहीं है। लेकिन अक्सर ये पुरुषों के हिस्से आते थे। कहते थे कि बच्चों की चिंता में माता-पिता ऐसे कदम नहीं बढ़ाते। लेकिन अब पिता तो छोड़िए, माताएं भी बच्चों की परवाह नहीं करतीं। शहरों के मुकाबले गांवों से भी ऐसी खबरें खूब आती रहती हैं, जहां कई बच्चे होने के बावजूद महिलाएं प्यार की खातिर उन्हें छोड़कर चली जाती हैं। यह जो सच्चे प्यार की अवधारणा है, उसके वास्तव में मायने क्या हैं, यह समझ में नहीं आता। हर संबंध में ऐसी स्थितियां आती ही होंगी, जहां लगता हो कि कोई संबंध पुराना पड़ गया। लेकिन कोई भी संबंध इतनी अहमियत कभी नहीं खोता कि उसे पुनर्जीवित न किया जा सके।

इन तीनों संबंधों में पति, पत्नियों के लिए आंसू बहा रहे हैं। वे घर से चले जाने के बाद भी उनकी राह देख रहे हैं। अंजू और सीमा के पतियों को उम्मीद है कि वे वापस आ जाएंगी। कहानियों में अजीब-ओ-गरीब तरह के फिल्मी ट्विस्ट भी हैं। जैसे सीमा का यहां आने पर हिंदू धर्म अपना लेना और सचिन के लिए जीने-मरने की कसम खाना। उसी तरह अंजू जब गई थी, तो जींस-टी शर्ट पहने थी और पाकिस्तान में बुर्का पहने नजर आई। उसका पाकिस्तान के लोगों को बहुत अच्छा कहना, और जो इलाका बेहद खतरनाक है, उसे शांत बताना अजीब है। अंजू कह रही है कि वह जल्दी वापस आ जाएगी। उसके पति ने कहा कि अंजू के लौटने पर वह उसके खिलाफ एफआईआर भी कराएगा। जबकि सीमा के पति के अनुसार, उसने सीमा के लिए अपनी पहली पत्नी को छोड़ दिया। लेकिन सीमा पाकिस्तान जाना नहीं चाहती। वह कहती है कि वापस लौटने पर उसे मार दिया जाएगा। सचिन के गांव वाले उसे अपनी बहू पुकार रहे हैं। सुना है कि अंजू को भी नसरुल्लाह के गांव वाले ऐसा ही कह रहे हैं। उधर ज्योति के मामले में भी जिस मनीष दुबे से उसका संबंध बताया जा रहा है, वह शादीशुदा है।

यह भी लग रहा है कि अगर अंजू और सीमा के मामले में पाकिस्तान न होता, तो शायद इन मामलों की चर्चा इतनी न होती। ज्योति यदि उच्च पद पर न होती और उसका पति सफाईकर्मी न होता, तो यह मामला भी रफा-दफा हो जाता। अगर ये प्रेम संबंध विवाहेतर न होते, इनमें बच्चे शामिल न होते, तो भी शायद इन्हें चर्चा के लायक न समझा जाता। तीनों के पति परेशान हैं। रो-रोकर वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। भविष्य में क्या होगा, कौन जानता है!

अपनी बेटी का ख्याल आया तो दिल कांप गया

नवीन जैन

यदि भगवान का भी कहीं अस्तित्व है ,तो वे भी शायद भारत नाम के इस महान देश , जहां स्त्री शक्ति स्वरूपा , तथा मातृ स्वरूपा मानी जाती है ,को आज के दारुण हालात से उबार नहीं सकते है ।मैया सीता के अपहरण ,और द्रोपदी के चीर हरण की वजह से जहां रामायण और महाभारत जैसे युद्ध हो गए थे ,वहां महिलाओ की मणिपुर में नग्न परेड हो जाए , लोग भेड़ियों जैसे उनके बदन को नोच खाएं । फिर उन्हें परिजन सहित मार डाला जाए ,और उस देश के बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले प्रधानमंत्री उफ तक नहीं करें ,तो उस देश को शायद उसी आदिम युग की ओर लौटना पड़ेगा ,जब लड़कियों को पैदा होते ही मार दिया जाता था।स्मृति ईरानी ने एक बार रजत शर्मा के कार्यक्रम में बताया था , कि कितने संघर्षों के बाद वे इस मुकाम पर पहुंच पाई हैं। पूरा वाकया सुनकर धन्य हो गए थे मेरे जैसे तमाम लोग । गला तक रूंध आया था। तभी याद आया था महान गायिका आशा भोसले का यह कथन कि नारी शक्ति का रूप है ,और बिना नारी की शक्ति के शिव भी शव मात्र हैं। एक तरफ तो देश में महिलाएं पुरुषों को मात दे रही हैं लगभग हर क्षेत्र में ,और हमारी महिला बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी हैं कि मणिपुर की सरकार को बचाने के लिए ओछे ,और घटिया तर्क दे रही हैं। स्मृति जी को क्या मालूम नहीं कि इसी बीच राजस्थान में दलित युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को पुलिस ने कुछ घंटों में ही धर दबोचा था। काग्रेस साशित राजस्थान पुलिस के एक आला अफसर द्वारा दिए गए बयान के अनुसार उक्त आरोपी भारछास के लोग हैं ।

उक्त युवा संगठन किस पार्टी की विचार धारा में विश्वास रखता है ,यह बात अलग से बताने की जरूरत है क्या?स्मृति जी के संसद के विडियो इस बात के गवाह हैं कि उन्होंने अपना रौद्र रूप ज्यादा तर अंग्रेजी भाषा में ही दिखाया ,ताकि आम आदमी कुछ समझ ही नहीं सके।कौन नहीं जानता कि इस देश में आज भी अंग्रेजी समझने वाले 10/12फीसदी लोग ही बताए जाते हैं । भारत में तो मां दुर्गा ने असुरो का संहार करने के लिए शस्त्र उठाए थे। मणिपुर के दुष्कर्मी राक्षस नहीं तो और क्या थे?स्मृति जी अपना गुस्सा उन हैवानो के प्रति दिखाती ,तो यह पूरा देश उनके चरण धोकर पी लेता , हज़ार बार पी लेता ,लेकिन अब देश की तमाम बेटियां स्मृति ईरानी को याद तो करेंगी ,लेकिन हर बार ज्यादा भूलने के लिए। कहा जाता है , कि स्मृति ईरानी ने एक अलग सा पुण्य कार्य और किया था । हाल में उनसे चुनाव क्षेत्र अमेठी में एक पत्रकार ने उनसे कोई चुभता सवाल पूछ लिया। बताया जाता है कि स्मृति जी ने उक्त पत्रकार के मालिक को फोन किया ,और उक्त बेचारे खबरची को अगले ही दिन नौकरी से हटा दिया गया।अब तो भाजपा का 2014 से बाजा गाजा बजा रहे रिपब्लिक टीवी के कथित तेजस्वी पत्रकार जिनकी सैलरी करीब एक करोड़ रुपए के आसपास बताई जाती है,अपने शो में बार बार कह रहे हैं कि संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत केंद्र सरकार मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेंद्र सिंह को बर्खास्त कर दे।ऐसा यदि केंद्र सरकार नहीं करती है तो हमारी महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के पास यह विशेषाधिकार है कि वे मणिपुर के पिछले लगभग सवा तीन महीने के घटनाक्रम की पूरी रिपोर्ट वहां के राज्यपाल से ले और मणिपुर में कानून व्यवस्था की बहाली के लिए उचित निर्देश दें।याद रखे , कि जब राजस्थान में जगन्नाथ पहाड़िया मुखमंत्री थे तब उन्होंने महान कवियित्री स्वर्गीय महादेवी वर्मा की कविताओं की उनके सामने ही (महादेवीजी)मजाक बना दी थी।स्वर्गीय पहाड़ियाजी को यह मजाक इतनी महंगी पड़ी कि उन्हें स्वर्गीय इंदिरा गांधी(तत्कालीन प्रधानमन्त्री) के आदेश पर मुख्य मंत्री पद से तत्काल इस्तीफा देना पड़ा था , जबकि पहाड़िया कांग्रेस के दिग्गज नेता थे।मन बहुत भारी हो गया है और अंत में एक शेर याद आ रहा है ____ बदनीयत उठ रही थी एक जानिब की तरफ,अपनी बेटी का ख्याल आया तो दिल कांप गया। हो सके तो हमारी बाल महिला विकास मंत्री गूगल पर इस शेर को कृपया पढ़ लें।स्मृति जी पर कोई आरोप नहीं है, लेकिन उनकी जवाबदेही पर तो सवाल उठेंगे ही।

काश ऐसा हो कि अब देश के किसी भी हिस्से में से किसी महिला या पुरुष को नंगा करके सड़कों पर नहीं घुमाया जाए और अगर ऐसा होता भी है तो अपने राजनीतिक फायदों से ऊपर उठकर संबंधित सरकारें ऐसे कठोर कदम उठाएं कि ऐसी पाशविक हरकतें करने की सोचने वालों तक की सात नस्लें भी ऐसा न करने की रोज और बार बार कसम खांए।

तमाशा है तमाशा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पिछले साल 365 दिन थे। इस साल भी 365 दिन हैं। वही रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार हैं। फिर यह महंगाई वही क्यों नहीं है? पहले केंचुआ, फिर अजगर और अब अनाकोंडा का रूप धारण किए बैठी है। यहाँ कहने को कमीजों पर खलीते सिले होते हैं लेकिन करनी में लक्ष्मी दूर-दूर तक नजर नहीं आती। हमने जुमलों के लिए उल्लू बनकर देखा। यह सोचकर कि कम से कम सरकार न सही लक्ष्मी ही हमें अपना वाहन समझकर बैठ जाती। दुर्भाग्य से जो आदमी, आदमी न बन सका, वह उल्लू खाक बनेगा। सो हम यहाँ भी बेकार साबित हुए। काश दशहरा, दीपावली, रमजान, क्रिसमस की तरह गली-गली-कूचो-कूचों में लक्ष्मी दर्शन दे जाती। लगता है उल्लू ने अपना नाम बदलकर जुमला कर लिया है, इसलिए लक्ष्मी आजकल वहीं विराजमान हैं। एक दिन हम अपने स्थानीय नेता से भेंट कर आए। सौभाग्यवश 364 चक्कर काटने के बाद 365वें चक्कर पर दया-करुणा दिखाई। तब किसी ने हमें बताया कि वे 364 दिन खुद की और 365वें दिन अपनी जनता की सुनते हैं।

हमारे पास मुँह था उनके पास कान। हमने महंगाई से बचने का रोना रोया। बदले में उन्होंने महंगाई से डटकर लड़ने का गुरुमंत्र सिखाया। कहा –दूध के बदले देशभक्ति, भोजन के बदले हवा और कपड़े के बदले देश की मिट्टी से सन जाओ। महंगाई तो क्या उसका बाप भी तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उन्होंने आगे कहा – उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक पुलिस हमारी, वकील हमारे, मीडिया हमारा। जहाँ चाहे वहाँ जाओ। वहाँ हम ही हम नजर आयेंगे। चूंकि तुमने हमें तर्जनी अंगुली से चुना है, इसलिए हम भी तर्जनी अंगुली से बहार न सही बाहर का रास्ता तो दिखा सकते हैं। हम समझ चुके हैं कि महंगाई के साथ-साथ नेता भी बदल चुके हैं। दोनों के तेवरों में उछाल आया है। सच है कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है क्योंकि नेता वही हैं, मंच वही है, भाषण वही है, अलग-अलग भाषाओं में लूटने का अर्थ वही है। जहा महंगाई से वस्तुओ और सेवाओ की कीमते बढती है, तो वहीं दूसरी ओर नेता की किस्मत और जनता की गरीबी चमकती है। सच है महंगाई उस मिर्च का नाम है जो जनता की आँखों में, जनता के लिए, जनता के द्वारा झोंकी जाती है। नेता तो सिर्फ तमाशा देखने के लिए चुने जाते हैं और हम तमाशा दिखाने के लिए।

स्त्री-पुरुष में समानता की सीख देता है अर्द्धनारीश्वर अवतार

सृष्टि को आगे बढ़ाने में ब्रह्मा जी को आ रही थीं दिक्कतें, तब शिव जी अर्द्धनारीश्वर रूप लेकर दिया था संदेश

शिव जी और देवी पार्वती के सम्मिलित स्वरूप को अर्द्धनारीश्वर कहा जाता है। इस स्वरूप में आधा शरीर शिव जी का और आधा देवी पार्वती का रहता है। इस संबंध में शिवपुराण की एक कहानी है। ब्रह्मा जी सृष्टि की रचना कर रहे थे और जब-जब उनके काम में कोई प्राकृतिक बाधा आ रही थी, तब-तब शिव जी उनकी मदद कर रहे थे।

ब्रह्मा जी के सामने एक समस्या ये आई कि संसार को आगे कैसे बढ़ाया जाए। प्राणियों की मृत्यु के बाद बार-बार प्राणियों की रचना करना मुश्किल हो रहा था। ब्रह्मा जी सोचने लगे कि कैसे ये सृष्टि अपने आप संचालित हो सकती है। ब्रह्मा जी अपनी समस्या लेकर शिव जी के पास पहुंचे। उस समय शिव जी ने अर्द्धनारीश्वर अवतार लेकर ब्रह्मा जी को संदेश दिया था कि संसार को आगे बढ़ाने के लिए स्त्री-पुरुषों की मैथुनी सृष्टि की रचना करनी चाहिए। इस सृष्टि में स्त्री और पुरुष दोनों समानता से भूमिका निभाएंगे।

लिंग पुराण की कथा

लिंग पुराण के मुताबिक, सृष्टि की शुरुआत में सबसे पहले एक कमल खिला था। उसमें ब्रह्मा जी बैठे थे। ब्रह्मा जी को अकेलापन महसूस हुआ तो उस समय वे सोचने लगे कि किसी का साथ पाने के लिए किसी और प्राणी का निर्माण कैसे किया जा सकता है। ब्रह्मा जी ऐसा विचार कर ही रहे थे, तभी उनके सामने शिव जी प्रकट हुए। शिव जी का दाहिना हिस्सा पुरुष का और बायां हिस्सा स्त्री का था। ये शिव जी का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप था। इससे प्रेरित होकर ब्रह्मा जी ने अपने आप को दो हिस्सों में बांट दिया। दाएं हिस्से से पुरुष और बाएं हिस्से से स्त्री जीवों की उत्पत्ति हो गई। इस तरह सृष्टि की शुरुआत हो गई।

अर्द्धनारीश्वर स्वरूप की सीख

शिव जी से मिले संदेश के बाद ब्रह्मा जी ने मैथुनी सृष्टि की रचना की। शिव जी का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप हमें संदेश दे रहा है कि संसार में महिला और पुरुष दोनों एक समान हैं। हमें इन दोनों का सम्मान करना चाहिए। किसी का भी अपमान न करें। एक-दूसरे के बिना इनका जीवन अधूरा है, यह दोनों एक-दूसरे को पूरा करते हैं।

इस राशि के लिए बेहद खास है अगस्त का महीना

नौकरी और व्यापार में होगी बढ़ोत्तरी

अगस्त के महीने मे कई ग्रह गोचर करेंगे। जिससे राशि पर प्रभाव भी पड़ेगा। वहीं वृश्चिक राशि के जातकों के लिए अगस्त का महीना सकरात्मक रहने वाला है या नकरात्मक। साथ ही शिक्षा, यात्रा, सेहत, प्रेम और परिवार के मामले में आपका समय कैसा बितेगा।

वृश्चिक राशि वालों के लिए अगस्त का महीना ऊर्जा से भरा रहने वाला है। यह आपके लिए काफी शुभ साबित होने वाला है। व्यापार करने वालों को नई जिम्मेदारी मिलने का योग बन रहा है। कैरियर के दृष्टिकोण से भी बेहतर रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ बाहर यात्रा पर जा सकते है। सेहत भी अच्छा रहने वाला है। लेकिन महीना के उत्तरार्द्ध में थोड़ा सचेत रहने की जरूरत है।

व्यापार में मिल सकती है बढ़त

वृश्चिक राशि वाले जो व्यापार कर रहे हैं उनको नई जिम्मेदारी मिल सकती है। साथ ही व्यापार में धन वर्षा का भी योग बन रहा है। आप व्यापार में धन निवेश करना चाहते हैं तो यह समय बिल्कुल अनुकूल है। यह निवेश आपको फायदा ही पहुंचाएगा। व्यापार में जितनी मेहनत करेंगे, उसका डबल फायदा होने वाला है। हालांकि महीने की शुरुआत में कुछ घाटे का सौदा हो सकता है। लेकिन महीने के दूसरे सप्ताह से ही समय आपका रहेगा और व्यापार फिर से अच्छा चलने लगेगा।

परीक्षाओं में मिलेगी सफलता

नौकरी पेशा लोगों के लिए अगस्त का महीना वृश्चिक राशि जातक के लिए अच्छा रहने वाला है। अगर आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो थोड़ी और मेहनत करें। परीक्षा में सफलता हासिल होगी। नौकरी की तलाश कर रहे जातकों के लिए अगस्त का महीना लाभ पहुंचाने वाला है। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए पूरे जोश और उत्साह के साथ लगे रहने से आपके काम बनते चले जाएंगे। परिवारिक दृष्टिकोण से भी वृश्चिक राशि वालों का अगस्त का महीना बेहद अच्छा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। जीवन साथी के साथ यात्रा पर जाने का योग बन रहा है। शादी करने का प्रपोजल मिल सकता है। आप अपना पूरा समय अपने फैमिली को देना पसंद करेंगे। पूरे परिवार में खुशी का माहौल रहने वाला है।

सेहत के दृष्टिकोण से वृश्चिक राशि वालों के लिए थोड़ा मिलाजुला रहने वाला है। महिना के पूर्वार्द्ध में सेहत अच्छी रहने वाली है। लेकिन उत्तरार्द्ध में थोड़ा सचेत रहने की जरूरत है। आंख की बीमारी से परेशान रह सकते हैं। आंखों में जलन रहने वाला है। साथ ही अनपच जैसी समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए अगस्त महीने के उत्तरार्द्ध में थोड़ा सचेत रहें।

इन उपायों से होगा लाभ

इस राशि के जातक शुद्ध श्रावण मास में प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव के ऊपर जलाभिषेक कर बेलपत्र अर्पण करें। आप निरोग रहेंगे।

सीतामढ़ी कुंड के पानी में नहीं लगते कीड़े

राम मंदिर निर्माण में यहां से भेजा गया मिट्टी और जल

सीतामढ़ी : यह तो हम सभी जानते हैं कि गंगा नदी के पानी में कीड़ा नहीं लगता हैं। इसके कुछ वैज्ञानिक कारण भी है और लोगों की धार्मिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई है। विज्ञान के दृष्टिकोण से गंगा नदी के पानी में गंधक और सल्फर की प्रचुर मात्रा मौजूद है। साथ ही बैक्टीरियोफेज नामक जीवाणु गंगा के जल में मौजूद हानिकारक सूक्ष्म जीवों को जीवित नहीं रहने देते हैं। जिससे पानी में पैदा वाले छोटे-छोटे कीड़े गंगाजल में नहीं पनप पाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा नदी स्वयं गंगा हैं, जो स्वर्ग से चलकर आई है तो उस जल में भला कीड़े कैसे लगे। यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि माता जानकी की जन्मस्थली सीतामढ़ी में भी एक ऐसा कुंड है जिसके पानी में कीड़ा नहीं लगता है।

माता जानकी से जुड़ा हुआ है इस कुंड का इतिहास

सीतामढ़ी शहर से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पंतपाकर गांव में पाकड़ का एक पेड़ है। जिसका इतिहास रामायण काल यानी त्रेता युग से जुड़ा हुआ है। मान्यताओं के अनुसार माता सीता और श्री रामचंद्र विवाह के उपरांत बारात जब जनकपुर से अयोध्या के लिए चली थी तो प्रथम बार बारात यहीं रुकी थी। जिसका उल्लेख आनंद रामायण और बाल्मीकि रामायण में भी है।

यहां के किंवदंती के अनुसार रात्रि विश्राम के बाद जब माता सीता दातुन करने के बाद कुल्ला की तो इस कुंड का निर्माण हुआ जो आज साक्ष्य के तौर पर मौजूद है। पाकड़ के पेड़ के नीचे होने के कारण कुंड में पत्ते गिरते रहते हैं। परंतु पत्ते के खराब होने के बावजूद भी कुंड के पानी में कीड़ा नहीं लगता है।

राम मंदिर निर्माण में यहां से भेजा गया है मिट्टी और जल

ग्रामीण शशि शंकर शाही ने बताया कि इस पवित्र जल को लोग दूर-दूर से आकर ले जाते हैं और अपने घरों में छिड़काव करते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सीतामढ़ी में अकाल की स्थिति में भी इस कुंड का पानी नहीं सूखा है। कई बार कुंड को साफ करने के लिए बोरिंग और दमकल के सहारे से पानी को निकाला गया, परंतु सुबह होते-होते फिर इसमें पानी भर जाता है। यहां के मुख्य पुजारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में भी यहां से जल और मिट्टी ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि जब माता सीता के कुल्ले से इस कुंड का निर्माण हुआ है तो जल में कीड़ा कैसे लगेगा।

पलवल के मंदिर में श्रीकृष्ण करते थे बाल लीलाएं

दर्शन से पूरी होती है पुत्र प्राप्ति की कामना!

पलवल: जिले का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। इसी इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पलवल के प्राचीन और भव्य मंदिर भी हैं। पलवल में हरियाणा और यूपी की सीमा के बीच बीच बहती यमुना के तट पर प्राचीन छता मंदिर है। इस मंदिर के प्रति आज भी लोगों में अपार श्रद्धा है। मान्यता है कि इस मंदिर में संत रघुवर दास जी ने राम भक्त हनुमान की घोर तपस्या कर सिद्धि प्राप्त की थी। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर में दर्शन करने से ही लोगों की मनोकामना पूरी हो जाती है। पलवल के गांव चांटहट में प्राचीन छत्ता मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना है, जो यमुना नदी के तट पर है।

कहा जाता है कि भगवान कृष्ण ने भी यहां पर बाल लीलाएं की थी। 200 वर्ष पहले यहां घना जंगल हुआ करता था, रास्ते में भी पेड़ों के छते बने रहते थे, तभी से इस प्राचीन मंदिर को छता मंदिर के नाम से जाना जाने लगा।

बाढ़ के बाद गांव से नहीं निकल रहा पानी।।। तो ग्रामीणों ने मौके पर विधायक को बुलाया

बाढ़ के बाद गांव से नहीं निकल रहा पानी।।। तो ग्रामीणों ने मौके पर विधायक को बुलाया

हनुमानजी के परम भक्त ने की थी तपस्या

बता दें कि इस मंदिर में हनुमानजी के परम भक्त बाबा रघुवर दास ने तपस्या की थी। हनुमान भक्त संत रघुवर दास पहले बैरिस्टर की नौकरी करते थे। अचानक से उन्होंने मोह माया त्याग कर तपस्या करने की ठानी। जिसके बाद अपनी बैरिस्टर की नौकरी छोड़कर अयोध्या में धार्मिक गुरु मनीराम दास जी से शिक्षा लेने के बाद संत रघुवर दास पलवल के प्राचीन पंचवटी हनुमान मंदिर पर आकर रहने लगे। रघुवर दास महाराज हनुमान जी के परम भक्त थे। इस मंदिर में रुक कर उन्होंने 10 फीट गहरी गुफा में 24 वर्षों तक राम नाम का जप कर हनुमान जी की सिद्धि प्राप्त की। तभी से मंदिर पर श्री राम जानकी हनुमान जी की पूजा अर्चना होती है ।

मंदिर में पुत्र प्राप्ति की कामना होती है पूरी

मंदिर के प्रांगण में एक प्राचीन कुआं भी है, जिसमे बाबा रघुवर दास महाराज के समय से लेकर आज तक मीठा जल निकलता है। इस कुएं के पानी को पीने के प्रयोग में लिया जाता है। इतना ही नहीं, भक्तों का मानना है कि इस मंदिर में प्रार्थना करने से पुत्र के चाह रखने वाले भक्तों को पुत्र धन की भी प्राप्ति होती है। इस मंदिर में हर साल गंगा दशहरा, रामनवमी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

अद्भुत चमत्कारी है भोले भंडारी का मंदिर

एक से 9 हो गए शिवलिंग

मुजफ्फरपुर. सावन का महीना है। ऐसे में भगवान शिव के प्रति लोगों की भक्ति अपने चरम पर है। अगर आप भी भोलेनाथ के भक्त हैं, तो चलिए आज हम आपको अद्भुत नमोनाथ मंदिर के बारे में बताते हैं। दरअसल, मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड के भरथुआ में भगवान शिव का एक अनोखा शिवलिंग है।मंदिर में भगवान शिव के शिवलिंग के ऊपरी हिस्सा से जल की धारा अपने आप टपकते रहता है। आधे घंटा में मंदिर का कुंड अपने आप जल से भर जाता है। इस रहस्य से अबतक पर्दा नहीं उठ पाया है। यही नहीं, इस मंदिर में शिवलिंग के कुंड में एक नहीं, बल्कि 9 शिवलिंग है। ग्रामीणों की माने तो पहले इस मंदिर में सिर्फ एक ही शिवलिंग था, लेकिन धीरे-धीरे शिवलिंग की संख्या बढ़कर 9 हो गया है। शिवलिंग का आकार भी बढ़ते जा रहा है।

मंदिर तक जाने का नहीं है कोई रास्ता

औराई प्रखंड में मौजूद इस मंदिर तक पहुंचने के लिए रास्ता भी नहीं है। नमोनाथ मंदिर जाने के लिए औराई प्रखंड के भरथुआ से जनाढ़ जाने वाले रास्ते पर बागमती नदी को नाव से पार करना होता है। इसके बाद तकरीबन एक किलोमीटर अंदर जाना होता है। मंदिर के आसपास दूर-दूर तक ना कोई घर है ना पहुंचने का रास्ता। बागमती नदी को पार कर खेतों में होते हुए ही लोग नामोनाथ मंदिर तक पहुंचते हैं।

मंदिर के चारों ओर निकल आए हैं शिवलिंग

ग्रामीण हरेंद्र कुमार कहते हैं कि नमोनाथ मंदिर को वे बचपन से देख रहे हैं। पहले मंदिर में सिर्फ एक शिवलिंग होता था। अब मंदिर में चारों ओर शिवलिंग निकल आए हैं। साथ ही इस मंदिर के शिवलिंग के माथे से अपने आप जल की धारा निकलती रहती है। हरेंद्र बताते हैं कि रास्ता नहीं होने के बावजूद दूर-दूर से ग्रामीण मंदिर तक आते हैं। नदी पार कर के बाबा नामोनाथ की पूजा करने जाते हैं। भरथुआ के ही साकेत कुमार बताते हैं कि यह मंदिर बेहद प्राचीन है। बाबा-दादा के जमाने से ही लोग बागमती नदी पार कर इस मंदिर तक जाते रहे हैं। मंदिर तक पहुंचना थोड़ा कठिन है, फिर भी लोग सारी बाधाओं को पार कर बड़े संख्या में इस मंदिर तक पहुंचते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर' को तोड़कर कैसे बनी ज्ञानवापी की मस्जिद?

वाराणसी में विश्वनाथ मंदिर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रमाण है। हालाँकि, इसका इतिहास विनाश और पुनर्निर्माण के उदाहरणों से भरा हुआ है। विध्वंस की प्रलेखित अवधियों में कट्टर मुस्लिम शासक औरंगजेब का शासनकाल महत्वपूर्ण है। वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में किए गए सर्वेक्षणों से अतीत के संकेत सामने आए हैं, जो ऐतिहासिक दस्तावेजों से मेल खाते हैं, जो मंदिर के अशांत अतीत का विवरण देते हैं। हिंदू पक्ष का हमेशा से कहना रहा है कि ज्ञानवापी परिसर में जो मस्जिद है, वो प्राचीन विश्वनाथ मंदिर को तोड़कर बनाई गई है, जबकि मुस्लिम संगठन इतिहास से किनारा करते हुए भारतीय संविधान एवं कानून की दुहाई देकर ये कहने में लगे हैं कि ये मस्जिद थी और रहेगी, इसमें किसी भी किस्म का परिवर्तन वो सहन नहीं करेंगे. ऐसे में आइये आज आपको बताते है विश्वनाथ मंदिर के इतिहास के बारे में...

विश्वनाथ मंदिरः धार्मिक सद्भाव का प्रतीकः-

विश्वनाथ मंदिर, जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, वाराणसी में धार्मिक सद्भाव का प्रतीक रहा है, यह शहर अपने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रतिष्ठित है। भगवान शिव को समर्पित, यह मंदिर लंबे समय से विभिन्न धर्मों के तीर्थयात्रियों और भक्तों को आकर्षित करता रहा है, सह-अस्तित्व और साझा आध्यात्मिकता के माहौल को बढ़ावा देता है।

ऐतिहासिक वृत्तांतों से पता चलता है कि विश्वनाथ मंदिर को पहली बार विनाश का सामना दिल्ली के पहले सुल्तान और गुलाम राजवंश के संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक के समय में करना पड़ा था। 1194 ई. में ऐबक ने असनी के युद्ध में वहां के शासक जयचंद्र को हराकर बनारस (वाराणसी) शहर पर कब्जा कर लिया। इसके बाद, विश्वनाथ मंदिर इस विजय का शिकार हो गया और उसे जमींदोज कर दिया गया।

औरंगजेब का शासनकाल और मस्जिद निर्माणः-

छठे मुगल सम्राट औरंगजेब के शासनकाल के दौरान, विश्वनाथ मंदिर को विनाश के एक और दौर का सामना करना पड़ा।

औरंगजेब इस्लाम की रूढ़िवादी और रुढ़िवादी व्याख्या के लिए जाना जाता था, जिसके कारण उसने हिंदू मंदिरों और धार्मिक प्रथाओं के खिलाफ कई कार्रवाइयां कीं। यह प्रलेखित है कि विश्वनाथ मंदिर उनकी धार्मिक रूप से प्रेरित नीतियों के लक्ष्यों में से एक था। मंदिर के स्थान पर उस स्थान पर एक मस्जिद का निर्माण किया गया।

ऐतिहासिक अभिलेखों में साक्ष्यः-

औरंगजेब के शासनकाल के दौरान विश्वनाथ मंदिर के विध्वंस का समर्थन करने वाले 'काशी का इतिहास' लिखने वाले डॉक्टर मोतीचन्द्र ने इस पर विस्तार से प्रकाश डाला हैं। उनकी पुस्तक 'काशी का इतिहास' उस दौरान हुई घटनाओं पर प्रकाश डालती है, जिसमें मंदिर का विनाश और उसके बाद मस्जिद का निर्माण भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, ओमप्रकाश केजरीवाल द्वारा संपादित पुस्तक 'काशी, नगरी एकः रूप अनेक', कुतुबुद्दीन ऐबक के शासनकाल के दौरान मंदिर के विध्वंस के दावे को पुष्ट करती है, और ऐतिहासिक मान्यता प्रदान करती है। केजरीवाल की पुस्तक में हसन निजामी लिखित फारसी की पुस्तक 'ताज–उल –म'आसिर' से एक प्रासंगिक उद्धरण है – "वहां (असनी) से शाही सेना ने बनारस की तरफ प्रस्थान किया, जो कि हिंदुस्तान का केंद्र है. यहां सेना ने लगभग एक हजार मंदिरों को विध्वंस कर उनके स्थान पर मस्जिदों का निर्माण किया." डॉक्टर मोतीचंद्र के अनुसार, ऐबक के शासनकाल के दौरान ही विश्वनाथ का मंदिर पहली बार तोड़ा गया. इस के चलते कई मंदिरों को मस्जिदों में बदला गया या फिर मंदिरों की सामग्री से मस्जिदों का निर्माण किया गया. मसलन दारानगर से हनुमान फाटक की तरफ जाने वाली ढाई कंगूरे की मस्जिद, जिसका निचला हिस्सा हिंदू मंदिरों के अमले से बना है. गुलजार मुहल्ले में मकदूम साहब की कब्रगार का उत्तरी तथा पश्चिमी हिस्सा भी मंदिरों को तोड़कर हासिल हुई सामग्री से ही बनाया गया. इसी तरह भदऊं मुहल्ले की मस्जिद भी मंदिरों की सामग्री से बनी. राजघाट के इलाके की एक मस्जिद की दालान तो गाहडवाल युग के खंभों से बनी है. ऐसे कई उदाहरण मोतीचंद्र ने अपनी किताब में गिनाये हैं, जब सल्तनत काल में मंदिरों को तोड़ा गया तथा उनकी सामग्री के सहारे मस्जिदें खड़ी की गईं. डॉ. मोतीचंद्र के ऐतिहासिक विवरण के अनुसार, विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद दोनों को अपने अशांत अतीत के दौरान विध्वंस का सामना करना पड़ा। मस्जिद निर्माताओं ने न केवल पुराने मंदिर की पश्चिमी दीवार को ध्वस्त कर दिया, बल्कि छोटे मंदिरों को भी जमींदोज कर दिया। इसके अलावा, उन्होंने पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी द्वार बंद कर दिए, शिखर हटा दिए और उनकी जगह गुंबद बना दिए। मूल मंदिर के गर्भगृह में बदलाव आया और यह नवनिर्मित मस्जिद का मुख्य हॉल बन गया। जबकि चार आंतरिक घरों को संरक्षित किया गया था, हॉल को ध्वस्त कर दिया गया और 24 फीट के समामेलन में मंडप में एकीकृत किया गया। इसके अलावा, मंदिर के पूर्वी हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया और उसके स्थान पर एक बरामदा बनाया गया, जो अभी भी प्राचीन स्तंभों से सुसज्जित है। पूर्वी मंडप, जो पहले 125 गुणा 35 फीट का था, पत्थर के चौकों को जोड़कर एक लंबे वर्ग में बदल दिया गया। डॉ. मोतीचंद्र के विस्तृत ऐतिहासिक अभिलेख धार्मिक और स्थापत्य परिवर्तन की इस अवधि के दौरान हुए व्यापक परिवर्तनों और अनुकूलन पर प्रकाश डालते हैं।

वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर का अतीत उथल-पुथल भरा रहा है, इतिहास के विभिन्न कालखंडों में इसमें विध्वंस और पुनर्निर्माण हुए हैं।

कुतुबुद्दीन ऐबक और औरंगजेब के शासनकाल के दौरान इसके विनाश के विवरण ऐतिहासिक अभिलेखों और समकालीन सर्वेक्षणों द्वारा प्रमाणित किए गए हैं। हालाँकि, इन उदाहरणों के बावजूद, मंदिर लचीलापन और धार्मिक सद्भाव के प्रतीक के रूप में खड़ा है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को अपने पवित्र परिसर में सांत्वना और आध्यात्मिकता की तलाश करने के लिए आकर्षित करता है। भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत की विविध टेपेस्ट्री की सराहना करने के लिए ऐसे स्थलों के इतिहास को संरक्षित करना और समझना महत्वपूर्ण है।

सक्सेस किसी हीरो की मोहताज नहीं : नोरा

सक्सेसफुल होने के लिए तरह-तरह की सलाह दिया करते थे। हालांकि, उन्होंने हमेशा ऐसी किसी भी सलाह को नजरअंदाज किया। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि लोग उन्हें मजबूत PR बनाने के लिए बड़े एक्टर्स को डेट करने के लिए कहते थे, हालांकि उन्होंने सक्सेसफुल होने के लिए कभी भी यह रास्ता नहीं अपनाया। एक समाचार पत्र से बातचीत में नोरा ने कहा- 'मुझे हमेशा यह कहा गया कि आपको सक्सेसफुल होने के लिए किसी सुपरस्टार को डेट करना चाहिए। लेकिन मैंने ऐसी बातों को कभी नहीं सुना और ऐसा करने के लिए मैं खुद को लकी भी मानती हूं।'

नोरा ने आगे कहा- 'अब मैं नियम बनाती हूं और अपनी शर्तों पर काम करती हूं। मेरी सक्सेस किसी दूसरे बड़े आदमी या फिर किसी सुपरस्टार के कारण नहीं है। मैं आज किसी पर निर्भर नहीं हूं। मैं आज जो भी हूं अपने दम पर हूं। इस बात पर हमेशा मुझे गर्व होता है।' नोरा ने आगे कहा- 'ऐसी बहुत सी चीजें थी जो लोगों ने कही, मगर उन्हें मैंने कभी भी नहीं सुना। यही वजह है कि आज मैं इस मुकाम पर हूं। लोगों ने मुझे सलाह दी थी कि तुम गाना मत गाओ। दूसरा रियलिटी शो मत करो।'

इंटरनेशनल लेवल पर परफॉर्म कर चुकी हैं नोरा

दिलबर-दिलबर गाने की सक्सेस को याद करते हुए नोरा ने कहा- 'जब दिलबर ट्रैक सक्सेसफुल हुआ तो मुझे लगा कि अब इंटरनेशनल लेवल पर भी इस तरह के डांस नंबर पर परफॉर्म करना चाहिए। हालांकि, तब एक शख्स ने मुझे सलाह दी थी कि अभी सिर्फ एक चीज पर फोकस करो। मुझे उस शख्स की यह सलाह अच्छी नहीं लगी। इसलिए मैंने आगे चलकर इंटरनेशनल लेवल पर काम करना शुरू कर दिया। अब मैं दोनों प्लेटफॉर्म पर काम कर रही हूं। और यह फैसला वाकई मेरे लिए काफी अच्छा साबित हुआ है।'

बता दें कि नोरा फीफा विश्व कप 2022 की क्लोजिंग सेरेमनी में फेमस आर्टिस्ट रहमा रियाद, बालकीस और मनाल के साथ शामिल हुई थीं। नोरा की इस सफलता को देशभर में सराहा गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा जल्द ही रेमो डिसूजा के साथ अमेजन मिनीटीवी पर अपने डांस रियलिटी शो हिप हॉप इंडिया में दिखाई देंगी। नोरा करुणा कुमार के डायरेक्शन में बनी फिल्म मटका में वरुण तेज के साथ तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

वादा करता हूं दया को जल्द वापस लाऊंगा : असित मोदी

टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की पॉपुलर कैरेक्टर दयाबेन बीते छह साल से मिसिंग हैं। दिशा वकानी, जो इस शो में दयाबेन का रोल प्ले करती हैं, वो 2017 में मैटरनिटी लीव पर गई थीं। तब से लेकर अब तक वो शो पर नहीं लौटी हैं। हालांकि, अब यह कन्फर्म हो गया है कि दिशा, दयाबेन के रोल में शो पर वापसी करने वाली हैं। हाल ही में शो के 15 साल पूरे होने के मौके पर प्रोड्यूसर असित मोदी ने बड़ी अनाउंसमेंट की। उन्होंने बताया कि वो जल्द ही दिशा को शो पर वापस लेकर आएंगे।

असित ने कहा, '15 साल के सफर की सभी को दिल से बधाई। हमारे बीच की एक आर्टिस्ट को हम भूल नहीं सकते। वो आर्टिस्ट दयाबेन अका दिशा वकानी हैं। उन्होंने बीते कई सालों तक हम सभी को हंसाया है। फैंस उनकी घर वापसी का इंतजार कर रहे हैं और आज मैं यह वादा करता हूं कि दिशा को मैं जल्द ही शो पर वापस लाऊंगा।'

2017 में दिशा के जाने के बाद इस शो को भव्य गांधी, शैलेश लोढ़ा और नेहा मेहता समेत कई कलाकारों ने छोड़ दिया था। हालांकि, असित लगातार दिशा को शो में वापस लौटने के लिए मना रहे हैं। यह शो बीते 15 साल से सक्सेसफुली टेलीकास्ट हो रहा है। हालांकि, पिछले कुछ वक्त से शो गलत कारणों से चर्चा में है। शो के प्रोड्यूसर असित मोदी पर एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री ने सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे।

हर एक्टर अमीर नहीं होता : फातिमा सना शेख

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपनी और बॉलीवुड एक्टर्स की फाइनेंशियल कंडीशन पर बात की। एक्टर्स को अमीर समझे जाने वाले मिसकन्सेप्शन बात करते हुए फातिमा ने कहा कि वो एक बहुत ही लो मिडिल क्लास फैमिली से आई हैं।

फातिमा के मुताबिक एक्टर्स हमेशा अमीर नहीं होते। वो आज भी एक किराए के घर में रहती हैं और लगातार स्ट्रगल कर रही हैं। एक इंटरव्यू में फातिमा ने एक्टर्स को अमीर समझे जाने वाले मिसकन्सेप्शन बात की। उन्होंने कहा, 'मैं एक वो बहुत ही लो मिडिल क्लास फैमिली से आई हूं। एक दौर में हम एक रूम और किचन के घर में रहा करती थी। हमारा यह घर एक बिल्डिंग के पार्किंग बेसमेंट में था। तो यह एक पूरा प्रोसेस है और मुझे खुद पर नाज है।'

फातिमा ने आगे कहा कि एक्टर्स हमेशा अमीर नहीं होते। मैं आज भी एक किराए के घर में रहती हूं और लगातार स्ट्रगल कर रही हूं। यह एक ऐसी चीज है जो कभी खत्म नहीं होती।

एक्ट्रेस बोलीं- 'आप हमेशा अच्छे काम की तलाश में रहते हैं। आप खुद से ही लड़ते रहते हैं। क्या सिर्फ पैसों के लिए मुझे यह काम करना चाहिए। अगर मुझे अपने बिल और लोन पे करने हैं तो मुझे वो काम करना ही पड़ेगा जो मैं नहीं करना चाहती। हमें सर्वाइवल के लिए काम करना पड़ता है।'

कभी असिस्टेंट फोटोग्राफर थीं फातिमा

फातिमा ने कहा कि इस प्रोफेशन की कोई गारंटी नहीं है। कम ही लोग जानते हैं कि फातिमा ने अपने स्ट्रगलिंग डेज में असिस्टेंट फोटोग्राफर के तौर पर भी काम किया है। एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म 'सैम बहादुर' की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वे इंदिरा गांधी के रोल में नजर आएंगी।

रैंप पर एक साथ उतरे सारा अली खान-आदित्य रॉय कपूर

दिल्ली में इंडिया कॉउचर वीक 2023 का आयोजन चल रहा है। इस इवेंट में बीती रात आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान ने रैंप वॉक किया। इवेंट से सारा और आदित्य की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमे दोनों एक- दूसरे का हाथ थामे हुए रैंप पर चलते हुए दिखाई दिए।

सारा-आदित्य का लुक

वीडियो में सारा और आदित्य एथनिक लुक में काफी शानदार लग रहे हैं। दोनों ने पीच और सिल्वर आउटफिट में ट्विनिंग की है। इवेंट के लिए सारा ने पीच और सिल्वर लंहगा के साथ मैचिंग ब्लाउज और केप पहना था। जबकि आदित्य शेरवानी और पैंट में नजर आए। उन्होंने इसे काफी अच्छे से कैरी किया था।

फैंस को पसंद आई दोनों की केमिस्ट्री

सोशल मीडिया पर सारा और आदित्य की जोड़ी को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

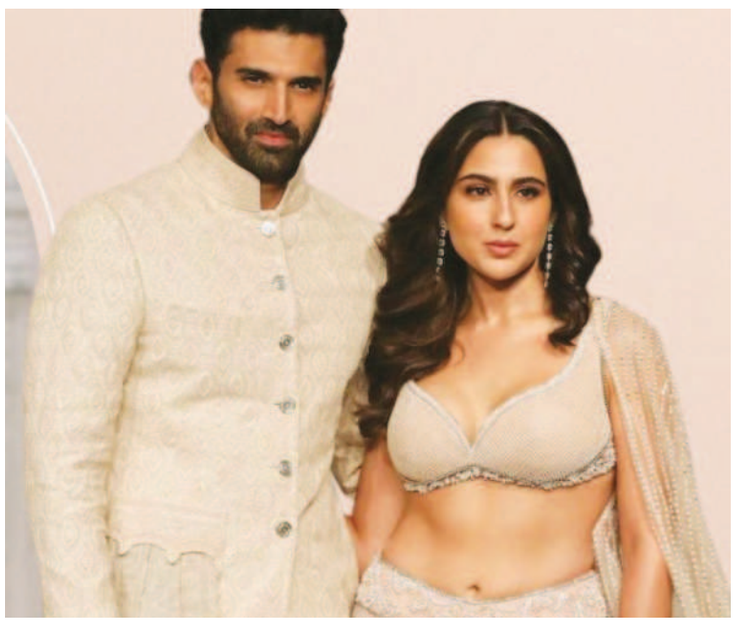

वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'ये एक साथ बहुत अच्छे लग रहे हैं'। दूसरे ने लिखा, 'क्या खूबसूरत जोड़ी है'। तीसरे ने लिखा, 'हे भगवान यह जोड़ी बहुत हॉट है'।

वहीं सोशल मीडिया पर कई लोग अनन्या पांडे को याद करने लगे। उनका कहना है कि वह एक बार आदित्य और अनन्या को रैंप पर देखना चाहते हैं।

इस फिल्म में साथ दिखेंगे आदित्य- सारा

आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान जल्द ही अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में साथ नजर आएंगे। यह फिल्म अगले साल मार्च 2024 में रिलीज होने वाली है। फिल्म में आदित्य, सारा के अलावा अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

आलिया ने रणवीर-करण के साथ शेयर किया फोटो फिल्म की सक्सेस पर फैंस को कहा शुक्रिया

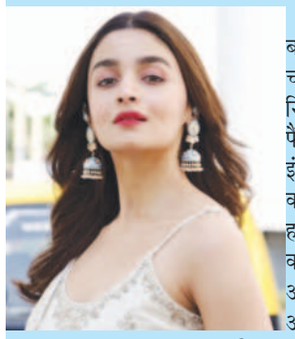

आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, शबाना आजमी, धर्मेंद्र और जया बच्चन स्टारर फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी इन दिनों बेहद चर्चा में है। रिलीज के बाद से ही फिल्म को ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच आलिया ने फिल्म की सक्सेस पर फैंस के लिए स्पेशल नोट शेयर करते हुए उन्हें शुक्रिया कहा है। इंस्टाग्राम पोस्ट में आलिया ने लिखा- 'लव है तो सब है!! फिल्म को इतना प्यार देने के लिए आप सभी को तहे दिल से शुक्रिया। हम इस बेहद खुश हैं। आप सभी को रॉकी, रानी और उनकी कहानी बनाने वाले की तरफ से बहुत सारा प्यार।'चर्चित फोटो में आलिया-रणवीर दोनों ही व्हाइट आउटफिट में ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं। वहीं करण दोनों के पीछे खड़े हैं।

आलिया का फोटो पर जमकर रिएक्ट कर रहे फैंस

आलिया के इस पोस्ट पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। लोग इसे धर्मा प्रोडक्शन और करण जौहर की सबसे बेहतरीन फिल्म बता रहे हैं। कमेंट सेक्शन में एक फैन ने लिखा- सही मायने में बॉलीवुड की वापसी है। दूसरे फैन ने कहा- लंबे समय बाद पूरे परिवार के साथ सिनेमा देखने गया..यह एक बेहतरीन अनुभव था। तीसरे फैन ने लिखा- फिल्म में आपकी परफॉर्मेंस बेहद दमदार थी।

प्रीति जिंटा ने बार्बी मूवी देखकर डॉल की तरह पिंक ड्रेस में कराया फोटोशूट

प्रीति जिंटा ने बार्बी डॉल बनकर एक फोटोशूट कराया है, जिसका एक बीटीएस वीडियो एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट में शेयर किया। इसमें वह बार्बी डॉल के अवतार में नजर आ रही हैं। वीडियो में एक्ट्रेस ऑल पिंक आउटफिट में कैमरे के सामने अलग-अलग पोज और एक्सप्रेशन दे रही हैं।

एक्ट्रेस ने कराया फोटोशूट

प्रीति पिंक थीम वाले कमरे में दिखाई दे रही हैं। उनके रूम में दीवारों, बेड से लेकर, टेबल लैंप, बेडशीट, फोन और कमरे की हर चीज पिंक कलर की है। वीडियो में प्रीति पिंक ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। वह सोफे पर बैठकर पिंक फोन के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने बेड पर भी लेट कर पोज दिए। एक्ट्रेस के बैकग्राउंड में बार्बी गर्ल सॉन्ग चल रहा है। प्रीति के इस वीडियो को देख फैंस उन्हें रियल बार्बी कह रहे हैं।

प्रीति ने की मूवी की तारीफ

वीडियो शेयर करते हुए प्रीति ने बार्बी मूवी की तारीफ की है। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर की बार्बी को चैनलिंग। कुछ समय पहले यह मजेदार शूट किया था और इस हफ्ते #बार्बी को देखने के बाद इसे पोस्ट करने से खुद को नहीं रोक सकी। फिल्म में ये बहुत पसंद आया कि थिएटर ज्यादातर पिंक था। इतने लंबे समय के बाद फिल्म देखने में बहुत मजा आया'।

फैंस ने बताया रियल बार्बी

वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'रियल बार्बी गर्ल'। दूसरे ने लिखा, 'यह बार्बी बहुत सुंदर है'। तीसरे ने प्रीति की तारीफ करते हुए लिखा, 'सो ब्यूटीफुल प्रीति'। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप कैटी पेरी जैसी दिख रही हैं'।

21 जुलाई को रिलीज हुई है फिल्म

डायरेक्टर ग्रेटा गर्विग की फिल्म बार्बी 21 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में मार्गोट रॉबी ने बार्बी का किरदार निभाया है। वहीं रयान गोसलिंग ने केन का रोल प्ले किया है। फिल्म भारत में भी अच्छा परफॉर्म कर रही है। यह फिल्म बार्बी लैंड की दुनिया में रहने वाली एक डॉल के इर्द-गिर्द घूमती है।

मृणाल ठाकुर ने सीता रामम के बाद 135% फीस बढ़ाई

4 साल के करियर में 2 करोड़ हुई फीस

मृणाल ठाकुर आज अपना 31वां बर्थडे मनाया हैं। मृणाल ने टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य में दो सालों तक प्रज्ञा अभिषेक मेहरा की छोटी बहन बुलबुल अरोड़ा का रोल प्ले किया था। टीवी से घर-घर में अपनी पहचान बनाने के बाद मृणाल ठाकुर ने बॉलीवुड के दिग्गज सितारों के अपोजिट काम किया। मृणाल ने घर वालों को बिना बताए एक्टिंग की शुरुआत की थी। 2019 से अब तक सिर्फ चार सालों में मृणाल ने फिल्म सुपर 30 में ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड से लेकर सीता रामम में प्रिंसेस नूर जहां जैसे रोल किए हैं। सीता रामम की कामयाबी के बाद अपनी फीस में 135% इजाफा किया है।

ट्रैक टॉलीवुड की रिपोर्ट के मुताबिक मृणाल अब 2 करोड़ रुपए चार्ज करेंगी। इससे पहले तक वो एक फिल्म के लिए करीब 85 लाख रुपए चार्ज करती थीं। उन्होंने काफी कम समय में ही टीवी की दुनिया से बड़े पर्दे तक का ये सफर तय कर लिया है और अपनी अलग पहचान बना ली है। मृणाल ठाकुर का जन्म 1 अगस्त 1992 को महाराष्ट्र के धुले में हुआ। उन्होंने शुरूआती पढ़ाई मुंबई के पास जलगांव के स्कूल से की। आगे चलकर मुंबई के KC कॉलेज में एडमिशन लिया लेकिन एक्टिंग में करियर बनाने के लिए बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। मृणाल ने इंटरव्यू में ये भी कहा था कि उनके पापा को फिल्में देखने का बहुत शौक था और वो घरवालों से छुपके फिल्में देखने जाया करते थे। पापा बैंकर नहीं बल्कि हीरो बनना चाहते थे इसलिए एक्टिंग मेरे खून में ही है। मृणाल नहाते वक्त टीवी पर आने वाले लक्स के एड की एक्टिंग किया करती थीं। आईने के सामने फिल्मी गानों पर एक्टिंग और डांस करती थीं।

एक्टिंग करने के लिए घर वालों से झूठ कहा

मृणाल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो कैमरे के सामने बहुत सहज रहती हैं क्योंकि उनकी पसंद का काम है। कॉलेज में उन्होंने बैचलर्स ऑफ मास मीडिया कोर्स में एडमिशन तो ले लिया था लेकिन उन्हें लिटरेचर और सक्रिप्ट राइटिंग जैसे सब्जेक्ट्स में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उन्हें तो एक्टिंग ही करनी थी। मृणाल को इंडस्ट्री में काम करने से पहले कई बार अपने घरवालों से झूठ भी बोलना पड़ा। मृणाल ठाकुर ने 2014 में मराठी फिल्म विट्टी दांडू से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया था। मृणाल ने ऋतिक रोशन के ऑपोजिट फिल्म सुपर 30 से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके अलावा मृणाल ने 2019 में जॉन अब्राहम, 2021 में बादशाह और गुरु रंधावा के साथ म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। लव सोनिया ने उनके करियर को एक नई ऊंचाई दी। फिल्म की शूटिंग 2012 से शुरू हो गई थी। इसके लिए मृणाल ने कोलकाता में प्रोस्टिट्यूट की बॉडी लैंग्वेज समझने के लिए रेड लाइट एरिया में काफी समय बिताया। इस फिल्म में मृणाल के साथ राजकुमार राव, ऋचा चड्ढा और मनोज बाजपेयी के काम किया था।

मृणाल को पहले मेंटर के तौर पर मिले करण जौहर

खास बात ये है कि आउट साइडर होने के बावजूद करण जौहर इंडस्ट्री में मृणाल के पहले मेंटर थे। दरअसल, मृणाल को करण जौहर की टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी - धर्मं कॉर्नरस्टोन मैनेज करती है। फिल्म लव सोनिया की शूटिंग एक दौरान करण जौहर ने खुद मृणाल ठाकुर को कॉल कर कहा था कि ये फिल्म उनकी किस्मत बदल देगी। मृणाल इस बार में कहती हैं कि वो फ्यूचर को लेकर काफी परेशान रहती थीं। ऐसे में उन्होंने खुद को समझाया कि अगर एक्टिंग में काम न भी बना तो वो ज्यादा से ज्यादा क्या बुरा होगा, वो सलून खोल लेंगी और एक बेसिक जिंदगी बिताएंगी।

मृणाल का मानना है कि किसी भी एक्टर को इस वजह से काम नहीं मिलता कि वो आज कितने पॉपुलर हैं, बल्कि उनके स्क्रीन टेस्ट, ऑडिशन और पिछली फिल्म ने कैसा परफॉर्म किया है इस बेसिस पर काम मिलता है। मृणाल का मानना है कि बॉलीवुड को ब्यूटी स्टीरियोटाइप ब्रेक करने की जरूरत है। बॉलीवुड को हर स्किन कलर, हाइट और बॉडी टाइप के लोगों को स्वीकारना चाहिए।

महिलाओं में इमोशनल स्मार्टनेस होना जरूरी है

इससे स्त्रियां कई तरह की धोखाधड़ी, शोषण और व्यर्थ के तनावों से बच सकती हैं

आमतौर पर महिलाओं को भावुक और संवेदनशील माना जाता है और कई बार उनके इर्दगिर्द मौजूद चालाक लोग उनकी भावनाओं का लाभ उठाकर अपना काम निकाल लेते हैं। हालांकि महिलाएं थोड़ी-सी सूझबूझ से काम लें तो अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करके न सिर्फ़ औरों के फ़ायदे के लिए इस्तेमाल होने से ख़ुद को बचा सकती हैं, बल्कि अपने दायरे में सम्मान और स्नेह का पात्र भी बन सकती हैं।

ज़रूरत से अधिक न बोलें

आपने एक कहावत सुनी होगी– बंद मुट्ठी लाख की, खुल गई तो ख़ाक की। इसकी वजह यह है कि मुट्ठी बंद रहती है तो लोग अलग-अलग क़यास लगाते हैं कि ज़रूर मुट्ठी में कोई क़ीमती चीज़ है। लेकिन खुल जाने पर सारा रहस्य हवा हो जाता है। ठीक इसी प्रकार जब आप नियंत्रित और सीमित मात्रा में बातें करती हैं तो लोग आपको धीर-गंभीर और समझदार व्यक्ति मानते हैं। लेकिन जब आपका ख़ुद पर नियंत्रण नहीं रहता और बहुत अधिक बोलती हैं तो आप किसी आम शख़्स की तरह ही नज़र आती हैं। ज़ाहिर है, ज़्यादा बोलने पर ग़लतियां होने की आशंका भी अधिक होती है।

कभी-कभार ग़ायब हो जाएं

यह सही है कि मेल-मुलाक़ात, मदद और सहयोग से संबंध बेहतर होते हैं, लेकिन कई बार हमें अपनी अनुपस्थिति से भी अपना महत्व बनाए रखना होता है। दरअसल, जब आप हर जगह, हर समारोह में, हर गेट-टुगेदर में आसानी से, नियमित और ज़्यादा देर तक उपस्थित रहने लगती हैं तो आपकी क़द्र और आपका मान-सम्मान कम होने लगता है। लोग आपको आसानी से उपलब्ध और ख़ाली समझने लगते हैं। इसी से जुड़ी दूसरी बात है कि लोगों के सामने अपनी शेख़ी बघारने और ख़ुद को एकदम परिपूर्ण बताने से भी बचना चाहिए। इससे लोग आपसे प्रभावित तो नहीं होते, लेकिन उल्टे या तो आपसे ईर्ष्या करने लगते हैं या फिर आपमें कमियां खोजकर दूसरों को बताने लगते हैं।

संकोच छोड़ें, मेलजोल बढ़ाएं

ख़ाली दिमाग़ शैतान का घर। यह कहावत सोलह आना सही है। एकांत और अकेलेपन में अंतर समझें। एकांत मन को सुकून और चिंतन का समय देता है, जबकि अकेलापन तनाव, दुश्चिंता और अवसाद का सबब बन सकता है। कई शोधों में प्रमाणित हो चुका है कि सामाजिक मेलजोल रखने वाले लोग इमोशनल स्मार्ट, व्यवहारकुशल और अच्छे समाधानपरक होते हैं। सामाजिक दायरा पक्का रहने पर सुकून के साथ सफलता और समृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ती हैं। लोगों से आदर, स्नेह और प्यार मिलने पर भी हमारा दिमाग़ नहीं फिरता और भावनात्मक संतुलन दुरुस्त रहता है।

बहस से बचें और ख़ुश रहें

लोगों के दिलों में पर अपनी छाप छोड़ने और उन पर अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए आपको वह बेवजह के विवादों से बचना चाहिए। विशेष रूप से राजनीतिक मुद्दों, खेल, फिल्म या विवादास्पद विषयों पर लोग बहुत जल्दी भावुक हो उठते हैं। अतः इन मामलों में होने वाले विचार-विमर्श जब विवाद का रूप लेने लगें तो आपको जीतने की कोशिश में संबंधों को नहीं हारना चाहिए। फिज़ूल विवादों के कारण आपसी संबंधों में खटास ना आने दें। सामने वाले को (जो आपके परिजन, मित्र, रिश्तेदार, पड़ोसी या सहकर्मी हो सकते हैं) जीतकर ख़ुश होने दें।

सखी को ना बताएं हर राज़

दोस्ती के संबंध हमेशा एक जैसे नहीं रहते। कभी किसी दौर में ये संबंध अत्यधिक गहरे और आत्मीय हो सकते हैं जब दोस्त एक-दूसरे के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन किसी भी दूसरे संबंध की तरह दोस्ती में भी उतार-चढ़ाव आते हैं। कई बार रिश्तों में खटास आने लगती है और ईर्ष्या या बदले की भावना जागने लगती है। ऐसे में दोस्त ही सबसे ज़्यादा ख़तरनाक और नुक़सानदेह साबित हो सकता है।

अपने मन को क़ाबू में रखें

दिमाग़ इंसान का सबसे शक्तिशाली हथियार है। आप इसका सही इस्तेमाल करना सीख जाएं तो दुनिया की कोई ताक़त आपको नहीं झुका सकती। अगर आपने इसका सही इस्तेमाल नहीं किया और भावनाओं पर नियंत्रण करना नहीं सीखा तो लोग आपके मन और भावनाओं पर क़ाबू करके आपको अपने फ़ायदे के लिए इस्तेमाल कर लेंगे। कई बार यह आत्मीयता जताकर, मदद करके या मीठे बोल बोलकर भी होता है। जाने-माने प्रेरक वक्ता नेपोलियन ने कहा है ऐसे लोगों से हमेशा सावधान रहें जो आपकी मदद के बहाने आपके मन में दूसरों के लिए ज़हर घोलते हैं।

इसलिए किसी की बातों पर आंखें मूंदकर विश्वास न करें। पहले ख़ुद अनुभव करें और फिर फ़ैसला लें। किसी के विचार अपने दिमाग़ तक पहुंचने न दें। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति आपकी मदद तो करता है, लेकिन साथ-साथ आपको ऐसे शख़्स के खिलाफ़ भड़काता है जिससे आपकी अच्छी बातचीत होती है। मुमकिन है, आप उसकी बात मानकर साथी की नकारात्मक छवि मन में बना लेंगी।

कभी धुंधली नहीं पड़ेगी कांच के बर्तनों की चमक, अपनाएं ये घरेलू टिप्स

कांच के बर्तनों को साफ करना और इसका रखरखाव दूसरे बर्तनों से बहुत अलग और मेहनत वाला होता है। थोड़ी सी भी लापरवाही इन्हें सेकंड भर में चकनाचूर कर सकती है। साथ ही इसकी चमक को भी फीका करने लगती है, जिससे इन्हें मेहमानों के सामने इस्तेमाल करने में बहुत झिझक होती है।

ऐसे में आपके किचन कैबिनेट में रखें कांच के गिलास, प्लेट, बाउल सालों साल तक चमकते रहे इसके लिए यहां हम आपको बहुत ही नायाब तरीका बता रहे हैं। यह बिल्कुल भी महंगा नहीं इसलिए आप इसे आसानी से हर बार कांच के बर्तनों को साफ करने के लिए यूज कर सकते हैं।

विनेगर में भिगोकर रखें

कांच के बर्तनों को वापस से पहले जैसा चमकाने के लिए 5-10 मिनट तक विनेगर और पानी के घोल में भिगोकर रखें। यदि बर्तनों पर हार्ड मिनरल्स के दाग हैं, तो आप इस घोल को हल्का गर्म करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

विनेगर का एसिडिक गुण सारे दाग-धब्बों को हटाने में प्रभावी रूप से मददगार साबित होता है।

बेकिंग सोडा से करें साफ

विनेगर में भिगोने के बाद भी यदि कांच के बर्तनों में कोई जिद्दी दाग रह जाए तो इसे हटाने के लिए आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें। इसे पहले पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। फिर स्पंज से कांच के बर्तनों पर इसे लगाकर घिसें। ऐसा करने से कांच पर स्क्रैच नहीं आता है। अब साफ पानी से धोने के बाद इसे साफ कपड़े से पोछकर अच्छे से स्टोर कर लें।

ये तरीका भी है जबरदस्त

यदि आपके पास विनेगर और बेकिंग सोडा नहीं है, तो आप कांच के बर्तनों को चमकाने के लिए चाय पत्ती के पानी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आधा गिलास पानी में 1 चम्मच चायपत्ती को 5 मिनट तक उबाल लें। अब इसमें डिशवॉश को मिलाकर कांच के बर्तनों को स्पंज से धोएं। फिर कांच के बर्तनों को साफ सूती या माइक्रोफाइबर कपड़े से पोछकर स्टोर कर लें।

नींबू के रस से बढ़ाएं बर्तनों की चमक

कांच के बर्तनों की चमक को शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए इसपर नींबू का रस भी रगड़ सकते हैं। इसके लिए नींबू को बीच से काटकर छिलका समेत कांच पर रगड़ें और फिर साफ पानी से धोकर स्टोर कर लें।

साइलेंट किलर कोलेस्ट्रॉल-शुगर को एक साथ खत्म करेंगे घर में रखे मेथी दाने

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर लेवल बढ़ना दोनों ही शरीर के लिए खतरनाक स्वास्थ्य समस्याएं हैं। आजकल अधिकतर लोग इन दोनों गंभीर रोगों से पीड़ित हैं। एक तरह जहां कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा होता है, वहीं ब्लड शुगर लेवल बढ़ने से ज्यादा प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना और आंखों की रोशनी पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो हाई ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल आपके लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इन्हें साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि इनसे पीड़ित लोगों का शरीर धीरे-धीरे अंदर से खोखला होता रहता है। ध्यान रहे कि डायबिटीज का कोई इलाज नहीं है इसलिए ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखना जरूरी है। हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड शुगर लेवल को एक साथ कुछ घरेलू उपायों से ठीक किया जा सकता है। चलिए जानते हैं इसका एक आसान घरेलू उपाय क्या है।

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर का घरेलू उपाय

अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं और आपका ब्लड शुगर लेवल हमेशा बढ़ा रहता है, तो पूरे चांस हैं कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ सकता है। कुछ घरेलू नुस्खों के जरिए बढ़े हुए शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को मेंटेन कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल-शुगर के लिए घरेलू उपाय

आपको क्या-क्या चाहिए

1 गिलास पानी
1 चम्मच मेथी के दाने
1 चम्मच धनिया के बीज

कैसे तैयार करें मिश्रण

एक बड़ा बर्तन लें और उसमें एक गिलास पानी डालकर गर्म कर लें

गर्म पानी में ऊपर बताई सभी चीजें डालकर उबाल लें

एक गिलास पानी जब आधा रह जाए तो आप उसे छान लें

ऐसे करें सेवन

इस पानी को आपको सुबह नाश्ता करने से आधा या पौना घंटा पहले पीना चाहिए। बेहतर रिजल्ट के लिए इस नुस्खे को कम से कम एक महीना ट्राई करें। यह बहुत ही प्रभावी तरीके से आपके शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में आपकी मदद कर सकता है।

कंप्यूटर पर काम करने से 50% लोगों को पीठ दर्द : बचने के लिए काम के बीच में ब्रेक, स्ट्रेचिंग और टहलना जरूरी

कंप्यूटर पर लंबे समय तक काम करने से पीठ या गर्दन में होने वाला दर्द को इग्नोर नहीं किया जाना चाहिए। पश्चिम के देशों ने इसे 'ऑनलाइन स्पाइन' का नाम दिया है। अमेरिका में कंप्यूटर पर काम करने वाले 2 हजार लोगों पर किए गए शोध में पता चला कि ज्यादा देर तक कंप्यूटर के आगे बैठे रहना गर्दन और पीठ दर्द के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

काम करने की जगह का आकलन

मैसाचुसेट्स में शारीरिक चिकित्सा के एक्सपर्ट एडवर्ड वेई ने कहा कि सबसे पहले काम करने की जगह, चाहे ऑफिस में है या

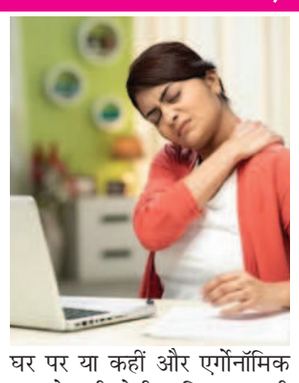

घर पर या कहीं और एर्गोनॉमिक रूप से सही होनी चाहिए। आपकी दोनों बाजू सही एंगल पर और स्क्रीन आंखों के स्तर पर होनी चाहिए।

ब्रेक लो और घूमो-फिरो

मेयो क्लिनिक में शारीरिक चिकित्सा की सहायक प्रोफेसर कारा प्राइडॉक्स का कहना है कि अगर आप 'ऑनलाइन स्पाइन' से निपटने की संभावनाओं को कम करना चाहते हैं, तो हर आधे घंटे में उठने और चलने के लिए एक टाइमर सेट करें। भले ही कुछ मिनटों के लिए, कोई भी गतिविधि किसी भी गतिविधि न होने से बेहतर है।

दर्द होने पर स्ट्रेच करें

'एवरी बॉडी योगा' की लेखिका जेसामिन स्टैनली ने कहा कि आपकी पीठ और कंधे दर्द करने लगे हैं तो सिम्पल स्ट्रेचिंग आजमाएं। इन्हें आप बैठे-बैठे भी कर सकते हैं। पीठ, कंधे और गर्दन दर्द के लिए अलग-अलग स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज की जा सकती है।

गर्दन, कंधों और पूरी पीठ को प्रभावित कर सकता है

लोअर बैक का दर्द कई कारणों से होता है। लेकिन,'ऑनलाइन स्पाइन' यानी की कंप्यूटर से संबंधित पीठ दर्द फोन और टैबलेट को देखने से होने वाले तनाव 'टेक नेक' से विपरीत है। इस तरह का दर्द गर्दन, कंधों और पूरी पीठ को प्रभावित कर सकता है।

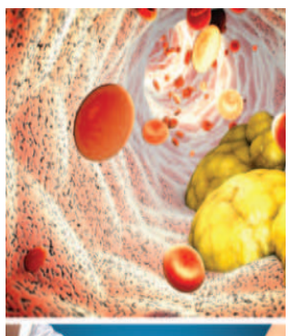

पैकेट वाला दूध, शहद ,मसालें से लेकर तकिया-गद्दे, जूते भी होते हैं एक्सपायर

क्या शहद सच में एक्सपायर नहीं होता? दूध का पाउच कितने हफ्ते तक फ्रिज में रख सकते हैं? अक्सर लोग इन सवालों से जूझते मिल जाते हैं। लेकिन, इनमें से अधिकतर लोगों को यह नहीं पता कि सिर्फ खाने-पीने की चीजें और दवाएं, मेकअप का सामान ही नहीं, बल्कि जूते, बिस्तर और गैजेट्स तक एक्सपायर होते हैं। यहां तक कि कंडोम की भी एक्सपायरी डेट होती है। इस डेट के बाद इन चीजों का इस्तेमाल करना भारी पड़ सकता है।

एक्सपायरी डेट से पहले भी खराब हो सकता है कंडोम

कुछ समय पहले एक फिल्म आई, 'कहानी रबर बैंड की', जिसमें दिखाया गया कि कपल संबंध बनाते हैं, लेकिन कंडोम यूज करने के बाद भी पत्नी प्रेग्नेंट हो जाती है। पति-पत्नी कंडोम बनाने वाली कंपनी पर केस कर देते हैं। बाद में पता चलता है कि कंडोम एक्सपायर हो चुका था, जिसकी वजह से यह गड़बड़ी हुई।

फिल्म की तरह ही असल जिंदगी में भी अधिकतर लोगों को नहीं पता होता कि कंडोम भी एक्सपायर होता है। इस फिल्म को बनाने की एक वजह ऐसे लोगों को जागरूक करना भी था। डॉक्टर बताते हैं कि आमतौर पर कंडोम की एक्सपायरी डेट 2 से 5 साल तक होती है। लेकिन, गर्मी और धूप लगने पर वह एक्सपायरी डेट से पहले भी खराब हो सकता है।

ऐसे कंडोम संबंध बनाते वक्त फट सकते हैं। उसमें यूज किए गए स्पर्मीसाइड जैसे केमिकल का भी असर खत्म हो जाता है। जिससे गर्भ ठहरने के साथ ही सेक्शुअली फैलने वाली बीमारियां हो सकती हैं।

शहद के पैकेट पर 'बेस्ट बिफोर' और दूध पर 'यूज बाय डेट' क्यों?

खाने-पीने की चीजें एक वक्त के बाद खराब होने लगती हैं। इनमें से कुछ की क्वॉलिटी पर असर पड़ता है, तो कुछ जहरीली हो जाती हैं। इसलिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने पैकेजिंग पर 'एक्सपायरी डेट', 'बेस्ट बिफोर' और 'यूज बाय डेट' लिखने के निर्देश दिए हैं। शहद के बारे में जानने से पहले इनमें अंतर समझें:

बेस्ट बिफोर डेट: इस तारीख से पहले तो प्रोडक्ट की क्वॉलिटी बढ़िया रहेगी, लेकिन इसके बाद उसके स्वाद, गंध और पोषक तत्वों में कमी आ सकती है। जिस चीज की बेस्ट बिफोर डेट बीत गई, उसे इस्तेमाल तो कर सकते हैं, लेकिन अच्छी तरह से जांच-परखकर। फ्रोजन फूड के पैकेट पर यही तारीख होती है।

एक्सपायरी या यूज बाय डेट: अगर किसी चीज पर इन दोनों में से कोई डेट पड़ी है, तो उस तारीख तक प्रोडक्ट यूज कर लें, उसके बाद इस्तेमाल करना सेफ नहीं है। फिर भले ही वह अच्छा दिख रहा हो। यह तारीख दूध, ब्रेड जैसी जल्दी खराब होने वाली चीजों के पैकेट पर लिखी जाती हैं।

शहद कभी खराब नहीं होता?

इंसान साढ़े 5 हजार साल से शहद खा रहा है। इजिप्ट के प्राचीन पिरामिड में भी शहद मिला। आयुर्वेद में भी इसके ढेरों गुण बताए गए हैं। कहते हैं कि शहद कभी खराब नहीं होता, उसकी कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। लेकिन, अगर यह सच है तो फिर शहद के डब्बे पर 'बेस्ट बिफोर डेट' क्यों लिखी जाती है?

डॉ. कहते हैं कि यह सच है कि शुद्ध शहद को ठीक से रखा जाए तो वह जल्दी खराब नहीं होता। उसमें 80 फीसदी शुगर और सिर्फ 18 फीसदी नमी होती है। शहद के ऐसे गुणों की वजह से उसमें बैक्टीरिया नहीं पनप पाते। लेकिन, आजकल शुद्ध शहद मिलना मुश्किल है। बाजार में मिलावटी शहद की भरमार है।

कंपनियां भी प्रिजर्वेटिव और प्रोसेस्ड शहद बेच रही हैं, जो एक वक्त के बाद खराब होने लगता है। इसीलिए शहद के पैकेट पर 'बेस्ट बिफोर' की तारीख डाली जाती है, एक्सपायरी डेट नहीं। यानी, उस तारीख तक शहद की क्वॉलिटी अच्छी रहेगी। उसके बाद कोई गारंटी नहीं।

दूध का पाउच फ्रीजर में जमाकर रखना कितना सही?

बहुत से लोग एक बार में दूध के कई पाउच ले आते हैं, फिर उसे फ्रीजर में रख देते हैं, जहां वह जम जाता है। फिर इसे हफ्तों तक इस्तेमाल करते रहते हैं। वह सोचते हैं कि दूध फटा नहीं, तो अच्छा है। लेकिन, यह मिथ है। पॉश्चराज्ड दूध की शेल्फ लाइफ 2-3 दिन ही होती है। इसीलिए उसके पाउच पर 'यूज बाय' वाली तारीख डाली जाती है। दूध के पाउच को बिना खोले तुरंत फ्रीजर में जमा देने से उसे 4-5 दिन तक तो रख सकते हैं, लेकिन उससे ज्यादा नहीं। फ्रीजर साफ हो, उसमें दूध के साथ मछली, मीट और ऐसी कोई चीज नहीं होनी चाहिए, जिससे बैक्टीरिया के इंफेक्शन का खतरा हो।

जमे दूध को पिघलाने के लिए बाहर कमरे या गर्म पानी में न रखें। इससे वह तुरंत खराब होने लगेगा। उसे फ्रीजर से निकाल कर रेफ्रिजरेटर के अंदर ही रख दें, वह पिघल जाएगा। हालांकि, फ्रीजर में जमाने के बाद भी दूध के खराब न होने की गारंटी नहीं ली जा सकती।

हर साल बदलें सब्जी काटने वाला बोर्ड

खराब सामान से ऐसे बचें

हर सामान पर परमानेंट मार्कर से उसकी एक्सपायरी डेट लिख दें।

जो सामान पहले आए, उसे पहले इस्तेमाल करने का नियम बनाएं।

दवा हो या फिर खाना, पैकेट खुलने के बाद उसे ज्यादा दिन न रखें।

खाने की चीजें एयर टाइट डब्बे में रखें। जहां नमी, फफूंद न पहुंचे।

नियमित तौर पर घर में रखी चीजों की एक्सपायरी डेट चेक करते रहें।

किसी चीज के स्वाद, गंध में अंतर महसूस हो, तो उसे तुरंत फेंक दें।

आजकल अधिकतर घरों में लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड पर सब्जियां काटी जाती हैं। बोर्ड पर चाकू के कट लगने से दरारें बनने लगती हैं। जिसमें ई-कोलाई जैसे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो डायरिया, दस्त और कई दूसरी बीमारियों की वजह बनते हैं।

500 किमी दौड़ने के बाद जूते और 6 महीने में मोजे हो जाते हैं एक्सपायर

अगर आप रोज रनिंग करते हैं, तो 6 महीने या फिर 500 किमी दौड़ने के बाद जूते बदल दें। क्योंकि, इसके बाद जूतों का कुशन खराब होने लगता है। वे ढीले पड़ जाते हैं। जिससे जोड़ों पर ज्यादा जोर पड़ता है। इसी तरह, पैरों और प्राइवेट पार्ट्स को हेल्दी रखना है, तो मोजे और इनरवियर भी 6 महीने से ज्यादा नहीं इस्तेमाल करने चाहिए। पुराने होने पर ये घिसने लगते हैं, उनपर दाग पड़ जाते हैं, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है।

एक से दो साल में तकिया और 5 साल में गद्दे होते खराब

तकिया और गद्दे पर त्वचा से निकलने वाला ऑयल, डेड स्किन, बाल, धूल और गंदगी जमती जाती है। उनमें बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं। जिससे स्किन एलर्जी का खतरा पैदा हो जाता है। पुराने पड़ने पर ये सख्त होने लगते हैं, जिससे शरीर में अकड़न और दर्द होने लगता है। इसलिए ज्यादा पुराने गद्दे-तकिया न इस्तेमाल करें।

बाथरूम में यूज होने वाली 4 चीजें, जिनकी एक्सपायरी डेट लोग नहीं जानते

1. टूथब्रशः लोग इस कदर टूथब्रश घिसते हैं कि कई बार तो उसके आधे ब्रिसल्स ही गायब हो जाते हैं, जबकि ही 3 महीने में टूथब्रश बदल देना चाहिए। इसके बाद वह दांतों को नुकसान पहुंचाने लगता है।

2. डिस्पोजेबेल रेजरः लोग टूथब्रश की तरह ही रेजर भी जमकर इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, ऐसे रेजर 5 बार से ज्यादा यूज नहीं करने चाहिए, क्योंकि इनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं और ब्लेड की धार खत्म होने लगती है। जिससे संक्रमण हो सकता है।

3. तौलियाः एक साल यूज करने के बाद तौलिया घिसने लगते हैं। उनमें नमी बनी रहती है और धोने के बाद भी गंध आती है। इस गंध का मतलब है कि तौलिये में बैक्टीरिया डेरा जमा चुके हैं, जिसे तुरंत बदल देना ही बेहतर है।

4. लूफाः इसे हर हफ्ते बदल देना चाहिए। नहाने के दौरान लूफा में डेड स्किन और गंदगी जमती जाती है और जो जर्म्स के लिए खाद-पानी का काम करती है।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और गैजेट्स भी होते हैं एक्सपायर

इलेक्ट्रॉनिक आइटम और गैजेट्स भी एक्सपायर होते हैं। इनमें इस्तेमाल हुए मेटल, प्लास्टिक समय के साथ खराब होती जाती है। इसी वजह से इनकी पैकेजिंग पर मैन्युफैक्चरिंग डेट डालनी जरूरी है। पुराने कंप्यूटर, मोबाइल से लेकर घरों में लगे उपकरण या तो यूज करने बंद कर देने चाहिए या फिर मैकेनिक से उनकी मरम्मत करा लेनी चाहिए। वायरिंग में यूज हुए तार गलने लगते हैं। जिससे करंट और आग का खतरा बना रहता है। मोबाइल की बैटरी फट सकती है।

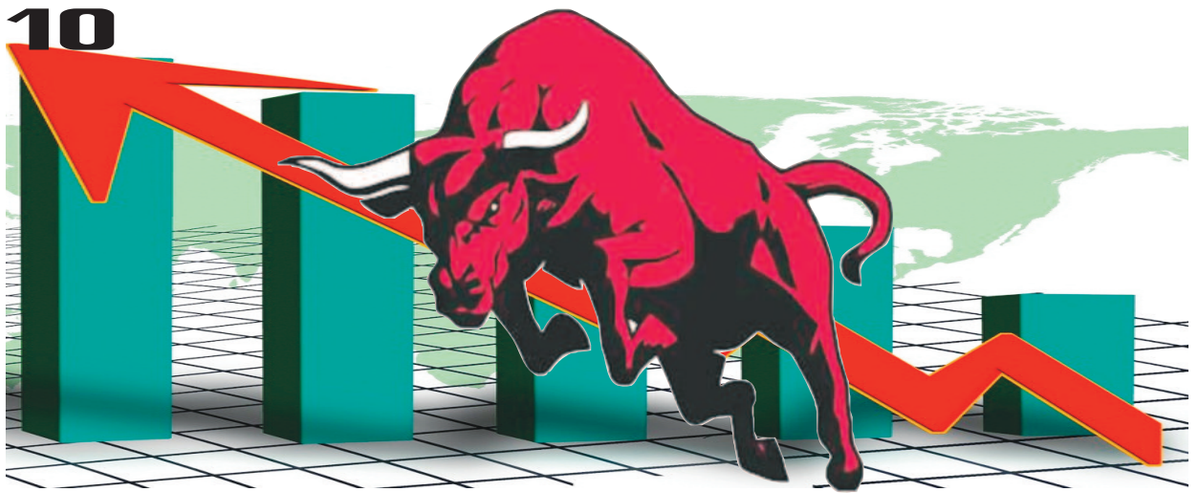

दवाई असली है या नकली, जानने के लिए झटपट लाभ लें नई सुविधा का

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। क्या आपको भी कभी लगता है कि आपने जो दवा ली है वो नकली तो नहीं है? अब इस तरह के डर से आपको छुटकारा मिल जाएगा क्योंकि केंद्र सरकार ने आज से 300 दवाओं पर क्यूआर कोड लगाने का आदेश दे दिया है जो लागू हो गया है। भारत के ड्रग्स कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया ने फार्मा कंपनियों को सख्त आदेश दे दिए हैं। इसके मुताबिक देश के टॉप 300 दवाओं के ब्रांड को अपनी दवाओं पर क्यूआर कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य हो गया है जिसको स्कैन करके आप अपनी दवा के बारे में काफी कुछ पता लगा सकेंगे।

कौन-कौन सी दवाएं हैं शामिल

इन टॉप 300 दवाओं के ब्रांड में एलिग्रा, शेलकेल, काल्पोल, डोलो और मेफ्टेल जैसी दवाओं के नाम शामिल हैं। भारत के ड्रग्स कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया ने दवा कंपनियों को साफ तौर पर कह दिया है कि इन बार कोड या क्यूआर कोड को लगाने से चूकने के बाद दवा कंपनियां बड़े जुर्माने के लिए तैयार रहें क्योंकि इसके अभाव में उन्हें पेनल्टी के दायरे में लाया जाएगा।

क्यूआर कोड के जरिए क्या-क्या पता होना चाहिए?

यूनिक प्रोडेक्ट आइडेंटिफिकेशन कोड के जरिए दवा का प्रॉपर और जेनरिक नाम, ब्रांड का नाम, मैन्यूफैक्चरर का नाम और पता, बैच नंबर, मैन्यूफैक्चरिंग की तारीख, दवा की एक्सपायरी की तारीख और मैन्यूफैक्चरर का लाइसेंस नंबर सब कुछ पता चल जाना चाहिए।

क्यों लेना पड़ा सरकार को ये फैसला?

केंद्र सरकार ने देश में बढ़ रहे नकली दवाओं के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए और इनको रोकने के लिए ये कदम उठाया है। दरअसल केंद्र सरकार ने पिछले साल नवंबर 2022 में ऐसा कदम उठाने की जानकारी दी थी। इसके तहत ही कुछ समय पहले इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया था और आज 1 अगस्त से इसे लागू कर दिया गया है। इसे लागू करने के लिए सरकार ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 में संशोधन किया है और इसके जरिए दवा कंपनियों को अपने ब्रांड पर H2/QR लगाना अनिवार्य कर दिया है।

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल के घर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल के घर ईडी का छापा पड़ा है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व खुफिया नदिशालय मामले की जानकारी लेने के बाद ईडी ने हीरो मोटोकॉर्प के अध्यक्ष पवन मुंजाल के आवास पर छापेमारी की है। गौरतलब है कि डीआरआई ने हाल ही में पवन मुंजाल के एक करीबी सहयोगी को अघोषित विदेशी मुद्रा के एक मामले में पकड़ा था।

इन दो स्थानों पर ली गई तलाशी

अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन मुंजाल और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ छापेमारी की है। पीएमएलए के प्रावधानों के अनुसार दिल्ली और पड़ोसी गुरुग्राम स्थित परिसरों में तलाशी ली गई है। ईडी की छापेमारी की खबर के बाद करीब 1।30 बजे हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों में करीब 4 फीसदी की गिरावट देखी गई और यह 3,083 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

आयकर विभाग के बाद एमसीए करेगा जांच

मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू ऑटोमोबाइल प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प सरकार के रडार पर है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने कंपनी के खिलाफ जांच शुरू की है। यह जांच हीरो मोटोकॉर्प के कुछ ट्रांजेक्शन में आयकर विभाग की ओर से की गई पूर्व जांच के बाद शुरू की गई है।

एमसीए पैसों के हेरफेर की करेगा जांच

रॉयटर्स के अनुसार, एमसीए पैसों के हेरफेर से रिलेटेड मामले में थर्ड पार्टी वेंडर के साथ कंपनी के संबंधों का आकलन करेगा और इसकी ओनशिप स्ट्रक्चर की भी जांच करेगा। ईडी का छापा भी इसी मामले को लेकर हो सकता है।

सोना हो गया है सस्ता, चांदी के भी खूब घटे दाम, लेटेस्ट रेट्स

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप सोने और चांदी की खरीदारी करना चाहते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। आज सोने के दाम में तो गिरावट आई ही है, चांदी भी खूब सस्ती होकर मिल रही है। देश के कमोडिटी बाजार में सोना और चांदी के दाम में कमजोरी के चलते आम खरीदारों के लिए अच्छा मौका बन रहा है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कैसे हैं सोने के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर सोना आज करीब 350 रुपये से ज्यादा की गिरावट के साथ बिक रहा है। सोने के दाम में आज 377 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट देखी जा रही है। सोना 0.63 फीसदी की गिरावट के साथ 59705 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने के ये दाम इसके अक्टूबर वायदा के लिए हैं। नीचे में सोना 59705 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था और ऊपर में इसके दाम 59930 रुपये तक गए थे।

चांदी के दाम भी खूब गिरे

एमसीएक्स पर चांदी के दाम में भी भरपूर गिरावट देखी गई है और ये 600 रुपये तक टूटी है। आज चांदी के दाम 600 रुपये या 0.80 फीसदी की गिरावट के साथ 74827 रुपये प्रति किलो तक आ गए हैं। चांदी के ये दाम इसके सितंबर वायदा के लिए हैं। चांदी में आज 74750 रुपये तक के निचले स्तर देखे गए थे और 75330 रुपये तक के ऊपरी स्तर पर भी ये जा चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी खूब गिरे सोने के दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोना भरपूर गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है और 15 डॉलर प्रति औंस से ज्यादा की गिरावट के साथ बना हुआ है। कॉमैक्स पर गोल्ड दिसंबर फ्यूचर्स 1,993.25 डॉलर प्रति औंस पर है और इसमें 15.95 डॉलर प्रति औंस की गिरावट बनी हुई है। प्रतिशत में देखें तो ये गिरावट 0.79 फीसदी की है।

ग्लोबल बाजार में भी चांदी फिसली

ग्लोबल बाजार में भी चांदी के दाम में गिरावट देखी जा रही है और ये 1 फीसदी से ज्यादा टूटकर कारोबार कर रही है। कॉमैक्स पर चांदी 1.10 फीसदी की गिरावट के साथ 24.698 डॉलर प्रति औंस के रेट पर बिक रही है।

ब्लैक मनी मामले में अश्नीर ग्रोवर को राहत नहीं

दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आज अश्नीर ग्रोवर को इनकम टैक्स मामले में कोई राहत नहीं दी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने अश्नीर ग्रोवर की वो अर्जी खारिज कर दी है जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ जारी इनकम टैक्स नोटिस को चुनौती दी थी। अश्नीर ग्रोवर को ब्लैक मनी एक्ट के सेक्शन 8 के तहत आयकर विभाग ने 29 मई 2023 को इनकम टैक्स नोटिस जारी किया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने क्या कहा

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा था कि भारतपे के पूर्व प्रबंध निदेशक अश्नीर ग्रोवर ने जो याचिका दायर की है, या तो उसे स्वैच्छिक रूप से वापस ले लिया जाए या फिर अदालत को इसे खारिज करना होगा। इसके बाद अश्नीर ग्रोवर की ओर से इस नोटिस के खिलाफ दायर अर्जी पर आगे कार्यवाही ना करने की मंशा के मद्देनजर इसे 'वापस ले लिया गया' मानकर खारिज कर दिया गया है।

अश्नीर ग्रोवर को जारी किया गया था नोटिस

मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने ये निर्देश दिया है और अदालत की कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया गया है। ब्लैक मनी (अनडिस्कलोज्ड फॉरेन इनकम एंड ऐसेट्स) एंड इंपोजीशन ऑफ टैक्स एक्ट 2015 के तहत ये मामला चल रहा है और इसके अंतर्गत ही अश्नीर ग्रोवर को ये इनकम टैक्स नोटिस जारी किया गया था। बता दें कि अश्नीर ग्रोवर ने ये याचिका केंद्रीय गृह मंत्रालय, केंद्रीय वित्त मंत्रालय और इनकम टैक्स विभाग के डिप्टी डायरेक्टर के खिलाफ दायर की थी।

अश्नीर ग्रोवर ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी टैक्स की कड़ी आलोचना की थी

कुछ दिन पहले भारतपे के को-फाउंडर अश्नीर ग्रोवर ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी की दर से टैक्स लगाने के जीएसटी काउंसिल के फैसले की कड़ी आलोचना की थी। इस दौरान वो ये भी कह गए कि इस समय स्टार्टअप फाउंडर्स को राजनीति में सक्रिय रूप से प्रवेश करना होगा और अपने उचित रीप्रेसेंटेशन को सुनिश्चित करना होगा वर्ना सरकार अन्य उद्योगों के साथ भी ऐसा ही करेगी।

जुलाई 2023 में 1.65 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा जीएसटी कलेक्शन

5वीं बार 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जुलाई 2023 में 1,65,105 करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्शन रहा है जो कि जुलाई 2022 के मुकाबले 11 फीसदी ज्यादा है। जब से जीएसटी अस्तित्व में आया है उसके बाद से ये लगातार पांचवा मौका है जब जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है। जीएसटी कलेक्शन में 29,773 करोड़ रुपये सीजीएसटी, एसजीएसटी 37,623 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 85,930 करोड़ रुपये रहा है जिसमें 41,239 करोड़ रुपये गुड्स के इंपोर्ट से वसूला गया है। और सेस के जरिए 11,779 करोड़ रुपये की वसूली की गई है जिसमें 840 करोड़ रुपये गुड्स के इंपोर्ट से वसूली हुई है।

वित्त मंत्रालय ने जीएसटी कलेक्शन के डेटा जारी करते हुए बताया कि सरकार मे आईजीएसटी से सीजीएसटी के मद में 39,785 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के मद में 33,188 करोड़ रुपये सेटल किया है। रेग्युलर सेटलमेंट के बाद जुलाई 2023 में केंद्र का सीजीएसटी से रेवेन्यू 69,558 करोड़ रुपये और राज्यों का एसजीएसटी से रेवेन्यू 70,811 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई 2022 के मुकाबले जुलाई 2023 में जीएसटी कलेक्शन में 11 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। जुलाई में घरेलू ट्रांजैक्शन जिसमें सर्विसेज का इंपोर्ट भी शामिल है उससे होने वाले रेवेन्यू में बीते वर्ष के समान महीने के मुकाबले 15 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। जुलाई 2023 में जीएसटी कलेक्शन जहां 1,65,105 करोड़ रुपये रहा है जो जून 2023 से ज्यादा है।

जून में जीएसटी कलेक्शन 1.61.497 करोड़ रुपये रहा था। जबकि मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 के पहले महीने अप्रैल 2023 में जीएसटी का रिकॉर्ड कलेक्शन देखने को मिला था अप्रैल 2023 में 1,87,035 करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्शन रहा था। 2 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग को लेकर कानून पर चर्चा करने के लिए जीएसटी काउंसिल की बैठक भी होने वाली है।

पूरे दिन उठापटक के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

आईटी सेक्टर के स्टॉक्स में निवेशकों की खरीदारी

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार के कारोबार सत्र में भारतीय शेयर बाजार उठापटक देखने को मिला है। बाजार पूरे दिन के कारोबारी सत्र में कभी लाल तो कभी हरे निशान में कारोबार करता नजर आया। ज्यादातर सेक्टरों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। बाजार को केवल आईटी सेक्टर का सहारा मिला है। आज के कारोबार के खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 69 अंकों की गिरावट के साथ 66,459 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 20 अंकों की गिरावट के साथ 19,735 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में आईटी इंडेक्स में तेज उछाल देखने को मिला है। आईटी स्टॉक्स की खरीदारी के चलते निफ्टी आईटी 360 अंकों के उछाल के साथ 30,288 अंकों पर बंद हुआ है। इसके अलावा फार्मा, , मेटल्स और कमोडिटी स्टॉक्स में भी तेजी देखने को मिली है। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी तेजी रही।

जबकि बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया, एनर्जी , इंफ्रा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 शेयर तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 23 शेयर तेजी के साथ और 27 गिरावट के साथ बंद हुए।

31 जुलाई तक 88 फीसदी 2,000 रुपये के नोट बैंकिंग सिस्टम में लौटे, 3.14 लाख करोड़ रुपये के नोट हुए डिपॉजिट

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। आरबीआई ने बताया है कि 31 जुलाई 2023 तक 2000 रुपये के कुल 88 फीसदी नोट्स बैंकिंग सिस्टम वापस लौट चुके हैं. आरबीआई के मुताबिक 19 मई 2023 तक कुल 3.56 लाख करोड़ रुपये के 2,000 रुपये के नोट्स सर्कुलेशन में थे. और 31 जुलाई 2023 तक 3.14 लाख करोड़ रुपये के 2000 रुपये के नोट बैंकों में वापस आ चुका है. अब 42000 करोड़ रुपये के नोट केवल सर्कुलेशन में बचा हुआ है. 30 सितंबर 2023 2,000 के नोट जमा करने या एक्सचेंज करने की आखिरी तारीख है. आरबीआई ने 2000 रुपये नोटों को लेकर स्टेटस जारी किया है. सेंट्रल बैंक ने कहा कि 19 मई, 2023 को आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने का ऐलान किया था. 31 मार्च 2023 तक कुल 3.62 लाख करोड़ रुपये के 2,000 रुपये के नोट सर्कुलेशन में मौजूद था जो 19 मई 2023 को घटकर 3.56 लाख करोड़ रुपये रह गया।

देश में विनिर्माण की रफ्तार धीमी

लगातार दूसरे महीने मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई में गिरावट

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। देश में विनिर्माण यानी मैन्यूफैक्चरिंग की रफ्तार हल्की धीमी पड़ती दिखाई दे रही है। एसएंडपी ग्लोबल के एक हालिया सर्वे के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र के पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई का आंकड़ा जुलाई में 57.7 पर रहा है। लगातार दूसरे महीने मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई में गिरावट दर्ज की गई है और पिछले महीने यानी जून में ये घटकर 57.8 पर रहा था।

जून में कितना रहा था मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई

जून में मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई का आंकड़ा 57.8 पर रहा था वहीं मई में भी मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई डेटा अच्छी तेजी के साथ 58.7 पर रहा था जो कि देश की विनिर्माण गतिविधियों की अच्छी रफ्तार को दिखाता है। वैसे तो मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई का आंकड़ा लगातार 2 साल से 50 के ऊपर के आंकड़े को दिखा रहा है जो कि अच्छा संकेत कहा जा सकता है। एसएंडपी के मुताबिक भी भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में जुलाई में विकास की गति कम होने के कोई संकेत नहीं दिखे क्योंकि नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि के कारण उत्पादन लाइनें चालू रहीं।

क्यों दिखी है इस बार हल्की गिरावट

नए ऑर्डर्स की आमद में हल्की तेजी रही पर आउटपुट में हल्की गिरावट के कारण देश के मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई में मामूली कमजोरी देखी गई है। हालांकि देश में विस्तार गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। एसएंडपी ग्लोबल के हालिया सर्वे के मुताबिक ये निष्कर्ष निकलकर सामने आया है। नए ऑर्डर्स के लिए जुलाई मे माहौल अनुकूल रहा और हालांकि आउटपुट ग्रोथ थोड़ी नरम होकर तीन महीने के निचले स्तर पर दिखी, फिर भी न्यू ऑर्डर्स के मोर्चे पर स्थिति बहुत ज्यादा खराब नहीं रही। इनपुट कीमतें पिछले अक्टूबर के बाद सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी हैं, लिहाजा आउटपुट कीमतों में भी तेजी देखी गई है। हालांकि महंगाई के मोर्चे पर अनिश्चितता को देखते हुए कहा जा सकता है कि इससे पिछले महीने यानी जून के मुकाबले जुलाई में आउटपुट कीमतों का रुख अनुकूल रहा है। देश की रिटेल महंगाई दर जून में 4.81 फीसदी पर आई है और इसके आने वाले महीनों में और तेजी से बढ़ने की आशंका है। इसके चलते ही बाजार इस बात का अनुमान लगा रहा है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अपनी नीतिगत दरों को लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रख सकता है।

कर्ज हुआ महंगा पर नहीं घटा लोन लेने वालों का उत्साह

जून 2023 में कंज्यूमर लोन की मांग में 21% का उछाल

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भले ही होम लोन या कार लोन बीते एक वर्ष में महंगा हुआ हो। लेकिन लोन लेकर घर या कार खरीदने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। बल्कि जून 2023 में तो होम और कार लोन जैसे पर्सनल लोन की मांग में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। इतना ही नहीं एजुकेशन लोन की भी मांग बढ़ी है। अलग अलग ख्वाइशों को पूरा करने के लिए पर्सनल लोन लेने वालों की तादाद भी बढ़ी है। आरबीआई ने बैंकों की तरफ से दिए जाने वाले कर्ज का जो डेटा जारी किया है उसके मुताबिक जून 2023 में होम लोन और कार लोन जैसे कंज्यूमर लोन की मांग में शानदार ग्रोथ देखने को मिला है। आरबीआई ने जून 2023 में बैंकों की तरफ से हर सेक्टर के दिए गए कर्ज का जो डेटा जारी किया है उसके मुताबिक होमलोन और कारलोन जैसे पर्सलन लोन की मांग में 20.9 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। आरबीआई ने 40 चुनिंदा शेड्यूल बैंकों के अलग अलग सेक्टर के दिए गए कर्ज का डेटा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक जून महीने में क्रेडिट ग्रोथ रेट में 16.3 फीसदी का उछाल देखने को मिला है जबकि बीते वर्ष के जून महीने में 15 फीसदी क्रेडिट ग्रोथ रेट देखने को मिला था। हाल ही में आरबीआई ने जो मंथली बुलेटिन जारी किया है उसके मुताबिक हाउसिंग और गैर हाउसिंग जैसे रिटेल लोन की भारी मांग के चलते देश में कर्ज की मांग बढ़ी है। बैंकों के कुल क्रेडिट मांग में पर्सनल लोन का शेयर 2017-18 में 21 फीसदी से बढ़कर 2022-23 में 28 फीसदी पर जा पहुंचा है। आरबीआई के डेटा के मुताबिक कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों को दिए जाने वाले कर्ज में जून 2023 में 19.7 फीसदी का उछाल देखने को मिला है जबकि जून 2022 में 12।9 फीसदी का उछाल देखने को मिला था। उद्योगों को दिए जाने वाले कर्ज में जून 2023 में 8.1 फीसदी का उछाल देखने को मिला है जबकि जून 2022 में 9.5 फीसदी क उछाल देखने को मिला था। सर्विस सेक्टर के दिए जाने वाले कर्ज में 26.7 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। जबकि वर्ष जून 2022 में 12.8 फीसदी का ग्रोथ रेट देखने को मिला था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	22-53 बजे
चंद्र-	मकर	में	वृष--	00-37 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	02-39 बजे
बुध-	सिंह	पें	कर्क...	03-50 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	07-03 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	09-09 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	11-14 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-24 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	15-38 बजे
			मकर..	17-45 बजे
			कुंभ...	19-35 बजे
			मीन ..	21-13 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-59
सूर्य अस्त- 18-45
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल .. उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - 20 -05 तक उपरान्त द्वितीया
मास - अ.श्रावण कृष्ण पक्ष , बुधवार 02 August
नक्षत्र - श्रवण - 12-58 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - आयुष्मान - 14 - 32 - तक उप सौभाग्य
करण- बालव - 10 -03 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पंचक रात-23-26 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:22 से 13:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:59 - 07:33 शुभ	उत्पात	18:49 - 20:12 अशुभ
अमृत	07:33 - 09:10 शुभ	शुभ	20:12 - 21:35 शुभ
काल.	09:10 - 10:46 अशुभ	अमृत	21:35 - 22:59 शुभ
शुभ.	10:46 - 12:22 शुभ	चंचल	22:59 - 00:22 शुभ
रोग	12:22 - 13:59 अशुभ	रोग	00:22 - 01:46 अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:35 अशुभ	काल	01:46 - 03:10 अशुभ
चंचल	15:35 - 17:11 शुभ	लाभ	03:10 - 04:33 शुभ
लाभ	17:11 - 18:45 शुभ	उत्पात	04:33 - 05:59 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके स्वास्थ्य का ध्यान रखे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें ।इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे ,पो,)

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं। यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दृष्चक्र में फंसा हुआ महसुस करेंगे । अपनी प्राथमिकताएं तय करे।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पालतू और सड़क के कुत्ते बने जान के दुश्मन

पेट्स पालने के क्या हैं नियम? काटने पर तुरंत दें फर्स्ट एड

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। झारखंड की राजधानी रांची में कुत्तों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि रोजाना करीब 130 लोगों को काट रहे हैं। यह रिकॉर्ड रांची सदर हॉस्पिटल के एंटी रेबीज डिपार्टमेंट में दर्ज आंकड़ों से सामने आया है। 30 दिनों में 4050 लोग कुत्तों के शिकार बने हैं। जबकि करीबन 60% लोग पालतू कुत्ते के काटने का शिकार हुए हैं। इस तरह की कई घटनाएं देशभर में आए दिन हो रही हैं। आइए जानते हैं कि पालतू जानवरों को पालने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और सड़क के कुत्तों से बचने के लिए क्या करना चाहिए।

मौसम बदलने से कुत्ते खूंखार हो जाते हैं। पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवानंद कांशी ने बताया कि जून से अगस्त के बीच कुत्तों के प्रजनन का भी समय होता है। बरसात में उनमें हार्मोनल चेंजेज होते हैं। इससे वे आक्रामक हो जाते हैं। उनकी भावनात्मक स्थिति न समझने पर कई बार वे हिंसक भी हो जाते हैं।

घर, बिल्डिंग या किसी भी जगह पालतू कुत्ता दिखे तो उसे डील करने के लिए कुछ प्वाइंट्स में समझते हैं। कुछ लोग कहीं भी किसी पालतू कुत्ते को देखकर कहते हैं कि ओ मॉय गॉड, द डॉग इज सो क्यूट और तुरंत उसके पास चले जाते हैं। उसके माथे को सहलाते हैं। ऐसा बिल्कुल भी न करें। पहले मालिक से पूछ लें कि उनका कुत्ता फ्रेंडली है या नहीं। लिफ्ट में या किसी भी जगह पर कुत्ते को देखकर अचानक उछले-कूदें या भागने की कोशिश न करें। कुत्ते को टहलाने या घुमाने कोई मजबूत इंसान जाएं। घर के बच्चे या बुजुर्ग के सहारे अपने पालतू कुत्ते को बाहर न भेजें। दूसरों को पालतू कुत्ता न काटे, इसका ख्याल कुत्ते के मालिक को रखना होगा। मालिक अपने कुत्ते को सोशल रहने की ट्रेनिंग दें। उसे घुमाएं-फिराएं, लोगों से बातचीत करवाएं। ताकि जब वो किसी भी अंजान से मिले, तो डर के काटने की कोशिश न करे। कुत्ते को घुमाने ले जाएं, लिफ्ट में ले जाएं या कहीं भी ले जाएं, तो उसके मुहं को कवर करके रखें और ऐसे बांधे कि वो छूटे नहीं। मालिक कुत्ते को अपने करीब रखें। उसकी रस्सी को ज्यादा लूज न छोड़ें।

घर पर कुत्ता रखने के लिए, रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी है। कुत्ते को रेबीज का वैक्सीन लगी होनी चाहिए। वैक्सीन लगने के बाद ही कुत्ते का रजिस्ट्रेशन हो पाएगा। इसके लिए दिल्ली वालों को 500 रुपए फीस देनी होती है। डीएमसी एक्ट के अनुसार, कुत्ते का रजिस्ट्रेशन एक साल के लिए मान्य होता है। एक साल बाद मालिक को अपने कुत्ते का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराना पड़ता है।

इसी तरह से नोएडा ऑथोरिटी ने कुत्ते के काटने के मामले बढ़ने पर पालतू कुत्ता पालने वालों के लिए सख्त नियम बनाए हैं।

पालतू कुत्तों या बिल्लियों का रजिस्ट्रेशन जरूरी है। रजिस्ट्रेशन नहीं कराने पर जुर्माना लगाया जाएगा। पालतू कुत्तों की नसबंदी या एंटीरेबीज टीकाकरण भी जरूरी कर दिया गया है, जबकि उल्लंघन करने पर हर महीने 2000 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। पालतू कुत्तों की नसबंदी/एंटीरेबीज टीकाकरण अनिवार्य कर दिया गया है। उल्लंघन करने पर 2000 रुपये हर महीने जुर्माना लगाने का प्रावधान है।'

कुत्ता पालते समय इन 4 बातों का रखें ख्याल

कुत्ता पालने के लिए लाइसेंस लेना जरूरी है। अगर आप लाइसेंस नहीं बनवाते हैं तो आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। अगर आप छोटा पपी अपने घर ला रहे हैं तो एक बच्चे की तरह उसे पालें। उसे ह्यूमन फ्रेंडली बनाएं। ताकि वे अजनबी लोगों को देखकर अटैक मूड में न आए। आप जिस भी ब्रीड का कुत्ता पाल रहे हैं उसके बारे में अच्छे से जान लीजिए। पालतू कुत्तों का शुरुआत से ही खाने का समय निर्धारित कर लें। फिर उन्हें हर रोज उसी टाइम पर खाना दें। ताकि उसकी आदत बनी रहे।

अब सड़क के कुत्ते की बात

अब अगर सड़क के कुत्ते या स्ट्रीट डॉग दौड़ाए या काटने की कोशिश करे, तो उससे बचने के लिए दौड़ने या भागने की गलती न करें। कॉन्फिडेंस से वहां से निकलें। अगर कुत्ते अटैक करने की कोशिश करते हैं, तो उन पर जोर चिल्लाएं, लाठी या पत्थर दिखाकर डराएं। ज्यादातर कुत्ते इससे दूर चले जाते हैं। अगर तब भी नहीं जाते हैं, तो दूसरे रास्ते से निकल जाएं या वापस लौट जाएं। यही सुरक्षित तरीका है। थोड़ी देर बाद किसी की मदद लेकर वहां से निकलें।

बाइक-स्कूटी के पीछे कई बार स्ट्रीट डॉग्स ऐसे दौड़ते मानों उनकी आपसे पुरानी दुश्मनी है। ऐसे में आप डरकर गाड़ी की स्पीड तेज न करें। ज्यादा स्पीड से एक्सीडेंट हो सकता है।

आप गाड़ी को धीमी करते हुए कुत्ते को तेज आवाज में हट-हट बोलकर भगा सकते हैं। ऐसा करने पर नॉर्मली कुत्ता शांत हो जाता है और रास्ते से हट जाता है। गाड़ी के हॉर्न से सड़क के कुत्तों को भगाने की कोशिश करें। सुबह की सैर पर निकलने पर आवारा कुत्ते कई बार झपटने लगते हैं। ऐसे में जब भी मॉर्निंग वॉक पर जाएं तो अपने पास एक छोटी छड़ी और सीटी जरूर रखें। छड़ी और सीटी की आवाज से कुत्ते पास नहीं आते। वॉक करते समय अगर ईयरफोन लगाएं हैं तो उसकी आवाज धीमी ही रखें। जिससे कुत्तों का भौंकना सुनाई दे। आवारा कुत्ते अगर रास्ते से न हटे तो उन्हें आंखें बिल्कुल न दिखाएं। इशारा करते हुए हट, भाग जैसे शब्दों को बोलते हुए उसे दूर कर सकते हैं। पानी की बोतल साथ में है तो उसके ऊपर पानी डालकर भगा दें।

घर के बाहर खेलने वाले बच्चों आवारा कुत्तों से खिलवाड़ करते हैं, उन्हें ऐसा करने से मना करें। बच्चों को समझाएं कि कुत्तों को पत्थर, बैट, बॉल बाकी चीजों से मारे नहीं। क्योंकि कई बार खुद का बचाव करने के लिए कुत्ते उन पर अटैक कर सकते हैं। बच्चों को बताएं कि स्ट्रीट डॉग्स और छोटे पिल्लों को छुएं नहीं। उनमें जर्म्स होने की वजह से बच्चों की हेल्थ को नुकसान हो सकता है।

स्ट्रीट डॉग्स सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को अपना दुश्मन क्यों समझते हैं। क्या इनके हिंसक होने की वजह इंसान ही है? तो जवाब है हां, काफी हद तक हम इंसानों की वजह से वे हिंसक हुए है।

सड़कों पर आवारा घूमने वाले कुत्तों को सही तरह से खाना नहीं मिलता। आजकल लोग घरों का वेस्ट मैनजमेंट कूड़ा वाली गाड़ियों में सूखा और गीला कचरा के तौर पर डालते हैं। जिसकी वजह से उन्हें खाना भी नहीं मिल पाता है। पहले लोग सड़क के किनारे, घर के बाहर खाना डाल देते थे, जिससे उन्हें खाना मिल जाता था। हालांकि वो भी तरीका सही नहीं है।

इसी तरह पहले के दिनों में धर्म में विश्वास रखने वाले लोग खाना बनाते समय गाय, कुत्ता और कौए के लिए रोटी निकालते थे। जिससे धर्म की आड़ में ही सही, पर इलाके के कुत्तों को रोज रोटी मिल जाती थी। लेकिन अब धीरे-धीरे व्यस्तता और बदलती जीवनशैली की वजह से ये भी डेली मुमकिन नहीं हो पाता है।

कुत्ते का स्वभाव बदलने पर पढ़ें रिसर्च

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, कोलकाता ने कुत्तों का स्वभाव बदलने पर रिसर्च की है। रिसर्चर अनिंदिता भद्रा कहती हैं- कुत्तों का स्वभाव स्थान, समय और परिस्थिति के हिसाब से बदल जाता है। रिसर्च में आवारा और पालतू कुत्ते दोनों को शामिल किया गया। इसमें कई पहलू निकलकर सामने आए हैं। आवारा कुत्तों की तुलना में पालतू कुत्तों की परवरिश अलग तरह से होती है, जिसका असर उनके स्वभाव पर भी दिखाई देता है।

सड़क के कुत्तों का सामना हर दिन कई इंसानों और जानवरों से होता है। आमतौर पर कुत्ते अपने इलाकों में रहते हैं। वे अपने आसपास रहने वाले इंसानों से पहचान बना लेते हैं। जिन कुत्तों को आप खाना देते हों, प्यार भरा व्यवहार करते हों, वे आपको देखकर पूंछ हिलाने लगते हैं। कुछ दिनों बाद भी आप उससे मिलेंगे तो वह आपको पहचान जाएंगे। वहीं जिन कुत्तों को प्रॉपर खाना नहीं मिलता, वो घूरते हैं। जिन इलाकों में कुत्ते ज्यादा होते हैं और खाना कम मिलता है तो वे आक्रामक ज्यादा हो जाते हैं। कुछ लोग घर के बाहर कुत्ते दिखते ही पत्थर मारने लगते हैं तो इससे आवारा कुत्ते हिंसक हो जाते हैं। आवारा कुत्तों को 1960 के पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा-38 के तहत प्रोटेक्ट किया जाता है। इसके अलावा पशु जन्म नियंत्रण (डॉग्स) नियम, 2001 के अनुसार, कुत्तों को उनके एरिया से हटाया भी नहीं जा सकता है। भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा-428 और 429 के तहत, कुत्तों समेत किसी भी आवारा जानवर को छेड़ना या उसके साथ बुरा व्यवहार करना जुर्म है। इसका मतलब है कि किसी कुत्ते को परेशान करना, मारना कानून की नजर में गलत है। ऐसा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्य कार्रवाई की सकती है।

इसके अलावा अजय सिंह वर्सेज यूनियन ऑफ इंडिया के केस में यह तय किया गया था कि अगर सड़क के कुत्ते काट ले तब उस व्यक्ति को 1 लाख रुपए म्युनिसिपल कॉरपोरेशन और 1 लाख रुपए राज्य सरकार की तरफ से दिया जाएगा। लेकिन आमतौर पर इसे लागू नहीं किया जाता।

कुत्ते के काटने पर बिना देरी किए फर्स्ट एड लेना चाहिए। उसके बाद डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

कुत्ते के काटने के बाद सबसे पहली कोशिश ये करें कि कुत्ते के काटने के बाद ही डॉक्टर के पास जाएं। वैसे कुत्ते के काटने के 24 घंटे के अंदर एंटी रैबीज का इजेक्शन हर हाल में लगवा लेना चाहिए।

कभी-कभी इंजेक्शन लगने के बाद लोगों को बुखार आ जाता है। ऐसे में इसके लिए घबराने की जरूरत नहीं। स्ट्रीट डॉग्स की शिकायत करने के लिए आप अपने शहर की नगर निगम समेत कुछ एनजीओ में कर सकते हैं। एनजीओ रेस्क्यू कर कुत्ते को वैक्सीनेट करते हैं।

बता दें कि पालतू कुत्ते के काटने पर कुत्ते को सजा नहीं होगी। आईपीसी की धारा 289 के मुताबिक, कुत्ते के मालिक या मालकिन को सजा होगी। ज्यादा से ज्यादा 6 महीने की जेल या 1 हजार रुपए का जुर्माना या दोनों हो सकती है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जूनियर डॉक्टर्स

मेकाहारा में पंडाल के नीचे ही मरीजों का चेकअप बोले- इमरजेंसी सेवाओं को भी कर देंगे बंद

रायपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के सबसे बड़े अंबेडकर अस्पताल के जूनियर डॉक्टर्स और पोस्ट पीजी रेजिडेंट्स आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। सुबह से ओपीडी में रहने वाले जूनियर डॉक्टर नहीं हैं उनकी जगह रेगुलर स्टाफ ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इमरजेंसी सेवाओं को हड़ताल से दूर रखा गया है।

स्टाइपेंड और बॉन्ड कम करने की मांग को लेकर ये हड़ताल की जा रही है। जूडा एसोसिएशन के अध्यक्ष के मुताबिक जल्द मांगे नहीं मानी गई तो इमरजेंसी सेवाओं को भी बंद कर दिया जाएगा। पहले दिन अस्पताल आने वाले मरीजों का हड़ताली डॉक्टर्स ने पंडाल में ही चेकअप किया ।

रायपुर के अलावा सरगुजा, कांकेर, जगदलपुर, रायगढ़ और राजनांदगांव के सरकारी मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर्स भी काम बंद कर हड़ताल पर चले गए है। इससे पहले एक हफ्ते तक अपनी मांगों को लेकर जूनियर डॉक्टर्स ने अस्पताल में काली पट्टी लगाकर मरीजों का इलाज किया था। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था जूनियर डॉक्टर्स के ही जिम्मे होती है और इनके हड़ताल पर जाने से सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट मनु प्रताप सिंह ने बताया कि राज्य में जूनियर डॉक्टर्स को मिलने वाला स्टाइपेंड दूसरे राज्यों के मुकाबले बेहद कम है। उन्होंने बताया कि आस-पास के स्टेट एमपी, झारखंड से भी कम स्टाइपेंड प्रदेश के जूनियर डॉक्टर्स को मिलता है। दूसरे प्रदेशों में जहां 95 हजार रुपए तक दिया जाता है।

रायपुर पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय नेता

लाल सिंह आर्य ने अंबेडकर और छत्तीसगढ़ महतारी को किया नमन, पहली बार अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक

रायपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं का जमावड़ा रायपुर में होने जा रहा है। प्रदेश निर्माण के बाद पहली बार अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक प्रदेश में आयोजित की गई है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य रायपुर पहुंचे।

अनुसूचित जाति वर्ग से ताल्लुक रखने वाले इन नेताओं ने सबसे पहले अंबेडकर चौक में भीमराव अंबेडकर और इसके बाद छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को सियासी नमन किया, इस दौरान छत्तीसगढ़ के तमाम नेता मौजूद थे। अनुसूचित जाति वर्ग को साधने ये नेता तेलीबांधा स्थित गुरु घासीदास मंदिर में पूजा करने भी पहुंचे। मंगलवार शाम को इस बैठक में शामिल होने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी रायपुर पहुंचेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय संगठक वी सतीश,

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और मोर्चा प्रभारी सीटी रवि भी बैठक में शामिल होंगे, रायपुर में अन्य राज्यों के मोर्चा प्रदेश प्रभारी सह प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष भी बैठक में शामिल होंगे।

विधानसभा लोकसभा चुनाव को लेकर बनानी है रणनीति

अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक के दौरान विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रणनीति तैयार की जाएगी। राजधानी रायपुर में होने जा रही भाजपा की इस महत्वपूर्ण बैठक में 80 दिग्गज नेता शामिल होंगे, जो देशभर के अलग-अलग राज्यों से रायपुर पहुंच रहे हैं।

बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के मुद्दे फोकस में रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 सालों के कार्यकाल का लेखा-जोखा, प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यक्रमों की जानकारी और अलग-अलग प्रदेशों से आ रहे नेता अपने इलाकों में अनुसूचित जाति वर्ग के मुद्दों पर बातचीत करेंगे। कुल मिलाकर इन बैठकों से अनुसूचित जाति वर्ग के वह मुद्दे तय होंगे जिनपर आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ और पूरे देश में आगे बढ़ेगी।

कांग्रेस के खिलाफ अभियान की तैयारी

इस बैठक के बाद छत्तीसगढ़ में चुनावी माहौल के बीच अनुसूचित जाति मोर्चा कांग्रेस के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू करेगा। राष्ट्रीय नेता कांग्रेस के खिलाफ जनमत जागृत करने की योजना पर बात करेंगे। दलित महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अत्याचार जैसे मामलों पर भी इस बैठक में चर्चा की जाएगी।

गैंगस्टर अमरनाथ सिंह हत्या मामले में कामयाबी

झारखंड पुलिस के हत्थे चढ़े दो आरोपी

रांची, 1 अगस्त (एजेंसियां)। गैंगस्टर अमरनाथ सिंह हत्या मामले में झारखंड पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जमशेदपुर पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को कहा कि वारदात में शामिल दो लोगों को हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि देवघर गांव के पास एक गुप्त सूचना के बाद गिरफ्तारियां की गईं। एसपी के मुताबिक, अमरनाथ की हत्या के मामले में वांछित दो अपराधी कोलकाता जाने वाली बस से भाग रहे थे। थाना प्रभारी राजू के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने रविवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर देवघर गांव के पास वाहन जांच अभियान चलाया। टीम ने कोलकाता जाने वाली एक बस को रोका और दोनों अपराधियों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अमरनाथ की हत्या में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। एसपी ने बताया कि पुलिस ने उनके कब्जे से एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस जब्त किए। आरोपियों की पहचान दीपक चौधरी उर्फ टेका और अभिषेक सिंह उर्फ बिट्टू के रूप में हुई जिनके खिलाफ खिलाफ शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बता दें कि 28 जुलाई की रात कांवड़ियों के वेश में अज्ञात हमलावरों ने दुमका जिले के बासुकीनाथ में गैंगस्टर अमरनाथ सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अमरनाथ, परिवार के सदस्यों के साथ श्रावण में मत्था टेकने के लिए प्रसिद्ध बासुकीनाथ मंदिर गए थे, तभी कांवड़ियों के भेष में हमलावरों ने नजदीक से गोलियां चला दीं।

ईडी ने कारोबारी विष्णु अग्रवाल को किया गिरफ्तार

जमीन घोटाला मामले में कार्रवाई

रांची, 1 अगस्त (एजेंसियां)। ईडी ने इस मामले की जांच के सिलसिले में आईएएस छवि रंजन के पश्चिम बंगाल और बिहार में भी कुल तीन ठिकानों पर तलाशी ली थी। इसके बाद कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल और उनके ससुर दिलीप घोष को गिरफ्तार किया था।

ईडी के सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी ने तलाशी के दौरान कई फर्जी मुहर, जमीन के कागजात और रजिस्ट्री दस्तावेज बरामद किए हैं।

ईडी झारखंड में एक दर्जन से अधिक भूमि सौदों में गड़बड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। जिसमें भू-माफिया, बिचौलियों और नौकरशाहों सहित एक कंपनी साठगांठ सामने आई थी। सूत्रों का कहना है कि आरोपियों ने जाली दस्तावेजों से धोखाधड़ी कर गरीबों और दलितों की जमीन 'हड़प' ली थी।

ईडी ने पीएमएलए के तहत अपनी जांच शुरू करने के लिए दस्तावेजों की जालसाजी को लेकर रांची में दर्ज कराई गई प्राथमिकी का संज्ञान लिया था।

मुख्यमंत्री-विधानसभा अध्यक्ष पर विवादित टिप्पणी करना यूट्यूबर को पड़ा महंगा

गढ़वा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करना एक यूट्यूबर को काफी महंगा पड़ा। उसे सोमवार को झारखंड के गढ़वा जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टीपू सुल्तान खान उर्फ समर को गढ़वा सदर पुलिस थाना क्षेत्र के तहत उसके गांव दारमी से पकड़ा गया। गढ़वा के पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा ने बताया कि रतन कुमार सिंह नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि समर ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी यूट्यूब और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट करता था।

कलयुगी बेटे ने डंडे और फावड़े से पिता को उतारा मौत के घाट

भिलाई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक बेटे ने अपने ही पिता को डंडे और फावड़े से सिर पर वारकर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी मानसिक रोगी बताया गया है। जानकारी के मुताबिक, जामुल के सुरडुंग गांव के चांदनी चौक में आज सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि एक बेटे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

जेसीसीजे ने किया खनिज विभाग का घेराव

कहा- मोदी देश बेच रहे और भूपेश प्रदेश हीरा-सोना की खदानों को बेचने की साजिश

रायपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अजीत जोगी युवा मोर्चा ने तेलीबांधा रिंग रोड स्थित खनिज विभाग का घेराव किया। इस दौरान खनिज विभाग में कोयला और नकली नोट को फेंककर विरोध जताया। राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर पुलिस और जोगी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झूमाझटकी हुई। इसमें कई जोगी कांग्रेस नेता घायल भी हो गए।

इस दौरान अजीत जोगी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप साहू ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह से राज्य में शराब घोटाला और कोल घोटाला हुआ है, वैसे ही छत्तीसगढ़ में हीरा और सोना घोटाला की बड़ी तैयारी चल रही है। छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा बहुमूल्य हीरा और सोना की खदानों को विदेश कंपनियों को बेचने की तैयारी हो रही है। आरोप

लगाया कि जैसे केंद्र की मोदी सरकार देश को बेच रही है, वैसे ही भूपेश सरकार छत्तीसगढ़ को बेचना चाहती है। बाहरी हाथों में हीरा और सोना खदान का खनन कार्य देकर अमीर धरती को गरीब बनाना चाहती है। उन्होंने कहा जान दे देंगे पर छत्तीसगढ़ का रत्ती भर हीरा और सोना बाहर जाने नहीं देंगे। पहले लड़े थे, छत्तीसगढ़ को बनाने के लिए अब लड़ेंगे छत्तीसगढ़ को बचाने के लिए। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के जिला अध्यक्ष संदीप यदु ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 3000 हेक्टेयर में फैले बसना हीरा खदान और महासमुंद और कांकेर में दो सोना खदानों के लिए एक सोची समझी साजिश के तहत 6 जुलाई को ई-टेंडर निकाली है। राज्य को लूटने की जल्दबाजी में वर्तमान राज्य सरकार ने एड़ी चोटी का जोर लगाकर ये टेंडर निकाला है, जिसका हर स्तर में जोगी कांग्रेस विरोध और आंदोलन करेगी। अजीत जोगी छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी और अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष और सतनामी समाज के जगतगुरु मनहरण दास ने कहा पिछले साढ़े चार साल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार ने छत्तीसगढ़ को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और अब अपने कार्यकाल के अंतिम 3 महीनों में भी यह सरकार छत्तीसगढ़ का हीरा और सोना भी लूटकर ले जाना चाहती है।

संवेदनशील जानकारी का खुलासा करने पर पांच साल कैद

पाकिस्तानी संसद ने सेना अधिनियम में किया संशोधन

इस्लामाबाद, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में देश की सुरक्षा के बारे में संवेदनशील जानकारी का खुलासा करने पर पांच साल तक की जेल होगी। पाकिस्तान की संसद ने सेना कानूनों में संशोधन करते हुए यह प्रावधान किया है। पिछले हफ्ते विधेयक को पाक संसद में पेश किया गया था जिसके बाद पाक संसद ने सोमवार को पाकिस्तान सेना अधिनियम, 1952 में प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया। वहीं दोनों सदनों के समर्थन के बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के हस्ताक्षर होंगे उसके बाद विधेयक कानून बन जाएगा।

इमरान के समर्थकों पर चल ही कार्रवाइयां

इन दिनों पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्षी नेता इमरान खान के समर्थकों को पर लगातार कार्रवाइयां चल रही हैं। भ्रष्टाचार के मामले में इमरान की गिरफ्तारी के बाद पीटीआई समर्थकों ने सैन्य संस्थानों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी थी, जिसके बाद इमरान को रिहा कर दिया था। इस बीच यह कानून लाया गया है।

पांच साल तक बढ़ाई जा सकती है सजा

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान सेना (संशोधन) अधिनियम, 2023 में अधिनियम में धारा 26-ए जोड़ने का प्रस्ताव है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति जो किसी भी जानकारी का खुलासा करता है या खुलासा करने का कारण बनता है, उसे कठोर कारावास की सजा दी जाएगी, जिसे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है।

यदि जानकारी को सेना प्रमुख द्वारा अनुमोदित किया जाता है तो इसे उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

सेना से जुड़े इस विधेयक में धारा 26-बी सेना अधिनियम के अधीन किसी भी व्यक्ति को उनकी सेवानिवृत्ति, रिहाई, इस्तीफा, सेवामुक्ति, निष्कासन या सेवा से बर्खास्तगी की तारीख से दो साल तक किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने से रोकता है। इसमें संसोधित किया किया गया है कि जो लोग संवेदनशील कर्तव्यों पर तैनात, नियोजित, सहायक, कार्य या अन्यथा संलग्न रहे उन्हें उनकी सेवानिवृत्ति, रिहाई, इस्तीफे, निर्वहन की तारीख से पांच साल के दौरान किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में भाग लेने से प्रतिबंधित किया गया है।

अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद पहली बार मिले अमेरिका-तालिबान

यूएस ने की अपने नागरिकों की रिहाई की मांग, तालिबान बोला- हमारी संपत्ति लौटाओ

दोहा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में 2 साल पहले तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद सोमवार को पहली बार अमेरिका और तालिबान के अधिकारियों की कतर में मुलाकात हुई। इस दौरान अमेरिका ने अफगानिस्तान में उन पॉलिसी को बदलने पर जोर दिया, जिनके जरिए तालिबान ह्यूमन राइट्स को खत्म करने के साथ महिलाओं पर पाबंदियां बढ़ाता जा रहा है।

अमेरिकी अधिकारी ने तालिबान सरकार से लड़कियों की पढ़ाई और महिलाओं की नौकरी करने पर लगे बैन को हटाने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने तालिबान की हिरासत में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को रिहा करने पर जोर दिया।

दूसरी तरफ, तालिबान ने अपने नेताओं पर लगे ट्रैवल बैन को हटाने की मांग की। साथ ही उन्होंने अमेरिका से 10 अरब डॉलर वापस लौटाने की मांग की।

बाइडेन ने कहा था- 9/11 पीड़ितों की मदद के लिए इस्तेमाल होगा पैसा

दरअसल, अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा के बाद अमेरिका ने अफगान संपत्ति अपने कंट्रोल में ले ली थी। इस दौरान अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने कहा था कि इसका इस्तेमाल वो 9/11 पीड़ितों के परिवारों की मदद में करेंगे।

9/11 हमले के कुछ पीड़ित परिवारों ने तालिबान पर मुकदमा कर दिया था, जिसे वो जीत भी गए थे। ये परिवार इन पैसों से केस के समय लिए गए कर्ज को चुकाना चाहते थे। हालांकि, फरवरी में न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि 9/11 हमले के पीड़ित इन पैसों का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

जज जॉर्ज डेनियल्स ने अपने 30 पेज के ओपिनियन में कहा था- तालिबान को अमेरिका के इतिहास में हुए सबसे खतरनाक हमले की जिम्मेदारी लेते हुए खुद मुआवजा भरना चाहिए, लेकिन अमेरिका अफगान सेंट्रल बैंक के पैसों को जब्त नहीं कर सकता है।

डोकसुरी टाइफून से 11 की मौत, 27 लापता

बीजिंग में 70 साल में सबसे ज्यादा बारिश, 1 लाख 27 हजार लोगों को बचाया

बीजिंग, 1 अगस्त (एजेंसियां)। चीन में डोकसुरी टाइफून से 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 27 लोग लापता हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में पिछले 70 साल की सबसे ज्यादा 257.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इससे पहले 1951 में इतनी तेज बारिश हुई थी। हालात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रेस्क्यू वर्कर्स ने अब तक 1 लाख 27 हजार लोगों को बचाकर सुरक्षित जगह पर भेजा है।

वहीं, राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जगह-जगह बाढ़ में फंसे लोगों को जल्द बचाने के निर्देश दिए हैं। चीन के फ्लड कंट्रोल डिपार्टमेंट के मुताबिक 13 जिलों के 44 हजार लोग फिलहाल बाढ़ की चपेट में हैं।

चीन के स्टेट मीडिया हाउस सीसीटीवी ने बताया कि सेना ने चार हेलिकॉप्टर्स को बाढ़ के बीच फंसे लोगों को खाना, रेनकोट और कंबल देने के लिए भेजा है। सोमवार रात को 5 कस्बों में मोबाइल कम्यूनिकेशन तक ठप हो गया था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियोज में तेज बहाव में सड़कों पर बहती गाड़ियों को देखा जा सकता है।

बीजिंग के इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिन में उड़ान भरने वाली 70 फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया है। वहीं, 2019 में शुरू हुए डाक्सिंग एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली 300 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं। लोगों को घरों के अंदर रहने को कहा गया है। सरकार ने 100 से ज्यादा रास्तों को बंद किया है।

पीपल्स डेली चाइना की रिपोर्ट के मुताबिक डोकसुरी से मची तबाही से निपटने के लिए सरकार ने डिजास्टर रिलीफ फंड से 334 करोड़ रुपए का फंड रिलीज किया है। वहीं, रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इससे 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति का नुकसान होने की संभावना है।

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक लोगों के घरों से बाहर न निकल पाने के कारण सामान डेलीवर करने वाली कंपनियों के ऑर्डर में 50% का इजाफा हुआ है। चीन में 2012 में इतना तेज तूफान आया था।

तब 80 से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। फिलिपींस में डोकसुरी तुफान में फंसी एक बोट पलटने से 36 लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बोट मनिला के पास तूफान में फंस गई थी। तेज बहाव के डर से सभी लोग बोट के एकतरफ हो गए जिससे वो पानी में डूब गई।

ब्रिटिश सिख बुजुर्ग ने पत्नी को लकडी के बैट से वार कर मार डाला

लंदन, 1 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक सिख बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की लकडी के बैट से मारकर हत्या कर दी। बुजुर्ग व्यक्ति की उम्र करीब 79 साल है। रिपोर्ट के मुताबिक व्यक्ति ने खुद लंदन पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारियों को हत्या की बात बताई कि उसने अपनी पत्नी को मार डाला है और उसने पुलिस के सामने पत्नी की हत्या करने का अपराध स्वीकार कर लिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी व्यक्ति नाम तरसेम सिंह है उसको पुलिस ने स्नेरेसब्रुक क्राउन कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में उसने अपने घर पर 77 वर्षीय पत्नी माया देवी की हत्या करने की बात स्वीकार की। उन्हें 29 सितंबर को इसी अदालत में सजा सुनाई जाएगी। मामले की जांच करने वाले अधिकारी इंस्पेक्टर मार्क रोजर्स ने कहा कि यह एक दुखद मामला है और दंपत्ति के तीन बच्चे हैं जो पूरी तरह से टूट चुके हैं।

सेना ने बढ़ाया आपातकाल, चुनाव टाले

नेपीडा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। म्यांमार में 2021 में तख्तापलट कर चुकी सेना ने वहां आपातकाल का समय 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। म्यांमार में इमेरजेंसी 31 जुलाई को खत्म होने वाली थी। इससे पहली ही सेना के नेतृत्व वाली नेशनल डिफेंस और सिक्योरिटी काउंसिल ने बैठक कर आपातकाल बढ़ाने की घोषणा कर दी। सेना ने अगस्त में होने वाले चुनाव को भी टाल दिया है। वहीं, स्टेट मीडिया के मुताबिक सेना ने तख्तापलट से पहले म्यांमार की नेता रही आंग सान सू की को उनके गुनाहों के लिए माफ कर दिया है। आंग सान सू की को सेना ने 5 अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराकर 33 साल की सजा दी थी। अब वो उन 7 हजार लोगों में से हैं जिन्हें सेना की तरफ से माफी दी गई है। हालांकि, सेना आंग सान सू की को पूरी तरह रिहा न कर उन्हें हाउस अरेस्ट में ही रखेगी।

म्यांमार में सेना ने 1 फरवरी 2021 को तख्तापलट कर दिया था। वहां की लोकप्रिय नेता और स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी।

चुनाव के बाद से सरकार-सेना में था मतभेद

दरअसल, म्यांमार में नवंबर 2020 में आम चुनाव हुए थे। इनमें आंग सान सू की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। वहीं विपक्ष की यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। नतीजे आने के बाद सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए। सेना ने चुनाव में सू की की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया था। चुनाव नतीजों के बाद से ही सरकार और सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया, जिसके बाद सेना ने तख्तापलट कर दिया था।

सू की को मिली माफी पर रिहा नहीं होंगी तख्तापलट के बाद 6 हजार ने गंवाई जान

म्यांमार में तख्तापलट के बाद से सेना ने 6,000 लोगों को मारा

पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार में साल 2021 में हुए तख्तापलट के बाद से सेना 6,000 लोगों को मार चुकी है। म्यामांर लगातार विरोधियों को फांसी की सजा भी दे रहा है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक म्यामांर में हवाई हमले रोज की कहानी बनते जा रहे हैं। सेना अपने विरोधियों को ढूंढने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसके चलते वो आम लोगों को निशाना बना रही है। म्यामांर विटनेस की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 6 महीनों में वहां 135 से ज्यादा इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। हवाई हमलों में मरने वाले ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। यूएन के मुताबिक एयर रेड से परेशान होकर वहां 11 लाख लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। म्यांमार के मीडिया पोर्टल द इरावाडी के मुताबिक वहां 40 साल बाद पिछले साल जुलाई में मौत की सजा दी गई थी।

सरकार ने एक्टिविस्ट को जिम्मी, नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के लॉमेकर को फ्यो जेया थॉ समेत दो और लोगों को फांसी पर लटकाया था। एक अनुमान के मुताबिक म्यांमार की सेना ने एक साल में 100 से ज्यादा लोगों को मौत की सजा दी है। म्यांमार की मिलिट्री ने 2021 में तख्तापलट के बाद 1 बिलियन डॉलर यानी 8 हजार करोड़ के हथियार खरीदे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के एक्सपर्ट के मुताबिक ये खरीद म्यांमार की सेना ने उस पर लगी पाबंदियों के बावजूद की है।

भारतीय मूल की महिला की छाती पर चीनी शख्स ने मारी थी लात, नौ महीने तक की जेल की मांग

सिंगापुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल की एक महिला के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार करने और उसकी छाती पर लात मारने के मामले में आरोपी व्यक्ति के लिए नौ महीने तक की जेल की मांग की गई है। अभियोजन पक्ष ने यहां की एक अदालत में इसका अनुरोध किया है। गौरतलब है कि सिंगापुर में हिंदोचा नीता विष्णुभाई नाम की एक भारतीय मूल की महिला पर लगभग दो साल पहले मास्क नहीं पहनने पर हमला किया गया था। सात मई, 2021 को चो चू कांग हाउसिंग स्टेट में एक चीनी व्यक्ति ने कथित तौर पर महिला की छाती पर लात मारी थी और साथ ही नस्लीय टिप्पणी भी की।

मास्क को लेकर हुआ था विवाद

अपनी दलीलों में, उप लोक अभियोजक मार्कस फू ने कहा कि घटना उस समय की है, जब कोरोना को लेकर सिंगापुर में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया था। पीड़िता के मुताबिक, वह आमतौर पर तेज कदमों से चलती है, ऐसे में सांस लेने के लिए उसने अपना मास्क थोड़ा नीचे कर लिया था। तभी 32 वर्षीय जिंग फोंग और उसकी मंगेतर चुआ यूं हान ने चिल्लाना शुरू कर दिया। दोनों ने मास्क को लेकर उस पर चिल्लाया और नस्लीय टिप्पणी की। नीता ने दोनों को समझाया कि वह वह व्यायाम कर रही थी।

हिंडोचा ने कहा, इसके बाद आरोपी ने छाती पर लात से वार किया, जिससे वह गिर गईं और उनके हाथ से खून बहने लगा। इसके बाद आरोपी और उसकी महिला साथी वहां से चले गए। उन्होंने बताया, बस स्टॉप पर एक महिला ने उसे उठाने में मदद की और प्राथमिक उपचार दिया। बाद में शाम को उन्होंने पुलिस को शिकायत दी थी।

यूक्रेनी कमांडो को खास ट्रेनिंग दे रही ब्रिटिश सेना

क्रिसमस तक रूस के कब्जे से क्रीमिया को छुड़ाने का लक्ष्य, अमेरिका-जर्मनी देंगे नई मिसाइलें

कीव/लंदन, 1 अगस्त (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच ब्रिटेन की सेना यूक्रेन के एक खास कमांडो ब्रिगेड को ट्रेनिंग दे रही है। इस ट्रेनिंग का मकसद रूसी सेना को अक्षम करना और दिसंबर में क्रिसमस से पहले रूस के कब्जे से क्रीमिया को वापस लेना है। इंग्लैंड के डार्टमूर में करीब 2 हजार यूक्रेनी सैनिक ट्रेनिंग ले रहे हैं।

डेली एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस ऑपरेशन में समुद्र, हवा और जमीन से हमले की ट्रेनिंग दी जाएगी। यूक्रेनी सैनिक रूसी सेना को रोकने के लिए एडवांस्ड तकनीक का इस्तेमाल करेंगे। इसके अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देश यूक्रेन को लंबी दूरी वाली नई मिसाइल भी देंगे, जिसका इस्तेमाल रूस के डिफेंस को तोड़ने के लिए किया जाएगा।

सीक्रेट बैटल कैंप में ट्रेनिंग, असली गोला-बारूद का इस्तेमाल

इससे पहले यूक्रेन के इंटेलिजेंस एजेंसी के चीफ किरिलो बुडानोव ने कहा था कि जल्द ही उनकी सेना क्रीमिया में दाखिल होगी। ये ट्रेनिंग डेवॉन के ओकेहैप्टन में मौजूद बैटल कैंप में हो रही है। यहां दूसरी किसी भी मिलिट्री यूनिट या आम जनता को जाने की इजाजत नहीं है। 42 कमांडो के रॉयल मरीन्स ट्रेनिंग देख रहे हैं। इसमें लंबी दूरी तक मार्च और रात में असली गोला-बारूद के साथ हमले की प्रैक्टिस हो रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की देश से रूसी सेना को बाहर करना चाहते हैं। उनके इसी लक्ष्य के तहत क्रीमिया को रूस से वापस लेने का टारगेट तय किया गया है। जेलेंस्की का मानना है कि उन्हें रूसी सेना पर लगातार हमले के साथ ही उसे कमजोर करने पर काम करना है। कर्च ब्रिज और क्रीमिया में लगातार ड्रोन हमले से रूसी की वहां पर पकड़ कमजोर पड़ सकती है।

ब्रिटेन के एक सीनियर मिलिट्री ऑफिसर के मुताबिक, यूक्रेन की सेना जंग को अपने हिसाब से मोड़ पाए, इसके लिए उसे नाटो की रणनीति सिखानी होगी। इसके बाद ही दुश्मनों पर हमले तेज किए जा सकते हैं। हालांकि, ये ट्रेनिंग कितनी सफल होगी ये इस बात पर निर्भर करता है कि यूक्रेनी सेना आने वाले चैलेंज का सामना कैसे करती है। 1954 में सोवियत संघ के नेता निकिता ख्रुश्चेव ने यूक्रेन को क्रीमिया तोहफे में दिया था। 1991 में जब सोवियत संघ टूटा और यूक्रेन और रूस अलग-अलग हुए तो दोनों देशों के बीच क्रीमिया को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। मार्च 2014 में क्रीमिया में रूसी शासन के पक्ष में 96 प्रतिशत मतदान हुआ था। यूक्रेन छोड़कर रूस का हिस्सा बनने के लिए क्रीमिया में जनमत संग्रह की तैयारी के साथ यूक्रेन में शीतयुद्ध जैसा सुरक्षा संकट बढ़ गया था।

इसके तुरंत बाद रूसी सेना और रूस समर्थक हथियारबंद फौज ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने क्रीमिया में हुए जनमत संग्रह को अमान्य घोषित कर दिया था। यूएन में इसे लेकर हुए मतदान में 193 में से 100 देशों ने जनमत संग्रह को अमान्य घोषित करने के पक्ष में और 11 ने इसके खिलाफ वोट दिया था, जबकि 58 देशों ने वोटिंग नहीं की थी।

पूर्व विदेश मंत्री क्विन गैंग का अब तक कुछ पता नहीं!

विशेषज्ञों ने सेहत को वजह मानने से किया इनकार

बीजिंग, 1 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के पूर्व विदेश मंत्री क्विन गैंग बीते कई दिनों से लापता हैं और अभी भी उनके बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। बीते दिनों ही क्विन गांग को चीन के विदेश मंत्री पद से हटा दिया गया था लेकिन हैरानी की बात ये है कि विदेश मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट से भी क्विन गैंग से संबंधित सभी रिकॉर्ड और जानकारी हटा ली गई है।

क्विन गैंग एक महीने से भी ज्यादा समय से नहीं दिख रहे

क्विन गैंग को बीते एक महीने से भी ज्यादा समय से नहीं देखा गया है। करीब हफ्ते भर पहले चीन के विदेश मंत्रालय ने बताया था कि खराब स्वास्थ्य की वजह से क्विन गैंग सार्वजनिक तौर पर

नहीं दिख रहे हैं। हालांकि क्विन गैंग को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है।

काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन में चीन मामलों के जानकार इयान जॉनसन का कहना है कि इस तरह लोगों का गायब हो जाना चीन में आम है। कई बार इसमें महीने और सालों तक लग सकते हैं। क्विन गैंग के स्वास्थ्य कारणों से ना दिखने के दावों को जॉनसन ने सिरे से खारिज कर दिया।

चीन में यह आम

क्विन गैंग को दिसंबर 2022 में चीन का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया था। पांच साल के लिए उनकी नियुक्ति हुई थी लेकिन वह अपने पद पर एक साल भी पूरा नहीं कर पाए और बीते दिनों ही उन्हें पद से हटाकर पूर्व विदेश मंत्री वांग यी को फिर से विदेश मंत्री बनाया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन में इस तरह अधिकारियों का गायब होना आम बात है। पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई अहम अधिकारी और नेता सार्वजनिक जीवन से गायब हो गए थे। इनमें पूर्व चीफ प्रोटोकॉल अफसर झांग कुनशेंग, उद्योग मंत्री जियाओ याकिंग आदि का नाम शामिल है।

बीच पर शर्टलेस दिखे 80 साल के अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन

वॉशिंगटन, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के 80 साल के राष्ट्रपति जो बाइडेन कुछ दिन पहले अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने डेलावेयर गए थे। यहां एक बीच पर बाइडेन की शर्टलेस फोटोज वायरल हो रही हैं। एएफपी के मुताबिक, डेलावेयर के रेहोबोथ में बाइडेन का एक फार्म हाउस है। इसी के पास वो बीच पर धूप सेंक रहे थे, जब एक पत्रकार ने उनकी तस्वीरें लीं।

तस्वीर में बाइडन को नीले रंग के स्विमिंग ट्रंक, नीले टेनिस जूते, एक बेसबॉल कैप और धूप का चश्मा पहने दिख रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी जिल बाइडेन और 22 साल की पोती फिननेगन भी मौजूद थीं। हालांकि, इस दौरान उनके साथ उनका बेटा हंटर बाइडेन नहीं था।

बीच पर बाइडेन के आसपास सीक्रेट सर्विस की काफी तगड़ी सुरक्षा मौजूद थी। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स भी फॉर्मल कोर्ट-पैंट की जगह कैजुअल कपड़ों में खड़े थे। वहीं इस बीच अमेरिकी संसद में कई बार बाइडेन की छुट्टियों का मामला उठ चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बतौर राष्ट्रपति जो बाइडन हर 10 दिन में से 4 दिन छुट्टियां ले रहे हैं।

रिपब्लिकन पार्टी ने पिछले साल अगस्त में अनुमान लगाया था कि जो बाइडन ने कार्यकाल के दौरान 228 दिनों की छुट्टियां ले चुके हैं, जो अब तक सबसे ज्यादा है। बाइडन के उतने समय के कार्यकाल की तुलना में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 132 दिन की छुट्टी ली थी। वहीं, उनसे पहले बराक ओबामा ने सिर्फ 38 दिन की छुट्टी ली थी।

बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे बुजुर्ग नेता हैं। 80 साल के डेमोक्रेट नेता ने 20 जनवरी 2021 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उन्होंने रिपब्लिक के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को हराकर अमेरिका की सत्ता हासिल की थी। वे 2024 में दोबारा चुनाव लड़ने वाले हैं। हाल ही में व्हाइट हाउस ने कबूला था कि वह अपनी सांस की बीमारी के कारण सोते समय सीपीएपी मशीन का सहारा ले रहे हैं।

बाइडेन को 1988 में 'ब्रेन एन्यूरिज्म' भी हुआ था, जिसका वो इलाज करा चुके हैं। इसके दोबारा होने के सिर्फ 20% चांस हैं। बाइडेन अपना गॉल ब्लैडर भी निकलवा चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की फिटनेस को लेकर हमेशा चर्चा होती है। जून की शुरुआत में कोलोराडो में एयरफोर्स एकेडमी के कार्यक्रम में वह गिर पड़े थे। वे यहां ग्रेजुएशन सेरेमनी में भाग लेने आए थे। भाषण देने के बाद उन्होंने एक कैडेट से हाथ मिलाया और जैसे ही वे अपनी सीट की तरफ जाने लगे, तभी वे स्टेज पर गिर पड़े।

91 बच्चियों से रेप का आरोपी गिरफ्तार

सभी लड़कियों की उम्र 10 साल से कम, 9 साल बाद पुलिस को कामयाबी

सिडनी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने 25 साल में 1623 यौन अपराध करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 45 साल के इस आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। सिर्फ इतना बताया गया है कि वो देश के तीन शहरों में चाइल्ड केयर ऑफिसर रहा। आरोपी ने 91 बच्चियों से रेप किया। ऑस्ट्रेलिया के कानून के मुताबिक- आरोपी के खिलाफ अलग-अलग कैटेगरी में आरोप दर्ज किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- पुलिस को पहली बार इसका सुराग 2014 में मिला था। हालांकि, गिरफ्तार करने में कामयाबी अब मिली है। आरोपी के पास से हजारों चाइल्ड पोर्नोग्राफी वीडियो, फोटो और कुछ रील्स बरामद की गई हैं।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की अलग-अलग रिपोर्ट्स में इस स्कैंडल की जानकारी दी गई है। इनके मुताबिक- आरोपी के खिलाफ कुल मिलाकर 1623 सेक्स क्राइम्स दर्ज किए गए हैं। इनमें चाइल्ड केयर की 91 बच्चियों से रेप का आरोप भी शामिल है। इन सभी विक्टिम्स की उम्र 10 साल से कम है। अलग-अलग सेक्स ऑफेंस (यौन अपराध) कैटेगरी में दर्ज केसेज के मुताबिक- इस पूर्व चाइल्ड केयर ऑफिसर ने कुल मिलाकर 246 बार रेप किया। इस दौरान 613 चाइल्ड पोर्न वीडियो बनाए। पुलिस के मुताबिक- ये सभी क्राइम्स 2007 से 2022 के बीच तीन शहरों के 12 चाइल्ड केयर सेंटर्स में अंजाम दिए गए। हैरानी की बात ये है कि आरोपी के खिलाफ चाइल्ड केयर एक्सपर्ट का लाइसेंस भी था और इसी आधार पर उसे इन सेंटर्स में नौकरी भी आसानी से मिलती रही। अब तक की जांच के मुताबिक- विक्टिम्स में से 87 बच्चे ऑस्ट्रेलियाई हैं। पुलिस को भरोसा है कि वो न सिर्फ इन सभी बच्चों की पहचान कर लेगी, बल्कि उनके और उनके पेरेंट्स के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि सभी बच्चों का पता लगाना बेहद मुश्किल साबित हो सकता है, क्योंकि इनमें से कई ऐसे हैं जो अब पेरेंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया से किसी दूसरे देश में शिफ्ट हो गए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक- आरोपी को अगस्त 2022 में ही गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन तब उसके खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं मिले थे।

'जनता गहलोत के पैरों में बंधी पट्टियां खोलेगी'

राठौड़ का सरकार पर सियासी हमला

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी आज राज्य सरकार के खिलाफ जयपुर में बड़ा प्रदर्शन कर रही है। पार्टी ऑफिस पर सभा के साथ सभी ने सचिवालय घेराव के लिए कूच कर दिया। बीजेपी का दावा है कि इस घेराव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से लाखों लोग जयपुर पहुंचे हैं। बीजेपी के 'चलो जयपुर' नारे को पीएम मोदी ने भी समर्थन दिया है। इस आंदोलन के जरिए 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान का समापन होगा।

सचिवालय घेराव से पहले प्रदेश बीजेपी कार्यालय के बाहर सभा आयोजित की गई। यहां नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा- आज के प्रदर्शन में आया एक-एक कार्यकर्ता गहलोत सरकार के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम करेगा। वहीं, राजस्थान की जनता सीएम गहलोत के दोनों पैरों में बंधी पट्टियां खोलने का काम करेगी।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- जब किसी टायर में कील लग जाती है तो गाड़ी चलाने के लिए टायर बदला जाता है। उसी तरह से सीएम अशोक गहलोत के पैरों में भी कील चुभ गई है।

ऐसे में अब हमें उन्हें बदलने की जरूरत हैं।

आंदोलन से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बीजेपी राजस्थान के ट्वीट पर रीट्वीट करते हुए लिखा- बेटियों के मान में चलो, गरीबों के उत्थान में चलो, दलित सम्मान में चलो, किसान का दर्द भी सुनो, हुंकार भरो...

पीएम मोदी ने आगे लिखा- कांग्रेस के मौजूदा शासन ने जिस प्रकार वीर-वीरांगनाओं की भूमि राजस्थान को बदहाली और बदनामी का दलदल बनाकर रख दिया है। जनता-जनार्दन उससे जल्द छुटकारा चाहती है। राज्य के कुशासन को उखाड़ फेंकने का जन-जन ने जो संकल्प लिया है, उसे भाजपा की इस मुहिम से बहुत बड़ा बल मिलने वाला है।

दरअसल, 16 जुलाई को नहीं सहेगा राजस्थान अभियान की शुरुआत जयपुर के बीलवा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की थी। इस अभियान के तहत बीजेपी ने सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, पेपरलीक, कर्जमाफी, महिला और दलित अत्याचार, कानून व्यवस्था व अन्य मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में कई कार्यक्रम किए।

वहीं, अब बड़े स्तर पर इस अभियान का समापन सचिवालय घेराव के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह भी जयपुर पहुंच चुके हैं। घेराव से पहले सुबह बीजेपी मुख्यालय पर सभा भी आयोजित की जाएगी।

बीजेपी का दावा अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन होगा सचिवालय घेराव कार्यक्रम को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा था- इस सरकार ने युवा, बेरोजगार, महिलाओं की भावनाओं से खिलवाड़ किया हैं। कल हम इन्हीं मुद्दों को लेकर सचिवालय का घेराव करेंगे। हम शांतिपूर्वक प्रदर्शन करेंगे।

जिस तरह से हमारे युवा मोर्चा व महिला मोर्चा के शांतिपूर्वक हो रहे प्रदर्शनों पर लाठी चार्ज किया गया। मैं कहना चाहूंगा कि हम लाठी भी और गोली भी खाने को तैयार हैं। लेकिन हम इस सरकार का अन्याय व अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सचिवालय कूच के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच टकराव की स्थिति भी बनने की पूरी आशंका है। इससे पहले 13 जून को भी जयपुर के कार्यकर्ताओं द्वारा सचिवालय को घेरने की कोशिश की गई थी। लेकिन पुलिस ने बीजेपी से सचिवालय जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग्स कर दी थी। ऐसे में कार्यकर्ताओं और पुलिस में टकराव की स्थिति बन गई थी। पुलिस को लाठियां भी भांजनी पड़ी थी वहीं वाटर कैनन का भी इस्तेमाल करना पड़ा था।

गहलोत बोले- सड़कों में हम गुजरात से पीछे नहीं

1.40 लाख किलोमीटर का निर्माण करा रहे; गांवों में भी मिलेगा इंदिरा रसोई का खाना

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अब छोटे कस्बों और गांवों में भी इंदिरा रसोई का सस्ता खाना मिलेगा। सीएम अशोक गहलोत ने कहा- आठ रुपए में खाना देने की इंदिरा रसोई योजना को अब गांवों और कस्बों तक भी ले जाया जाएगा।

अब तक बड़े शहरों में ही इसका फायदा मिल रहा था। गहलोत 1514 गांवों की सड़कों के वर्चुअल शिलान्यास के बाद बोल रहे थे।

गहलोत ने कहा- राजस्थान में क्वालिटी सड़कें बन रही हैं। कोई जमाना था, जब हम सड़कों के मामले में गुजरात से बहुत पीछे थे। आज हम गुजरात से आगे नहीं तो पीछे भी नहीं हैं। इसका कारण है कि हमने हमेशा सड़कों पर ध्यान दिया। क्योंकि सड़कों से ही विकास का बहुत बड़ा संबंध होता है। सड़कों से गांव वालों को कई सुविधा मिल सकती हैं।

ब्लैक स्पॉट को ट्रैक करने का काम भी चल रहा है। मुझे खुशी है कि क्वालिटी को लेकर विभाग की जो अप्रोच बन गई। उसको ठेकेदारों ने अपनाया है। विभाग भी मॉनिटरिंग कर रहा है।

बारिश के दिनों में सड़कें टूटना आम बात

गहलोत ने कहा- बारिश के दिनों में चाहे गांव हो या शहर, सड़कें टूटना स्वाभाविक है। राजस्थान में सड़कों की क्वालिटी में सुधार हुआ है। पहली बार हमने देखा है कि बजट की घोषणा होते ही उनको धरातल पर भी उतारने का काम जल्द शुरू किया है। आज जिन सड़कों का शिलान्यास हुआ है, इनके काम भी बारिश खत्म होते ही शुरू कर दिए जाएंगे।

पांच साल में 1.40 लाख किलोमीटर सड़कें बना रहे

गहलोत ने कहा- ठेकेदारों से कम्युनिकेशन गैप के कारण हड़ताल हो गई। वह हड़ताल खत्म करवा दी है। ठेकेदारों की अपनी समस्याएं थीं। अब सड़कों का काम आगे बढ़ रहा है। अब सड़क बनाने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है।

हमने स्टेट हाईवे से लेकर डिस्ट्रिक्ट रोड और गांव-शहरों तक की सड़कों को एक साथ बनाना शुरू किया है। प्रदेश में 1.40 लाख किलोमीटर सड़कें पांच साल में बनाई जा रही हैं।

जिला प्रशासन से खराब सड़कों का सर्वे करवाया

गहलोत ने कहा- नई सड़कें बनाने के साथ प्रदेश भर में सड़कों को चौड़ा करने का काम अलग से चल रहा है। हमने नगर पालिका, नगर निगम और नगर परिषद क्षेत्र में भी पीडब्ल्यूडी से सड़कें बनवाने का फैसला किया। दूसरा फैसला हमने यह किया कि जिन सड़कों की हालत अच्छी नहीं है।

वहां जिला प्रशासन खुद सर्वे करे। फिर उसके आधार पर उसे फिर से बनवाएंगे। हर जिले में खराब सड़कों के सर्वे के बाद उन्हें अब ठीक करवाया जा रहा है। हमने बजट में ही इन्हें ठीक करवाने का प्रावधान कर दिया है।

हमने विधायकों से पूछकर सड़कें बनाई

गहलोत ने कहा- राजस्थान बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। कई टूरिस्ट गांव तक भी जाते हैं। उनके दिमाग में भी आता है कि राजस्थान की सड़कें अच्छी हैं।

अभी मैं खुद आदिवासी क्षेत्र डूंगरपुर, बांसवाड़ा की तरफ गया था। अचानक मुझे किसी गांव में जाना पड़ गया। जो गाड़ी में बैठे हुए थे, वे भी कह रहे थे कि गांव की सड़क भी कितनी अच्छी है।

हर गांव तक सड़कों का जाल बिछे, हमने इस तरह की पॉलिसी बनाई है। हमने विधायकों से पूछकर सड़कें बनाईं। विधायक फंड से सड़कें बनाने का प्रावधान किया।

रंधावा बोले- भाजपा के सांसद गूंगे पहलवान

डोटासरा ने कहा- ऐतिहासिक होगी राहुल गांधी की सभा; पदाधिकारियों को मिले टारगेट

उदयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर में आज आगामी 9 अगस्त को राहुल की सभा को लेकर कांग्रेस की मीटिंग रखी गई। जिसमें राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और खाद्य आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने संबोधित किया।

राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि राजस्थान के कई जिलों के पानी की योजना को लेकर केन्द्र सरकार मौन है और भाजपा जयपुर में धरना दे रही है। उसकी बजाय उनको दिल्ली में केन्द्र सरकार के सामने आंदोलन करना चाहिए। रंधावा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अब नहीं सहेगा हिन्दुस्तान।

उन्होंने कहा कि मैं राजस्थान के 25 सांसदों से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने कभी पार्लियामेंट में राजस्थान की बात क्यों नहीं की। सारे के सारे गूंगे पहलवान बनकर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि क्या राजस्थान की आवाज उठाकर ईआरसीपी के मुद्दे को नहीं उठाना चाहिए ?

बता दें कि रंधावा आज उदयपुर के सेक्टर 14 सुहालका भवन में 9 अगस्त को बांसवाड़ा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की होने वाली सभा की तैयारियों को लेकर उदयपुर शहर, उदयपुर देहात, चित्तौड़गढ़ व राजसमंद जिले के पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसी राज्य में देश का प्रधानमंत्री आता है तो लगता है कि वे कुछ तो सौगात देकर जाएंगे। लेकिन, यहां मोदी आए और जनता को निराशा के अलावा कुछ देकर नहीं गए। उन्होंने भाजपा के नहीं सहेगा राजस्थान के बदले नहीं सहेगा हिन्दुस्तान का नारा देकर पदाधिकारियों में जोश भरा।

वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पदाधिकारियों से कहा कि इस सभा को हमें ऐतिहासिक बनाना है। हम राहुल गांधी के आगमन के साथ ही आदिवासी गौरव दिवस मनाने जा रहे हैं। हमें इसके लिए आज से ही तैयारी शुरू कर देनी है। गांव-गांव और ढाणी-ढाणी जाकर सभी को इस सभा के लिए आमंत्रित करना है।

बांसवाड़ा की रैली सबसे बड़ी होगी और उसमें प्रधानमंत्री की अब तक की राजस्थान की जो रैलियां हुई उससे ज्यादा भीड़ होगी। डोटासरा ने कहा कि अब कांग्रेस कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जुट जाएं और बांसवाड़ा में अपनी-अपनी विधानसभा से लोगों को लाने के लिए काम में लग जाए। उन्होंने कहा कि नए जिलाध्यक्षों की और से भेजी गई कार्यकारिणी भी आज-कल में जयपुर से अनुमोदित कर जारी कर दी जाएगी। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि भाजपा के लोगों के पास हमारी सरकार के लिए एक भी कागज हो तो विधानसभा पर टेबल करते, लेकिन ये नहीं कर सकते है। ये तो सदन के बाहर नहीं सहेगा राजस्थान के नारे लगा रहे हैं। खाचरियावास ने कहा कि जिनके पंख काले होते हैं और जो पूरे भ्रष्टाचार में लिप्त होते हैं वो लाल डायरी की आड़ में अंदर के सफेद पन्नों को नहीं देखते। जो वादे पीएम मोदी ने चुनाव से पहले किए थे उसका क्या हुआ यह कोई नहीं बता रहा है।

कांग्रेस की इस बैठक में गांधी की 9 अगस्त को बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ में प्रस्तावित सभा की तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही पदाधिकारियों को टारगेट दिए गए।

इससे पहले डबोक स्थित महाराणा प्रताप हवाई अड्डे पर इन नेताओं को स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में रंधावा ने कहा कि आदिवासी दिवस पर राहुल गांधी आ रहे हैं। उन्होंने मानगढ़ धाम को लेकर कहा कि जो शहीद होता है वह देश का शहीद होता है, शहीद किसी एक प्रदेश का नहीं होता, मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा मिलना चाहिए। इस दौरान रंधावा एयरपोर्ट पर राहुल की सभा उदयपुर की जगह जोधपुर बोल गए थे। इससे पहले एयरपोर्ट पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा बीजेपी अपने नेताओं की लड़ाई का घेराव कर रही है।

उदयपुर में भाजपा-कांग्रेस की जुबानी जंग

वल्लभनगर विधायक बोलीं- झाला नए-नए नेता, भाषा का ज्ञान नहीं; पार्षद पति को लेकर चल रही है खींचतान

उदयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर में भाजपा नेता हिम्मत सिंह झाला के कांग्रेस की वल्लभनगर विधायक प्रीति गजेन्द्र सिंह शक्तावत को लेकर दिए बयान के बाद विधायक शक्तावत ने पलटवार करते हुए उन पर निशाना साधा है।

शक्तावत ने कहा कि हिम्मत सिंह झाला नए-नए नेता बने हैं लेकिन उनको भाषा का ज्ञान नहीं है। उनको सिर्फ प्रीति शक्तावत नाम याद है जिसे वे बार-बार बोलते रहते हैं। अगर उन्हें दिक्कत है तो सामने आकर बात करें। जनता के बीच गलत माहौल क्यों बना रहे हैं। जबकि मैंने इस मामले को लेकर पुलिस को पहले ही बोल दिया कि अगर इसमें पार्षद पति गलत है तो उनके खिलाफ जो भी सख्त कार्रवाई हो, की जाए।

विधायक शक्तावत ने कहा कि बीजेपी बाहर के लोगों की भीड़ जुटाकर हिंदुत्व के नाम पर माहौल को बिगाड़ने का प्रयास कर रही है।

भाजपा नेता और वल्लभनगर विधानसभा प्रभारी हिम्मत सिंह झाला ने कांग्रेस पार्षद पति द्वारा जेईएन के साथ मारपीट मामले पर कहा था कि कांग्रेस विधायक के चुप रहने से काम नहीं चलेगा। जनता के बीच आकर जबाव देना पड़ेगा।

विधायक ने भ्रष्टाचार करने में रिकॉर्ड बना लिया। उनके दबाव में स्थानीय प्रशासन काम कर रहा है। साथ ही यहां एसटी-एससी अधिकारियों को टारगेट किया जा रहा है। मारपीट मामले को लेकर झाला के नेतृत्व में 2 दिन पहले कानोड़ पुलिस थाने का घेराव भी किया गया था।

ये है पूरा मामला, जिसको लेकर भाजपा-कांग्रेस में हो रही राजनीति

करीब 5 दिन पहले कानोड़ नगर पालिका के जेईएन जयराम मीणा ने कांग्रेस पार्षद सोनिया बागवान के पति अल्ताफ बागवान पर आरोप लगाया था कि पार्षद पति ने दफ्तर में आकर मुझसे फाइलें मांगी। नहीं देने पर मेरे साथ मारपीट करते हुए कुछ फाइलें जबरदस्ती उठाकर ले गए थे।

फिर रात 9 बजे मुझे मुझे फाइल देने के लिए घर बुलाया, जहां फाइलों पर जबर्दस्ती हस्ताक्षर का दबाव बनाया। नहीं करने पर मेरे साथी मारपीट की और जातिगत गालियां देने के भी आरोप लगे। इस मामले को वल्लभनगर भाजपा ने मुद्दा बनाते हुए 2 दिन पहले कानोड़ थाने का घेराव किया था।

कांग्रेस ने 25 लोकसभा सीटों पर ऑब्जर्वर लगाए

विधानसभा चुनावों के लिए मधुसूदन मिस्त्री बने राजस्थान के सीनियर ऑब्जर्वर

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए सीनियर ऑब्जर्वर और ऑब्जर्वर नियुक्त करने के साथ 25 लोकसभा सीटों पर भी ऑबजर्वर लगाए हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री को सीनियर ऑब्जर्वर और तमिलनाडू के कांग्रेस नेता शशिकांत सेंथिल को ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। दोनों नेता विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार चयन, चुनाव अभियान से लेकर पूरे चुनाव पर निगरानी रखेंगे।

मिस्त्री इससे पहले भी राजस्थान चुनावों की जिम्मेदारी देख चुके हैं। मधुसूदन मिस्त्री ने कांग्रेस के संगठन चुनाव करवाए थे, उन्हें राहुल गांधी का नजदीकी माना जाता है। सेंथिल तमिलनाडू मूल के हैं, उन्होंने कर्नाटक चुनावों में भी काम किया था। एआईसीसी ने 25 लोकसभा सीटों पर लोकसभा ऑब्जर्वर लगाए हैं। लोकसभा सीट के हिसाब से ऑब्जर्वर लगाए गए नेताओं को विधानसभा चुनावों के लिए जिम्मेदारी दी गई है। हर नेता के पास आठ विधानसभा सीटें रहेंगी। अमित चावड़ा को अजमेर, हिम्मत सिंह पटेल को अलवर, आनंद पटेल को बांसवाड़ा, बलदेव ठाकुर को बाड़मेर, गीता भुक्कल को भरतपुर, शैलेश परमार को बीकानेर, नीरज शर्मा को भीलवाड़ा, प्रदीप भाई दुदावत को चित्तौड़गढ़, राजपाल खारोला को चूरू और किशन पटेल को दौसा लोकसभा क्षेत्र के ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी है। नौशाद सोलंकी को श्रीगंगानगर, मोना तिवारी को जयपुर, राव दान सिंह को जयपुर ग्रामीण, रघु देसाई को जालौर, ज्ञानी बेन तुम्मर को झालावाड़ बारां, अमर जी ठाकुर को झुंझुनू, सीजी चावड़ा को जोधपुर, शकुंतला खटक को करौली—धौलपुर , इंद्रविजय गोयल को कोटा, अमित सिहाग को नागौर, अमरीश देर को पाली, प्रभु ठोकिया को राजसमंद, अमित मलिक को सीकर, मिर्जा जावेद अली को टोंक-सवाई माधोपुर और कांति कराड़ी को उदयपुर लोकसभा सीट का ऑब्जर्वर बनाया है।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर राजीव जैन हुए लापता!

स्टूडेंट्स ने भजन गाकर किया प्रदर्शन, कैंपस में लगाए लापता के पोस्टर

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव के ऐलान से पहले ही सियासी खींचतान का सिलसिला शुरू हो गया है। मंगलवार को यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स ने कुलपति प्रो राजीव जैन के लापता होने के पोस्टर लगा दिए। इस दौरान स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी कैंपस में कुलपति राजीव जैन को ढूंढने की कोशिश की। जब कुलपति नहीं मिले तो स्टूडेंट्स ने कुलपति सचिवालय के बाहर पहुंच गांधीवादी तरीके से गुलाब का फूल हाथ में लेकर भजन गाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। राजस्थान यूनिवर्सिटी के छात्र नेता हरफूल चौधरी ने कहा- यूनिवर्सिटी में कुलपति आम छात्रों से कोसों दूर हो गए हैं। पिछले लंबे वक्त से ना तो कुलपति ने स्टूडेंट्स से संवाद किया, ना ही उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई काम किया है। जिससे यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स परेशान हो गए है। इसलिए आज हमने यूनिवर्सिटी में जगह-जगह कुलपति जी के पोस्टर लगाकर उन्हें ढूंढने की कोशिश की है। ताकि किसी को भी अगर कुलपति नजर आए तो वह हमें बताएं। इसके बाद हम उन तक पहुंच आम स्टूडेंट्स की समस्याओं को बता उनका समाधान करवा सकें।

विधायक बुडानिया के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

कॉलेज में विज्ञान भवन की मांग कर रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज कराने का आरोप

चूरू, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जिला कलेक्ट्रेट में मंगलवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। छात्र तारानगर की गवर्नमेंट एमजेडी कॉलेज में विज्ञान भवन के निर्माण की मांग को लेकर धरने पर बैठ थे। इस दौरान विधायक के दबाव में कॉलेज प्रिंसिपल की ओर से ए बी वी पी कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज कराने का आ रो प लगाया।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने एमजेडी कॉलेज की प्रिंसिपल पर विधायक के दबाव में कार्य करने का आरोप लगाया है। अपनी मांगों के समर्थन में उन्होंने जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि तारानगर के गवर्नमेंट एमजेडी कॉलेज में विज्ञान भवन की हालत जर्जर है, जो बारिश के मौसम में कभी भी धराशाई हो सकता है।

पिछले पांच दिनों से तारानगर में नए भवन निर्माण की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं, लेकिन सोमवार को उनको कॉलेज से बाहर निकाल दिया गया और कुछ कार्यकर्ताओं पर अनैतिक व्यवहार का झूठा आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया गया। ज्ञापन में बताया गया कि वहां की प्रिंसिपल स्थानीय विधायक के दबाव में काम कर रही है।

ज्ञापन के जरिए चेतावनी दी गई यदि नया विज्ञान भवन नहीं बनवाया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर कमल कुमार, हिमांशु सैनी, शशांक शर्मा, हरिराम सैनी, मुकेश, दीप सिंह गुर्जर, शिल्पा और सुनील आदि मौजूद थे।

अगस्त में सुस्त रह सकता है मानसून; दो दिन जयपुर-भरतपुर में बारिश का अलर्ट

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में जून से चली मानसून एक्सप्रेस की गति अब धीमी हो गई है। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर संभाग को छोड़कर कल शेष जिलों में मौसम साफ रहा।

पश्चिमी राजस्थान के जिलों में कल कई जगह धूप निकली, जिससे तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में अभी दो दिन और बारिश रहेगी। इसका असर 3 अगस्त से दिखेगा। जिसमें पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, कोटा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटे में जालोर, डूंगरपुर, जयपुर, सीकर, धौलपुर, भरतपुर, बीकानेर और झुंझुनूं जिले में बरसात हुई। बीकानेर के छतरगढ़ में 40, जयपुर के बस्सी, पावटा में 30-30, जालोर-भरतपुर में 24-24, झुंझुनूं के बिसाऊ में 20 मिमी बरसात हुई। देर रात भरतपुर और अलवर के कुछ हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। शेष राज्य में मौसम साफ रहा और कई जगह कल धूप निकली।

मौसम केन्द्र नई दिल्ली के मुताबिक राज्य में अब अगस्त में बारिश इस बार सामान्य से कम रह सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक अलनीनों का पॉजिटिव होना और इंडियन ओशन डायपोल (आईओडी) का न्यूट्रल कंडीशन होने के कारण इसका असर अगस्त में दक्षिण-पश्चिम मानसून पर देखने को मिल सकता है। वहीं अगस्त में वेस्टर्न विंड भी प्रभावी रह सकती है, जिसके कारण राजस्थान के पश्चिमी जिलों में अगस्त के अधिकांश दिन तेज गर्मी वाले हो सकते हैं।

जयपुर में भीड़ ने महिला को बेरहमी से पीटा

बालों और कपड़ों को खींचते हुए घर से बाहर लाए; पुलिस ने 7 लोगों को पकड़ा

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में एक महिला को बेरहमी से भीड़ के पीटने का वीडियो सामने आया है। आरोपी जबरन महिला के घर में घुसकर उसे बालों और कपड़ों के साथ खींचते हुए बाहर लाए। बीच बाजार में उसके साथ जमकर मारपीट की।

मालपुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस के आने के बाद भी आरोपियों ने महिला के साथ मारपीट करना जारी रखा। 40 साल की इस महिला के साथ महिलाओं ने भी मारपीट की। मामला 20 जुलाई का है। इसका वीडियो अब सामने आया है।

मालपुरा गेट थाने में तैनात कॉन्स्टेबल धोली बाई ने इस दौरान बड़ी हिम्मत दिखाई। मारपीट कर रहे लोगों के बीच में गई। बड़ी मशक्कत के बाद बुजुर्ग महिला से मारपीट कर रहे लोगों को दूर किया। बड़ी हिफाजत के साथ में भीड़ के बीच में से बुजुर्ग महिला को बाहर निकाल कर थाने ले गई। महिला का मेडिकल भी कराया गया। कॉन्स्टेबल धोली बाई ने बताया कि सूचना मिली कि कल्याण नगर में एक महिला ने स्वयं को एक मकान में बंद कर लिया है। घर के बाहर करीब 100 से 150 लोगों की भीड़ उसे मारने का प्रयास कर रही है। सूचना पर थाने से एसआई अनिल के साथ हरलाल और मैं मौके पर पहुंचे थे। जहां पर देखा की एक मकान के बाहर लोगों की भीड़ जुटी हुई है। वहीं कुछ लोग दूसरी मंजिल पर चढ़ कर घर का गेट तोड़ने का प्रयास कर रहे थे।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की सैर संपन्न

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की सावन की सैर केसरगुट्टा के समीप स्थित विलेज ट्रेल्स में संपन्न हुई। लगभग 50 लोगों ने सैर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रिसोर्ट द्वारा प्रदान किए गए खेलकूद, तैराकी, झूले, अन्य मनोरंजक कार्यक्रम के साथ ही वेलकम ड्रिंक, दोपहर का भोजन और रात्रि के भोजन का आनंद उठाया। महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के पश्चात संपन्न हुई साधारण सभा में शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने अपने स्वागत संबोधन के अंतर्गत उपस्थित जनों का स्वागत और अभिनंदन किया। आयोजित उक्त कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका सीमा अग्रवाल, उप संयोजिका रश्मि अग्रवाल तथा विकास अग्रवाल एवं अन्य के सहयोग से आयोजित विभिन्न खेलकूद का सभी ने आनन्द लिया। खेल के विजेता दीप्ति अग्रवाल, गौरव, हाशवी, ज्योति, सरोज अग्रवाल, मीता पंसारी, उदय, दीपा गर्ग, लक्ष्य अग्रवाल, बबिता, सुनीता, प्रीति, याशी और कान्हा तथा तंबोला के विजेता दीक्षा पंसारी, दीप्ति, पिंकी, आशा, मीता पंसारी, याशी, मोहित, सीमा पंसारी, मधु, और दीपा गर्ग रहे। उपस्थित लोगों में से भाग्यशाली विजेताओं का पुरस्कार दीक्षा पंसारी और मोहित अग्रवाल को प्राप्त हुआ। सैर में उपस्थित वरिष्ठ सदस्य गिरधारी लाल अग्रवाल, ओमप्रकाश पंसारी, श्यामलाल अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल और सैर कार्यक्रम की संयोजिका सीमा अग्रवाल को सम्मानित किया गया। परामर्शदाता गिरधारीलाल अग्रवाल ने शाखा के वर्तमान पदाधिकारी टीम की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए संतोष जाहिर किया और कहा कि शाखा के सभी पदाधिकारी और सदस्यों को शाखा की नियमित गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। मुख्य संयोजिका सीमा अग्रवाल ने मंच संचालन किया और मानदमंत्री योगेश अग्रवाल ने सैर की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए आयोजक टीम को बधाई दी एवं धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम को सफल रूप प्रदान करने में शाखा उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल, डॉ. दिलीप पंसारी (शाखा निवर्तमान अध्यक्ष) एवं अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

तेलंगाना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम में आंध्र प्रदेश से पीछे

नई दिल्ली, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के 27.16 प्रतिशत के मुकाबले तेलंगाना में महिलाओं के स्वामित्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मात्र 24.02 प्रतिशत है।

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम राज्यमंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने यह जानकारी आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। उन्होंने बताया कि अब तक उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर देशभर में कुल 1,77,18,490 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम पंजीकृत है, जिसमें 34,41,600 उद्यम महिलाओं के स्वामित्व वाले है। यह पंजीकृत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम का 19.42 प्रतिशत हैं। श्री वर्मा ने कहा कि महिलाओं को अभी और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम राज्यमंत्री श्री वर्मा के अनुसार तेलंगाना की तुलना में पोर्टल पर आंध्र प्रदेश के कुल 5,43,505 उद्यम दर्ज है जिसमें 1,47,620 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम महिलाओं के स्वामित्व वाले हैं। तेलंगाना में कुल 5,72,270 उद्यमों में से 1,37,443 उद्यम महिलाओं के है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक सूक्ष्म, लघु और उद्यम महाराष्ट्र में है जिसकी संख्या 31,77,979 है और 6,62,604 उद्यम महिलाओं के है। महिलाओं की उद्यमशीलता के मामले में सबसे पिछड़ा राज्य मध्य प्रदेश है जहां पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम वर्ग के कुल 8,27,471 है लेकिन महिलाओं के स्वामित्व वाले कुल 1,14,956 उद्यम है यानि राज्य के उद्यमशीलता में मात्र 13.89 प्रतिशत है। श्री वर्मा ने कहा कि सरकार ने देश में महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई को सहायता प्रदान करने के लिए कई पहल की है। एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति केन्द्रीय मंत्रालयों, विभागो और उपक्रमों को उनकी वार्षिक खरीद का 3 प्रतिशत भाग महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसई से खरीदना जरूरी किया गया है। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने बताया कि महिला उद्यमियों को सहायता प्रदान करने के लिए सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम के तहत महिला उद्यमियों के लिए दो प्रावधानों की शुरूआत की गई है जिसमें वार्षिक गारंटी शुल्क में 10 प्रतिशत की छूट और 85 प्रतिशत और 10 प्रतिशत अतिरिक्त गारंटी कवरेज शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत महिला उद्यमियों को अन्य की तुलना में उच्च सब्सिडी प्रदान की जाती है, जो शहरी क्षेत्र में 25 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 35 प्रतिशत है।

सदाशिवपेट बाजार से टमाटर चोरी

संगारेड्डी, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदमाशों ने मंगलवार को सदासिवपेट के सब्जी बाजार में एक सब्जी विक्रेता की दुकान से 250 किलोग्राम वजन वाले टमाटर के 10 बक्से चुरा लिए। विक्रेता नरेश ने अपनी शिकायत में कहा कि बदमाश 250 किलोग्राम वजन वाले टमाटर के 10 बक्से और सेम के छह बैग लेकर फरार हो गए। चूंकि टमाटर की एक पेटी 4,000 रुपये में बिक रही थी, इसलिए नरेश ने चोरी गए माल की कीमत 45,000 रुपये बताई है. सदाशिवपेट पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

शिक्षिका ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। व्यक्तिगत समस्याओं से परेशान होकर एक निजी स्कूल की शिक्षिका ने मंगलवार को घटकेसर में अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। नलगोंडा जिले की एम.विजया (33) की शादी एक निजी कर्मचारी अशोक से हुई थी और दंपति के दो बच्चे हैं। परिवार एनएफसी नगर में रहता है।

अग्रवाल समाज द्वारा श्रीसैलम में यात्री निवास के निर्माण की पहल शुरू

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं श्रीसैलम समिति के सदस्यों ने विजयवाड़ा में पार्थसारथी, एमएलए पोन्नामुलूर एवम आंध्रा प्रदेश के एंडोमेंट मंत्री कोट्टू सत्यनारायण से श्रीसैलम में अग्रवाल समाज की एक यात्री निवास बनाने के लिए जमीन उपलब्ध हेतु भेंट की। समिति ने बताया कि समाज द्वारा श्रीसैलम में 100 कमरों का एक यात्री निवास बनाने का प्रस्ताव है और इस कार्य के लिए एक समिति गठित की गई है। इसी क्रम में कार्य करते हुआ समिति के सदस्यों द्वारा आज मंत्री एवं विधायक से विजयवाडा में भेंट की और मंत्री को यात्री निवास से सम्बन्धित योजना के संबंध में अवगत कराया तथा अनिवार्य दस्तावेज सौंपे। इस अवसर पर विजयवाड़ा निवासी राजेश पोद्दार भी उपलब्ध थे। अध्यक्ष मनीष ने मंत्री को आश्वासन दिया कि यात्री निवास का निर्माण पूर्ण रूप से प्रशासनिक निर्देशों के अनुसार होगा। यह यात्री निवास श्रीसैलम में अग्रवाल समाज का प्रथम भवन होगा। यात्री निवास के निर्माण में यात्रीगण की सुविधाओं का पुरा ध्यान रखा जायेगा।आज यह मंत्री जी से दूसरी भेंट थी। इस भेंट में अध्यक्ष मनीषजी के अतिरिक्त समिति के कमल अग्रवाल, आशीष दोचानिया, अचल गुप्ता, नितिन अग्रवाल, राकेश कुमार जालान आदि उपस्थित थे। मंत्री ने समाज को गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली और बहुत प्रसन्न हुए। इस यात्री निवास निर्माण कार्य हेतु एक समिति का गठन किया गया। समिति में निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार समिति चेयरमैन तथा कमल अग्रवाल, राकेश कुमार जालान, मनोज अग्रवाल, धीरज अग्रवाल वाइस चेयरमैन रहेंगे। अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने मंत्री और विधायक का सहयोग के लिए आभार जताया।

ऑपरेशन मुस्कान-एलएक्स के माध्यम से 73 बच्चों को बचाया गया : एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने कहा कि जिले भर में बच्चों को अधिकार दिलाने के लिए ऑपरेशन मुस्कान-एलएक्स टीम द्वारा 1 से 31 जुलाई तक किया गया रेस्क्यू ऑपरेशन रंग लाया है। उन्होंने बताया कि जिले में दो प्रमंडलों में कुल 30 लड़के-लड़कियों को चिन्हित किया गया है। आसिफाबाद डिवीजन में 17 लड़के और कागज नगर डिवीजन में 13 लड़के, कुल 30 लड़के हैं।

जनवरी में, ऑपरेशन स्माइल के माध्यम से 42 लड़कों और एक लड़की सहित 43 बच्चों को बचाया गया था। एसपी ने बताया कि इस वर्ष ऑपरेशन स्माइल और ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से कुल 73 बच्चों को सुरक्षित किया गया है। पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, श्रम विभाग और बाल संरक्षण विभाग के अधिकारी इस अभियान का हिस्सा नहीं होंगे। इन सभी पदाधिकारियों के समन्वय से जिले में श्रमिकों की पहचान कर उन्हें विद्यालय में नामांकन कराने के लिए सभी ने कड़ी मेहनत की।उन्होंने चेतावनी दी कि बाल श्रम को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किये जायेंगे और कानूनी कार्रवाई की जायेगी. 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर रखने वाले नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाया गया। पुलिस की मौजूदगी में अभिभावकों को समझाइश दी गई। इसके अलावा, संबंधित क्षेत्रों में बच्चों के माता-पिता को परामर्श दिया गया और उन्हें बच्चों को दोबारा नियोजित करने पर किए जाने वाले उपायों से अवगत कराया गया। बाल श्रमिकों को देखने वाले किसी भी व्यक्ति से अनुरोध है कि वह डायल-100 या 1098 पर कॉल करें और जानकारी प्रदान करें। हेड कांस्टेबल सत्यनारायण आसिफाबाद डिवीजन के प्रभारी थे और एसएसआई कल्याण कागजनगर डिवीजन के प्रभारी थे।

राहत निधि के तहत 5,000 करोड़ रुपये जारी करे केंद्र : चाडा

हनमकोंडा, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ सीपीआई नेता और पूर्व विधायक चाडा वेंकट रेड्डी ने राज्य में भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान के मद्देनजर केंद्र से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से तेलंगाना को 5,000 करोड़ रुपये प्रदान करने की मांग की है। बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का 500 करोड़ रुपये का आवंटन अपर्याप्त था। संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ को रोकने के लिए स्थायी उपायों की आवश्यकता पर जोर देते हुए, वेंकट रेड्डी ने राज्य सरकार पर उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया, जिन्होंने जल निकायों, नालों और तालाबों पर संरचनाएं बनाईं, जिससे जीडब्ल्यूएमसी सीमा के तहत विभिन्न कॉलोनियों में बाढ़ की स्थिति खराब हो गई।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज की महिलाओं ने मनाया सावन का सैल

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद की महिलाओं ने कोटेश्वर महादेव मंदिर सिकंदराबाद में भगवान शिव की आराधना और सभी के मंगल कामना के साथ धूमधाम से सावन मिलन मनाया। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद के अध्यक्ष इंदिरा राय ने सभी का स्वागत किया।

इस मौके पर काफी संख्या में महिलाएं समारोह में पहुंची। महिलाओं ने गीत संगीत और सुंदर नृत्य से पूरे आयोजन में रंग भर दिया। सभी महिलाओं के उत्साह से आयोजन सफल रहा। उपस्थित महिलायें हरी साड़ियों और चूड़ियों में मनमोहक छटाये बिखेर रही थी। सभी महिलाओं ने मिलकर मेहंदी लगवाई, चूड़ियां पहनी, सभी महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर एवं चूड़ियां दे कर सावन की बधाई दी। मनोरमा शर्मा ने सुंदर कविता पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अमृता राय ने भी कविता का पाठ कर खूब तालिया बटोरी। इस अवसर पर सखियों द्वारा सावन के लोकगीत प्रस्तुत किए गये। अंशु चौधरी, अंशु ठाकुर, किरण, कुसुम लता, विजया पांडेय, अलका सिंह, उर्मिला पांडे, छाया राय, विभा सिंह, माया राय, नीलम राय, विमला राय, निशु सिंह, राजू सिंह, नीलम राय, उषा प्रधान, सुनीता सिंह, रमा सिंह, जामवंती राय आदि के मधुर संगीत एवं भजन से वातावरण संगीतमय हो गया। पूरे आयोजन में सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

सीएसआईआर का वन वीक-वन लैब कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केन्द्र (सीसीएमबी), हैदराबाद 1 से 5 अगस्त तक सीएसआईआर के वन वीक-वन लैब समारोह के अंतर्गत कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों, उद्योगों, किसानों, वन्यजीव अधिकारियों और नीति निर्माताओं के लिए खुला रहेगा। इस साल की शुरुआत में माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा उद्घाटन किया गया वन वीक, वन लैब प्रत्येक सीएसआईआर प्रयोगशाला को अपने विज्ञान और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से संबंधित हितधारकों को एक सप्ताह समर्पित करता है। सीसीएमबी के वन वीक, वन लैब अभियान का उद्घाटन सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन कलैसेल्वी ने किया। उन्होंने कहा कि "निरंतरता आज की जरूरत है, और इसके लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और उद्योगों को एक साथ सहयोग करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में सीसीएमबी के अटल इन्क्यूबेशन सेंटर के सीईओ डॉ. मधुसूदन राव ने भी अपना संबोधन दिया और शिक्षा और उद्यमिता के बीच अंतर को दूर करने पर जोर दिया। इसके बाद वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं के बीच एक विचार-मंथन सत्र हुआ कि कैसे संक्रामक रोगों पर नज़र रख कर और उन पर रोक लगाने के लिए भारतीय शहरों में अपशिष्ट जल निगरानी का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है।

सीएसआईआर-सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय नंदिकूरी ने कहा कि सप्ताह भर चलने वाले उत्सव के दौरान, सीसीएमबी वैज्ञानिक इस बात पर चर्चा करेंगे कि कैसे जीवन विज्ञान में अत्याधुनिक उपकरण हमें न केवल जीवित प्रणालियों को समझने में मदद करते हैं, बल्कि संक्रामक रोगों, वन्यजीव संरक्षण, कृषि आदि समस्याओं का समाधान भी करते हैं।

एनएमडीसी ने जुलाई 2023 तक रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन किया

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इस्पात मंत्रालय के अधीन नवरत्न खनिक एनएमडीसी ने जुलाई 2023 तक 13.15 मिलियन टन का उत्पादन और 14.18 मिलियन टन की बिक्री की सूचना दी है जो स्थापना के बाद से किसी भी समान अवधि में उच्चतम उत्पादन का रिकॉर्ड है। यह उत्पादन और बिक्री में क्रमशः 20% और 33.5% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाता है। खनन क्षेत्र के इस प्रमुख संगठन ने जुलाई के महीने में 2.44 मिलियन टन का उत्पादन किया और 3.03 मिलियन टन लौह अयस्क की बिक्री की है, जो उत्पादन और बिक्री में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में महीने-दर-महीने क्रमशः 19% और 2.7% की वृद्धि दर्शाता है। मजबूती से आगे बढ़ते हुए, राष्ट्रीय खनिक ने वित्त वर्ष 2024 में अब तक रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। 100 मिलियन टन की खनन कंपनी बनने का मार्ग प्रशस्त करते हुए एनएमडीसी लगातार दो वित्त वर्ष में 40 मिलियन टन के ऐतिहासिक उत्पादन को पार करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) ने कहा कि एनएमडीसी वित्त वर्ष 2024 में अब तक रिकॉर्ड तोड़ लौह अयस्क उत्पादन कर रहा है। विगत दो वर्षों में निरंतर 40 मिलियन टन से अधिक वार्षिक उत्पादन के साथ, कंपनी के इतिहास में जुलाई 2023 तक किसी भी समान अवधि की तुलना में, उच्चतम उत्पादन की हमारी उपलब्धि हमारी क्षमता और तत्परता का प्रमाण है। विस्तार और प्रौद्योगिकी के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता हमारे विकास को चौतरफा और भौगोलिक रूप से सक्षम कर रही है। हम इस गति को बनाए रखते हुए एक वैश्विक खनन कंपनी बनने के लिए के लिए अपनी क्षमता का उपयोग करते रहेंगे।

सरकार की पहल को आम लोगों तक पहुंचाए बीआरएस कैडर : केटीआर

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने सोमवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान पार्टी नेताओं से तेलंगाना सरकार द्वारा लिए गए जन-समर्थक फैसलों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने राज्य सरकार के प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पार्टी कैडर को व्यक्तिगत रूप से और मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंगलवार को पार्टी के सांसदों, विधायकों, एमएलसी, पार्टी महासचिवों और जिला पार्टी अध्यक्षों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस में, रामा राव ने कहा कि 21,000 ग्राम राजस्व सहायकों (वीआरए) को सरकारी कर्मचारियों के रूप में मान्यता देने का राज्य सरकार का कदम प्रशासन के मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) को राज्य सरकार के साथ विलय करने और सभी आरटीसी कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों के रूप में शामिल करने का नवीनतम निर्णय भी इसी दिशा में लिया गया था। इन निर्णयों के मद्देनजर, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं से आरटीसी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राज्य भर के सभी बस डिपो के सामने समारोह आयोजित करने को कहा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वे विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में वीआरए और आरटीसी कार्यकर्ताओं के परिवारों के साथ विशेष बैठकें आयोजित करें। राज्य में अनाथों के मुद्दे को संबोधित करते हुए, रामाराव ने सभी अनाथों को एक नीति के तहत लाने और उनकी भलाई के लिए राज्य सरकार पर पूरी जिम्मेदारी डालने के लिए सरकार के दयालु दृष्टिकोण की सराहना की।

विकासात्मक परियोजनाओं के बारे में बोलते हुए, रामा राव ने राज्य की राजधानी में मौजूदा हैदराबाद मेट्रो रेल को उल्लेखनीय 415 किलोमीटर तक विस्तारित करने के निर्णय पर प्रकाश डाला। उन्होंने पार्टी नेताओं से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर समारोह आयोजित करने का आह्वान किया, जहां विस्तार के बाद मेट्रो रेल उपलब्ध होगी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस कदम से हैदराबाद में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली मजबूत होगी और शहर के विस्तार के लिए सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि मेट्रो विस्तार पूरा होने के बाद हैदराबाद के आसपास के क्षेत्रों के विकास में भी तेजी आएगी।

अग्रवाल समाज उत्तरांचल नारी शक्ति शाखा ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज उत्तरांचल नारी शक्ति महिला शाखा द्वारा पुरुषोत्तम मास के अवसर पर अनुदान का आयोजन गांधी अस्पताल के पास किया गया शाखा की अध्यक्ष बीना चांदगोठिया द्वारा अग्रवाल समाज तेलंगाना सेंट्रल कमिटी की संयुक्त मंत्री श्रीमती कंचन अग्रवाल का स्वागत मुख्य अतिथि के रूप में किया गया व उन्होंने अनुदान कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में शाखा की अध्यक्ष बिना चांदगोठिया, उपाध्यक्ष पूनम जैन, मानद मंत्री दीपा भलोटिया, संयुक्त मंत्री प्रीति अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य रेनू अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य श्वेता केजरीवाल, संगीता अग्रवाल, कृष्णा गोयंका, गौरी ढाणी, रेनू अग्रवाल, व अन्य सदस्य सीमा कंदोई, ममता अग्रवाल, रेनू तायल, ललिता गोयल, लता अग्रवाल, स्वीटी जैन, सुमन अग्रवाल, विधि तिलोकी, संजू ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति सेवाएं देकर कार्यक्रम के उद्देश को सार्थक किया।

पार्षद ने की भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने अपने समर्थकों एवं शुभचिंतकों के साथ सभी लोगों की भलाई के लिए श्रावण के शुभ अवसर पर भगवा वस्त्र धारण कर शंभाजी नगर स्थित भगवान शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देशवासियों की मंगलकामना की। इस अवसर पर अमर सिंह राजपुरोहित, डी. श्रीनिवास यादव, शैलेंदर यादव, मयूर, राजू यादव, अनिल यादव, रामकृष्ण, शिवा गुट्टेडर आदि शामिल रहे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित होने वाले तीर्थ यात्रा श्रृंगी ऋषि महोत्सव, शारदा पीठ श्रृंगेरी, कर्नाटक के संदर्भ में समिति के सदस्यों की बैठक जगदीश उपाध्याय के कार्यालय पर सम्पन्न हुई।

बैठक में श्रृंगेरी एवं विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा पर चर्चा हुई। बैठक में तीर्थ यात्रा के लिए आये नामों पर चर्चा की गई। तीर्थ यात्रा के लिए समिति 150 तीर्थ यात्रियों का प्रावधान रखा गया था, परन्तु तीर्थ यात्रा के लिए 200 आवेदन आए। अतः तीर्थ यात्रा के लिए पंजीकरण को रोक दिया गया है। 25 अगस्त तक केवल श्रृंगेरी यात्रा का पंजीकरण किया जाएगा। शारदा पीठ श्रृंगेरी में आयोजित श्रृंगी ऋषि महोत्सव के अंतर्गत श्रीमदभागवत कथा, श्रृंगी ऋषि के जीवन पर मंचन, गंगा आरती, ऋषि श्रृंगा मंदिर किगा में अभिषेक एवं प्रसाद, मूल पाठ, कलश यात्रा, शरदांबा की पूजा एवं अन्य कार्यक्रम होंगे। बैठक में पंजीकरण एवं विभिन्न कार्यों की समितियों का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसमिति से सभी निर्णय लिए।

बैठक में अध्यक्ष भगवान व्यास, मंत्री श्यामसुंदर तिवारी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा, उपाध्यक्ष जगदीश तिवारी, उपाध्यक्ष रामदेव नगला, उपमंत्री भगवान तिवारी, सह कोषाध्यक्ष संपतलाल व्यास, कार्यकारिणी सदस्य सुनील व्यास, रामदेव तिवारी, दामोदर व्यास, विनोद व्यास, नरसिंह जोशी, रामनारायण तिवारी, महेश व्यास उपस्थित थे।

तांडूर स्थित श्री भूकैलाश मंदिर में तेलंगाना वैष्णव समाज बंधुओं द्वारा आयोजित हरियाली सावन की सैर में पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष विष्णु रामावत, भंवरलाल अग्रावत, बाबूलाल, संतोष टीलावत व समाजबंधु।

आईसीसी ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप का पोस्टर रिलीज किया

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 5 अक्टूबर को खेला जाएगा

भारत का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया से

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले 2023 वनडे वर्ल्ड कप का पोस्टर रिलीज कर दिया है। पोस्टर में ट्रॉफी के साथ टूर्नामेंट में खेलने वाली सभी 10 टीमों के कप्तान दिख रहे हैं।

ट्रॉफी के सबसे करीब इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं। ऑस्ट्रेलिया पांच बार की वनडे वर्ल्ड कप विजेता है, जबकि इंग्लैंड मौजूदा चैंपियन है।

बटलर के बाईं ओर भारत के कप्तान रोहित शर्मा हैं, उनके बाद अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी, श्रीलंका के दासुन शनाका और न्यूजीलैंड के टॉम लाथम हैं।

कमिंस के दाईं ओर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, बांग्लादेश के तमीम इकबाल और जिम्बाब्वे के क्रेग एर्विन हैं। इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी।

वर्ल्ड कप में इंडिया के 9 मैच

1. इंडिया Vs ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई	8 अक्टूबर
2. इंडिया Vs अफगानिस्तान	दिल्ली	11 अक्टूबर
3. इंडिया Vs पाकिस्तान	अहमदाबाद	15 अक्टूबर
4. इंडिया Vs बांग्लादेश	पुणे	19 अक्टूबर
5. इंडिया Vs न्यूजीलैंड	धर्मशाला	22 अक्टूबर
6. इंडिया Vs इंग्लैंड	लखनऊ	29 अक्टूबर
7. इंडिया Vs क्वालिफायर-2	मुंबई	2 नवंबर
8. इंडिया Vs साउथ अफ्रीका	कोलकाता	5 नवंबर
9. इंडिया Vs क्वालिफायर-1	बेंगलुरु	11 नवंबर

टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर से

टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड और रनर-अप न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ होगी। फाइनल मुकाबला भी यहीं खेला जाएगा। टूर्नामेंट का सबसे चर्चित मैच, यानी भारत-पाकिस्तान मुकाबला भी 15 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही होगा।

भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा

भारत ने आखिरी बार 2011 में घरेलू धरती पर वनडे वर्ल्ड कप जीता था। वहीं 2015 में ऑस्ट्रेलिया और 2019 में इंग्लैंड ने खिताब जीता है। हालांकि भारत के वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले के साथ होगी। यह मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा।

पहला सेमीफाइनल 15 नवंबर को मुंबई में और दूसरा अगले दिन कोलकाता में होगा। सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे होंगे और तीनों डे-नाइट मैच होंगे।

आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान, बुमराह कप्तान

रोहित-कोहली और पंड्या समेत सभी सीनियर प्लेयर्स को आराम

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। 18 अगस्त से शुरू हो रहे आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। करीब एक साल बाद चोट से वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पंड्या जैसे सभी सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है।

यह सीरीज टीम इंडिया के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे जसप्रीत बुमराह वापसी कर रहे हैं। भारतीय टीम को अगले महीने एशिया कप और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में वर्ल्ड कप खेलना है। ऐसे में बुमराह की फॉर्म के साथ वापसी होती है तो टीम मजबूत होगी।

टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ तीन टी-20 मुकाबले खेलेगी। टीम कैरेबियाई दौरे से सीधे आयरलैंड के लिए रवाना होगी। ग्राफिक्स में देखिए शेड्यूल...

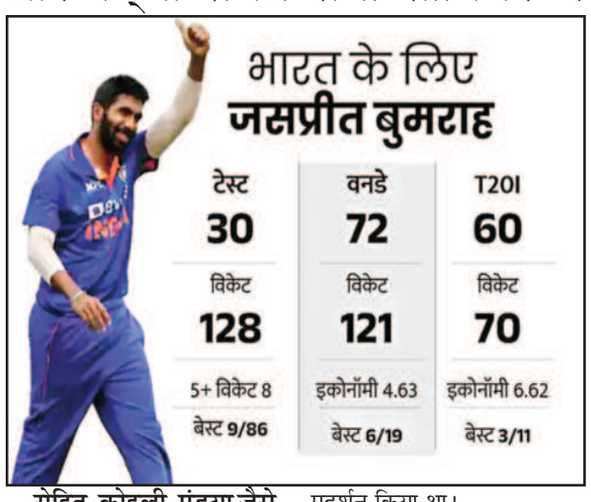

रोहित, कोहली, पंड्या जैसे सीनियर्स को आराम

भारतीय सिलेक्टर्स ने आयरलैंड दौरे के लिए कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पंड्या जैसे लगभग सभी सीनियर्स को आराम दिया है, जबकि तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा जैसे IPL स्टार्स को टीम में मौका दिया गया है। इन सभी ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था।

10 माह बाद टीम में वापसी कर रहे हैं बुमराह

जसप्रीत बुमराह करीब एक साल के बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं। वे पीठ की चोट के बाद एनसीए में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। बुमराह ने न्यूजीलैंड में अपनी बैक सर्जरी भी कराई थी। बुमराह ने आखिरी मुकाबला 25 सितंबर 2022 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैदराबाद में खेला था।

चोट के कारण एशिया कप, टी-20 वर्ल्ड कप और डब्ल्यूटीसी फाइनल से दूर रहे बुमराह

बुमराह बेंगलुरु के NCA में रिहैब कर रहे हैं। वे सितंबर 2022 से क्रिकेट से दूर हैं। बुमराह बैक इंजरी की वजह से पिछले साल टी-20 एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा नहीं थे।

आयरलैंड दौरे के लिए घोषित भारतीय टीम

जसप्रीत बुमराह (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान।

क्या भारतीय क्रिकेट में सब कुछ नॉर्मल है?

टीम से जुड़े 4 घटनाक्रम बढ़ा रहे संदेह, टीम बस में पोर्ट ऑफ स्पेन नहीं गए कोहली

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज दौरे पर गलत वजहों से चर्चा में है। वेस्टइंडीज की बेहद कमजोर मानी जाने वाली टीम ने भारत को दूसरे मुकाबले में हरा दिया। पहले मैच में भी 115 रन के साधारण टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने 5 विकेट गंवा दिए थे।

कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों इस मैच में नहीं खेले थे। ये दोनों पहले मैच में भी बैटिंग के लिए नहीं आना चाह रहे थे। कोच राहुल द्रविड़ ने इसे प्रयोग का नाम दिया। उन्होंने कहा कि एशिया कप और वर्ल्ड कप आने वाला है, इसके लिए टीम में कुछ प्रयोग किए जा रहे हैं। बकौल द्रविड़ लोगों को बड़ी तस्वीर देखनी चाहिए, छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

हालांकि, वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम सिलेक्शन से लेकर अब तक हुए 4 डेलवलपमेंट ने यह संदेह बढ़ा दिया है कि टीम इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा है।

एक-एक कर उन चारों डेवलपमेंट को देखते हैं और फिर समझते हैं कि इनसे क्या सवाल खड़े हो रहे हैं?

पहला डेवलपमेंट- टीम सिलेक्शन

चयनकर्ताओं ने रोहित और विराट दोनों को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए टीम में चुना। इन खिलाड़ियों का चयन तभी होता है, जब ये मैच के लिए अवेलेबल हों। ऐसा नहीं होने पर इनको रेस्ट दिया जाता है।

इसका मतलब है कि सिलेक्टर्स चाहते थे कि ये दोनों वनडे सीरीज में खेलें। भारत में होने वाले वर्ल्ड कप से पहले सिलेक्टर्स की कोशिश थी कि सभी खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा टाइम मिले। लेकिन, वेस्टइंडीज दौरे पर अब तक जो कुछ भी हुआ उससे लगता है कि सिलेक्टर्स और टीम मैनेजमेंट इस मामले में एक पेज पर नहीं हैं। कैसे नहीं हैं, इसे अगले तीन पॉइंट्स से समझते हैं।

भारतीय टीम के ऐलान की पूरी खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें सिलेक्शन की पूरी खबर

दूसरा डेवलपमेंट- पहले वनडे का बैटिंग ऑर्डर

27 जुलाई को पहले वनडे में भारत ने विंडीज टीम को 114 रन पर ऑल आउट कर दिया। 115 रन के छोटे से टारगेट को चेज

करने के लिए टीम मैनेजमेंट ने बैटिंग आर्डर में बड़ा बदलाव किया। इस दिन कप्तान रोहित और कोहली अपने-अपने नंबर पर बैटिंग करने नहीं उतरे। रोहित ने कुछ ओवर्स बैटिंग की, वो भी मजबूरी में, क्योंकि 115 रनों के मामूली-से टारगेट को हासिल करने में टीम ने 5 विकेट गंवा दिए थे।

तीसरा डेवलपमेंट- दूसरे वनडे में रोहित और विराट का प्लेइंग-11 से अलग होना

पहला वनडे जीतने के बाद दूसरे वनडे में हार्दिक पंड्या टॉस कराने पहुंचे। मतलब साफ था कि रोहित मैच में नहीं खेल रहे। बाद में पता चला कि कोहली को भी आराम दिया गया है। नतीजा यह रहा कि भारतीय टीम का मिडिल ऑर्डर कमजोर हो गया है और टीम दूसरा वनडे 6 विकेट से हार गई।

पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 181 रन का स्कोर बनाया। जवाब में वेस्टइंडीज ने चार विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

चौथा डेवलपमेंट- तीसरे वनडे के लिए विराट का टीम के साथ पोर्ट ऑफ स्पेन न पहुंचना

तीसरे और निर्णायक मुकाबले से पहले विराट कोहली टीम के साथ पोर्ट ऑफ स्पेन नहीं पहुंचे हैं, जहां मुकाबला खेला जाना है।

इन चारों फैक्टर को जानने के बाद कुछ सवाल उठ रहे हैं जिनका जवाब अब तक न तो टीम मैनेजमेंट ने दिया और नही सिलेक्टर्स ने या BCCI के किसी ऑफिशियल ने...

पहला सवालः जब रोहित और विराट को वनडे सीरीज में नहीं खेलना था तो इनका सिलेक्शन क्यों हुआ? इनकी जगह दो यंगस्टर्स को स्क्वॉड में शामिल किया जा सकता था।

दूसरा सवालः क्या टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स के रिश्ते ठीक हैं? सिलेक्टर्स किसी टूर के लिए टीम सिलेक्ट करते हैं तो कप्तान और कोच से सलाह लेते हैं। जाहिर है रोहित और विराट को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना है या नहीं इस पर बात हुई होगी। क्या टीम सिलेक्शन के समय से इस मसले पर मतभेद था?

तीसरा सवालः अगर प्रयोग करना था तो क्या इसकी जानकारी पूरे सिस्टम को नहीं थी? वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में रोहित और विराट अपनी पोजीशन पर बैटिंग के लिए नहीं आए। रोहित नंबर 7 पर उतरे, विराट की बैटिंग नहीं आई। दूसरे वनडे में ये दोनों नहीं खेले। कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि वर्ल्ड कप के लिए प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि इस तरह के प्रयोग की योजना क्या बीच दौरे पर बनी, क्योंकि सिलेक्टर्स ने तो रोहित और विराट को खेलने के लिए भेजा था।

चौथा सवालः क्या रोहित और विराट के बीच सबकुछ ठीक है? 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के आसपास भारतीय क्रिकेट में कप्तानी विवाद भी हुआ था। विराट ने पहले टी-20 की कप्तानी छोड़ी। फिर उनसे वनडे की कप्तानी ले ली गई। इसके बाद उन्होंने साउथ अफ्रीका दौरे पर टेस्ट की कप्तानी भी छोड़ने की घोषणा की। रोहित तीनों फॉर्मेट में कप्तान बना दिए गए। इसके बाद से ही रोहित और विराट में अनबन की खबरें आ रही हैं। हालांकि, किसी ने इसकी पुष्टि नहीं की। वेस्टइंडीज दौरे पर जिस तरह विराट मैच के बाद अलग-थलग रहने की कोशिश कर रहे हैं उससे यह सवाल उठता है कि क्या कप्तान रोहित शर्मा के साथ उनके रिश्ते ठीक चल रहे हैं?

हैदराबाद हाफ मैराथनः

सचिन और गोपीचंद दिखाएंगे मैराथन को हरी झंडी, तीन श्रेणियों में होगी प्रतियोगिता

हैदराबाद, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हाफ मैराथन के अलावा हैदराबाद पांच नवंबर को प्रतिष्ठित आईएयू (अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रारनर्स एसोसिएशन) की 50 किमी विश्व चैंपियनशिप 2023 की मेजबानी भी करेगा। यह पहला अवसर होगा जबकि भारत में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद पांच नवंबर को यहां एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस हैदराबाद हाफ मैराथन 2023 को हरी झंडी दिखाएंगे। हैदराबाद हाफ मैराथन तीन श्रेणियों 21.1 किमी (हाफ मैराथन), 10 किमी और पांच किमी में आयोजित की जाएगी।

हाफ मैराथन के अलावा हैदराबाद पांच नवंबर को प्रतिष्ठित आईएयू (अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रारनर्स एसोसिएशन) की 50 किमी विश्व चैंपियनशिप 2023 की मेजबानी भी करेगा। यह पहला अवसर होगा जबकि भारत में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस 50 किमी विश्व चैंपियनशिप 2023 को आईएयू और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से मान्यता हासिल है। इसमें अमेरिका, जापान, जर्मनी, चीनी ताइपे, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और भारत सहित कई देश भाग लेंगे।

देवधर ट्रॉफी में फिर गरजा रियान पराग का बल्ला, जड़ा शानदार शतक

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। रियान पराग का बल्ला देवधर ट्रॉफी में जलवा बिखेर रहा है। असम के इस युवा बल्लेबाज ने सीजन में अपनी दूसरी शतकीय पारी खेली है। ईस्ट जोन की तरफ से खेलते हुए रियान पराग ने 66 गेंदों में वेस्ट जोन के खिलाफ शानदार शतक लगाया।

छटवें नंबर पर आकर जमाया शतक

रियान पराग ने छटवें नंबर पर आकर शानदार बल्लेबाजी करते हुए 68 गेंदों में 102 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 6 शानदार चौके और पांच जबरदस्त छक्के लगाए। उन्होंने कुशाग्र के साथ मिलकर छटवें विकेट के

लिए 106 गेंदों में 150 रनों की पाटर्नरशिप की। जिससे इस्ट जोन का स्कोर 319 रनों तक पहुंच गया।

नार्थ जोन के खिलाफ भी बनाया था शतक

इससे पहले रियान पराग ने नॉर्थ जोन के खिलाफ भी शानदार शतक लगाया था। पराग ने 102 गेंदों में 131 रनों की जबरदस्त पारी खेली थी। जिसमें उन्होंने 11 जबरदस्त छक्के और 5 शानदार चौके लगाए थे। पराग का यह सीजन में पहला शतक था।

लिस्ट-ए में पांचवां शतक

बता दें कि घरेलू सीजन में असम के इस युवा बल्लेबाज का बल्ला जमकर चल रहा है। वह अब तक अपने लिस्ट-ए करियर में पांच शतक लगा चुके हैं। जिसमें 174 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसके अलावा पराग ने पांच अर्धशतक भी लगाए हैं। वह 41 पारियों में 38 से ज्यादा की औसत से 1500 रनों का आंकड़ा पार कर चुके हैं, जिसमें उनके 48 विकेट भी शामिल है।

फीफा महिला विश्व कपः नाइजीरिया ने बनाई अंतिम-16 में जगह, आयरलैंड से खेला ड्रॉ; जांबिया को मिली पहली जीत

ब्रिसबेन, 1 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व की 40वें नंबर की टीम नाइजीरिया अपने ग्रुप के तीनों मैंच हारी नहीं है। साथ ही उसने सह-मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से शिकस्त भी दी थी। पहले हाफ में दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए। नाइजीरिया की टीम ने सोमवार को आयरलैंड के खिलाफ गोलरहित (0-0) ड्रॉ खेलकर महिला फुटबॉल विश्व कप के अंतिम-16 में जगह बनाई। नाइजीरिया ग्रुप-बी में सह-मेजबान ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, आयरलैंड पहली बार इस टूर्नामेंट में खेल रहा है और उसे पहली बार एक अंक मिला।

विश्व की 40वें नंबर की टीम नाइजीरिया अपने ग्रुप के तीनों मैंच हारी नहीं है। साथ ही उसने सह-मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से शिकस्त भी दी थी। पहले हाफ में दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए। आयरलैंड की कैटी का शॉट गोल पोस्ट के ऊपर से चला गया। नाइजीरिया के पास 52वें मिनट में गोल करने का मौका था, लेकिन आयरलैंड की गोलकीपर कोर्टनी ब्रॉसनन ने गोल होने नहीं दिया।

वेलिंगटन में हुए मैच में जापान ने पहले हाफ में तीन गोल दागकर ग्रुप-सी में स्पेन को 4-0 से हरा दिया। जापान ग्रुप में शीर्ष पर रहा। जापान के लिए हिनाता मियाजावा

(12वें और 40वें मिनट) ने दो गोल दागे, जबकि रिको उकी (29वें मिनट) और मिना तनाका (82वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। दोनों टीम पहले ही अंतिम-16 में जगह पक्की कर चुकी हैं। जापान ने लगातार चौथी जबकि स्पेन ने लगातार दूसरी बार यह उपलब्धि हासिल की। कोस्टारिका के खिलाफ 3-0 की जीत से स्पेन बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर था। जापान अंतिम-16 में शनिवार को ग्रुप-ए के उप-विजेता नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि स्पेन को इसी ग्रुप के विजेता स्विट्जरलैंड की चुनौतियों का सामना करना है। जांबिया ने कोस्टारिका को 3-1 से हराकर महिला विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। दोनों टीमें नॉकआउट से पहले ही बाहर हो चुकी हैं। जांबिया के लिए पहला गोल दो मिनट 11वें सेकंड में लुशोमो एमवीबा ने किया जो टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल है। बारबरा बांडा ने 31वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। कोस्टारिका के लिए एकमात्र गोल 47वें मिनट में मेलिसा हेरेरा ने किया।

डेविस कपः मोरक्को के खिलाफ मैच के लिए दिग्विजय भारतीय टीम में

बोपन्ना खेलेंगे अंतिम डेविस कप टाई

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय टेनिस संघ ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी रैंकिंग, उपलब्धता और मौजूदा फॉर्म के आधार पर किया गया है। टेनिस संघ ने कहा कि पांच खिलाड़ी साकेत माइनेनी, मनंद, मनीष सूर्यकुमार, करण सिंह और युवान नांदल मुख्य टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे।

दिग्विजय प्रताप सिंह को मोरक्को के खिलाफ लखनऊ में होने वाले डेविस कप टेनिस विश्व ग्रुप दो के मुकाबले के लिए भारत की छह सदस्यीय टीम में चुना

गया है। लखनऊ में 16 और 17 सितंबर को होने वाले मुकाबले के लिए भारतीय टीम में सुमित नागल, शशिकुमार मुकुंद, युकी भांबरी, रामकुमार रामनाथन और रोहन बोपन्ना को भी चुना गया है।

भारत के 43 साल के अनुभवी खिलाड़ी रोहन बोपन्ना का यह अंतिम डेविस कप मुकाबला माना जा रहा है।

युगल के इस विशेषज्ञ खिलाड़ी ने पिछले महीने कहा था कि वह अपने डेविस कप कॅरिअर को अब विराम देना चाहते हैं। रोहित राजपाल टीम के गैर खिलाड़ी कप्तान होंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी रैंकिंग, उपलब्धता और मौजूदा फॉर्म के आधार पर किया गया है। टेनिस संघ ने कहा कि पांच खिलाड़ी साकेत माइनेनी, मनंद, मनीष सूर्यकुमार, करण सिंह और युवान नांदल मुख्य टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे। इस साल भारतीय टीम विश्व ग्रुप प्लेआफ में डेनमार्क से 2-3 से हारने के बाद विश्व ग्रुप-2 में पहुंच गई है।

इंग्लैंड ने पांचवां ऐशेज टेस्ट जीताःअली-वोक्स ने दूसरी पारी में झटके 7 विकेट, सीरीज 2-2 से ड्रॉ; ऑस्ट्रेलिया रखेगा ट्रॉफी

लंदन, 1 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंदन के ओवल मैदान में ऐशेज सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट खेला गया। मुकाबले में इंग्लैंड ने टेस्ट 49 रन से जीत कर सीरीज 2-2 से बराबर की। चौथा टेस्ट बारिश के कारण ड्रॉ हो गया था।

ऑस्ट्रेलिया ने इस साल सीरीज पर कब्जा जमा लिया। ऐशेज की ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास ही रहेगी क्योंकि टीम ने पिछली ऐशेज सीरीज जीती थी। दूसरी पारी में

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 395 रन बना कर ऑस्ट्रेलिया को 384 रन का टारगेट दिया था। पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत तो ठीक की, लेकिन आखिरी में 334 रन बना कर टीम ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के पेसर क्रिस वोक्स और स्पिनर मोईन अली ने मिल कर 7 विकेट झटके और पूरा गेम पलट दिया।

2015 के बाद से ऑस्ट्रेलिया एक भी ऐशेज सीरीज नहीं हारा है। ऑस्ट्रेलिया ने 2017/18 ऐशेज जीत के बाद से अपना दबदबा बनाया और इंग्लैंड में 2019 में केवल एक बार सीरीज ड्रॉ की। 2021 में भी ऑस्ट्रेलिया ने अपने घर में इंग्लैंड को 4-0 से हराया था। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर्स ने पांचवें दिन का खेल आगे बढ़ाया। डेविड वार्नर और उस्मान ख्वाजा के बीच 140 रन की पार्टनरशिप हुई। वार्नर 60 रन बना कर पवेलियन लौटे।

बाढ़ स्थिति को लेकर टीपीसीसी टीम ने की राज्यपाल से मुलाकात

बाढ़ पीड़ितों के लिए मदद की गुहार लगाई

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में टीपीसीसी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राजभवन में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन से मुलाकात की और उन्हें शहर में बाढ़ और भारी बारिश के कारण हुई स्थिति के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, विक्रमार्क ने कहा कि उन्होंने राज्य में भारी बारिश के कारण हाल ही में आई अभूतपूर्व बाढ़ के कारण जान-माल के नुकसान, फसल क्षति और संपत्ति के नुकसान के बारे में जानकारी एकत्र की और राज्यपाल को इसके प्रभाव से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्यपाल से राज्य सरकार पर उन किसानों को प्रति एकड़ 50,000 रुपये का मुआवजा देने के लिए दबाव बनाने का आग्रह किया है, जिनकी फसल बर्बाद हो गई है और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों के लिए प्रति घर 5 लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 1 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य सरकार बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार के सदस्यों को 25 लाख का मुआवजा दे। भट्टी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लोगों को बाढ़ से होने वाली आपदा से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौसम विभाग के अधिकारियों द्वारा भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद सरकारी तंत्र की समय पर तैनाती के बिना समीक्षा करने में राज्य सरकार की उदासीनता के कारण इतना बड़ा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रमुख, मध्यम और छोटी सिंचाई परियोजनाओं के वार्षिक रखरखाव के लिए धन जारी नहीं करने में बीआरएस सरकार की लापरवाही के कारण भी तेलंगाना में बाढ़ आई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कालेश्वरम और सीतारमा परियोजनाओं के अवैज्ञानिक निर्माण के कारण राज्य में कई आदिवासी बस्तियों में बाढ़ आ गई और उन्होंने कहा कि अगर मुन्नार और केनेरसानी नदियों पर चेक बांध वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किए गए होते तो नुकसान नहीं होता। और निर्माण किया। विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि राज्य प्रशासन ऐसी संकट की स्थिति में राहत उपाय करने में विफल रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री केसीआर नौकरशाही का इस्तेमाल लोगों की जरूरतों के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक सीताक्का, पोडेम वीरैया और डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने सरकार से भद्राचलम और आदिलाबाद जिलों से एजेंसी के आदिवासी गांवों और आसपास के इलाकों में बचाव दल भेजने की अपील की है, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने उनकी पार्टी के विधायकों के अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया है। दोनों जिलों के आदिवासी बस्तियों और अन्य गांवों में भारी क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि सीएमकेसीआर, जिन्होंने अपनी पार्टी के विस्तार के लिए महाराष्ट्र राज्य में विमान भेजे थे, गोदावरी बाढ़ में डूबे एजेंसी क्षेत्रों में आदिवासी लोगों की मदद के लिए हेलीकॉप्टर नहीं भेज सके। राज्य संचालित टीएसआरटीसी को राज्य सरकार में विलय करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले पर उन्होंने इसे कांग्रेस पार्टी की जीत बताया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद आरटीसी को राज्य सरकार में विलय करने के कांग्रेस पार्टी के वादे ने राज्य सरकार को विलय का निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया था।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बीआरएस सरकार कांग्रेस सरकार के दौरान जमा की गई आरटीसी संपत्तियों को लूटना चाहती है, तो वे सड़कों पर आएंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे। विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस आरटीसी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए लड़ेगी। एआईसीसी सचिव और मंथनी विधायक श्रीधर बाबू, कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और अंजन कुमार यादव, पूर्व मंत्री पोन्नला लक्ष्मैया, पीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

विधेयक वापस भेजना मेरा इरादा नहीं : राज्यपाल

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी के खिलाफ नहीं हैं और राज्य सरकार को विधेयक वापस भेजना उनका इरादा नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि उनका विधेयकों को खारिज करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन उन्होंने उन कारणों को बताया कि क्यों कुछ विधेयकों को खारिज कर दिया गया है। मंगलवार को यहां राजभवन में मीडिया से बात करते हुए, डॉ. तमिलिसाई साउंडराजन ने हाल ही में आई बाढ़ के कारण हुई जान-माल की हानि और फसलों और संपत्तियों को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की और बताया कि वह जल्द ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगी। कुछ राजनीतिक दलों ने मुझसे संपर्क किया है और राज्य सरकार को राहत उपायों में त्वरित कार्रवाई करने का आदेश देने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है। इसके अलावा, मैंने राज्य सरकार से फसलों और संपत्तियों को हुए नुकसान पर रिपोर्ट भेजने के लिए कहा है। एक बार जब मुझे राज्य सरकार से रिपोर्ट मिल जाएगी, तो मैं इसे केंद्र सरकार को सौंपकर तत्काल मदद की मांग करूंगी। साथ ही, मैं जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लेने के लिए जल्द ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करूंगी।

सीएम केसीआर ने अन्ना भाऊ साठे के लिए भारत रत्न की मांग की

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से महाराष्ट्र के समाज सुधारक और लेखक अन्ना भाऊ साठे को मरणोपरांत भारत रत्न देने पर विचार करने की अपील की। महाराष्ट्र के वाटेगांव गांव में कवि की जयंती समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रूस जैसे देश ने उन्हें उच्च सम्मान दिया था, उनके योगदान को पहचाना और उन्हें देश में आमंत्रित करके सम्मानित किया, लेकिन उनका अपना देश, भारत, उनकी महानता को स्वीकार करने में विफल रहा है। उन्होंने महाराष्ट्र के लोगों को आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार अतीत के महान सामाजिक विचारक के लिए भारत रत्न पुरस्कार की सिफारिश करेगी। मैं व्यक्तिगत रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे अन्ना भाऊ साठे को भारत रांटा देने का अनुरोध करूंगा। तेलंगाना राज्य की सिफारिश के साथ उन्हें जल्द ही पत्र भेजा जाएगा। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से अन्ना भाऊ साठे को भारत रत्न के लिए नामित करने की भी मांग की।

मूल रूप से तुकाराम भाऊराव साठे के नाम से जाने जाने वाले, अन्ना भाऊ साठे एक राजनीतिक कार्यकर्ता थे और उनकी विचारधारा वंचित समुदायों के साथ उनके पालन-पोषण और पहचान के कारण थी। मातंग समुदाय के महान अतीत की सराहना करते हुए, जिससे साठे संबंधित थे, चन्द्रशेखर राव ने कहा कि कम से कम अब जागने और समाज के लिए अन्ना भाऊ साठे के महान योगदान को पहचानने की महाराष्ट्र की बारी है। उन्होंने कहा, उनका लेखन किसी विशेष समुदाय या वर्ग के लिए नहीं है, बल्कि पूरे ब्रह्मांड के लिए ज्ञान का स्रोत था।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने तेलंगाना से बिजली बकाया पर आंप्र को आश्वासन दिया

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश सरकार को आश्वासन दिया कि उनका मंत्रालय राज्य के पुनर्गठन के बाद तेलंगाना को आपूर्ति की गई बिजली के लिए 6,756 करोड़ रुपये की वसूली के लिए कदम उठाएगा। वाईएसआरसी पार्टी के सदस्य वी विजयसाई रेड्डी द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए कि क्या केंद्रीय बिजली और वित्त विभागों ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा तेलंगाना राज्य के हिस्से के तहत जारी केंद्रीय करों से बिजली बकाया का भुगतान करने के अनुरोध पर विचार किया है, सिंह ने कहा। राज्य के विभाजन के बाद, केंद्र के आदेश के अनुसार आंध्र प्रदेश द्वारा आपूर्ति की गई बिजली शुल्क के तहत तेलंगाना सरकार पर 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है।

मंत्री ने बताया कि राज्य के विभाजन के बाद, अधिकांश बिजली उत्पादन केंद्र आंध्र प्रदेश के अंतर्गत आ गए और परिणामस्वरूप, नए राज्य तेलंगाना को गंभीर बिजली की कमी का सामना करना पड़ा। इसलिए, केंद्र ने हस्तक्षेप किया था और एपी पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करते हुए एपी को तेलंगाना को बिजली की आपूर्ति करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने कहा कि चूंकि आंध्र प्रदेश ने केंद्र के आदेश के अनुसार बिजली की आपूर्ति की है, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना केंद्र की भी जिम्मेदारी है कि तेलंगाना बकाया का भुगतान करे। उन्होंने कहा कि हम बकाया भुगतान के लिए केंद्र द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर कानून मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के साथ चर्चा कर रहे हैं।

हिज्ब-उत-तहरीर का 17वां आरोपी हैदराबाद से गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को हिज्ब-उत-तहरीर मामले में 17वें आरोपी को गिरफ्तार किया। हिज्ब-उत-तहरीर एक अंतरराष्ट्रीय कट्टरपंथी संगठन है। बीते कुछ दिनों से ये भोपाल और हैदराबाद में ज्यादा सक्रिय है। भारत में शरिया कानून लाना इनका मकसद है।

एनआईए ने बताया कि आरोपी का नाम सलमान है। ये हैदराबाद के राजेंद्र नगर में छिपा बैठा था। इसका लीडर सलीम पहले से ही हमारी कस्टडी में है। हिज्ब-उत-तहरीर का मकसद भारत में शरिया कानून लाना है। एनआईए ने सलमान को पकड़ने के लिए दो जगहों पर तलाशी की, जहां से हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव और एसडी कार्ड समेत कई डिजिटल डिवाइस मिली हैं। एचयूटी मामले में एजेंसी की जांच जारी रहेगी।

गौरतलब है कि एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने 9 मई को भोपाल-छिंदवाड़ा से 11 और तेलंगाना से 5 आरोपियों को हिरासत में लिया था। 16 में से 8 ने कन्वर्ट होकर इस्लाम धर्म कबूल किया था। भोपाल के तीन सदस्य ऐसे भी हैं, जिन्होंने हिंदू लड़कियों से शादी के बाद उनका धर्म परिवर्तन कराया। एमपी एटीएस ने भोपाल से आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर से जुड़े 10 लोगों को कोर्ट में पेश किया था।

संगठन से जुड़े सभी गिरफ्तार आरोपी गोपनीय तरीके से जंगलों में कैंप लगाकर निशाना लगाने की प्रेक्टिस करते थे। इन कैंपों में ट्रेनर हैदराबाद से आते थे। गुपचुप तरीके से धार्मिक सभाएं भी लगाई जाती थीं, जिनमें भड़काऊ तकरीरें और जिहादी साहित्य बांटा जाता था। पुलिस के मुताबिक, भोपाल से पकड़े गए आरोपी पूरे मध्यप्रदेश में संगठन का विस्तार करना चाहते थे। आरोपियों को संगठन में ऐसे युवाओं को जोड़ने का टारगेट दिया गया था, जो उग्र स्वभाव के हों। साथ ही जान देने में उन्हें कोई हिचक न हो।

बुजुर्ग ने शराबी बेटे की हत्या कर दी

कोत्तागुडेम, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को कोत्तागुडेम में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने अपने शराबी बेटे की हत्या कर दी और वन-टाउन पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। बताया गया कि मृतक जम्मुला शंकर (35) शराब का आदी एक बेरोजगार व्यक्ति था। वह शराब खरीदने के लिए पैसे के लिए अपने माता-पिता को परेशान करता था और मारपीट करता था। उनके 80 वर्षीय पिता जे राजैया आजीविका कमाने के लिए एक निजी स्कूल में काम कर रहे थे। अपने बेटे की यातना को सहन करने में असमर्थ, राजैया ने मंगलवार की तड़के पाठा कोत्तागुडेम इलाके में अपने घर में सोते समय शंकर की हत्या कर दी और बाद में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

चोरों ने आभूषण की दुकान में चोरी की

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने मंगलवार तड़के चंदनगर के गंगाराम में एक आभूषण की दुकान में तोड़-फोड़ की और दुकान से आभूषण लेकर फरार हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चोर सबसे पहले गांधी प्रतिमा के पास आभूषण की दुकान के बगल में स्थित एक बुटीक का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे। फिर चोरों ने दीवार में एक छेद कर दिया जो आभूषण की दुकान और बुटीक को अलग करता है, और आभूषण की दुकान में घुस गए और सामान लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी तब हुई जब ज्वेलरी दुकान का मालिक सुबह दुकान खोलने आया। सूचना मिलने पर चंदनगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और चोरों की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है। उन्हें अपराध में एक से अधिक लोगों के शामिल होने का संदेह है। चोरी गए सामान की कीमत का अंदाजा लगाया जा रहा है।

जीएचएमसी सीमा के तहत सभी का मतदाता के रूप में नामांकन सुनिश्चित करें : सीईओ

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने जीएचएमसी में आरडब्ल्यूए में विशेष अभियान और बीएलओ पर्यवेक्षकों व नोडल अधिकारियों के ओरिएंटेशन पर एक बैठक के दौरान आज यहां बंजारा भवन, बंजारा हिल्स में कहा कि सुनिश्चित करें कि सभी पात्र नागरिक खुद को जीएचएमसी सीमा में मतदाता के रूप में नामांकित करेंगे सीईओ ने ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ पर्यवेक्षकों, बीएलओ को निर्देश दिया कि वे आरडब्ल्यूए के सदस्यों के साथ समन्वय करें और विशेष अभियान के बारे में पहले से ही जानकारी दें और तिथि समय और स्थान तय करें, साथ ही जानकारी वाले बैक ड्रॉप और स्टैंडीज़ को भी प्रदर्शित करें। उन्होंने नए मतदाताओं का नामांकन करते समय और नाम, उम्र और पते में किसी भी सुधार के लिए मानक प्रक्रियाओं का पालन करने को भी कहा। उत्सव का माहौल बनाएं ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता के रूप में नामांकित हो। नामांकन के लिए यह एक अनोखा तरीका अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में मतदाता बनें और मतदान प्रतिशत बढ़ाएं। आगे कहा, मतदाताओं को ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि वे आवेदन के चरण की जांच कर सकें और स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाताओं को शिक्षित करने के लिए भी यह उपयोगी है। उन्होंने बड़े कार्यालयों से संपर्क करने की भी सलाह दी, जहां एक विशेष स्थान पर अधिक लोग काम कर रहे हों, ताकि मतदान के दौरान कोई शिकायत न मिले। इससे पहले, अतिरिक्त सीईओ लोकेश कुमार ने आरडब्ल्यूए के साथ नामांकन पर विशेष अभियान के दौरान अपनाए जाने वाले बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ के कार्य की प्रकृति के बारे में बताया, ताकि नए मतदाताओं के रूप में नामांकन करते समय भारत के चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित आवश्यक दस्तावेजों को सत्यापित किया जा सके।

जीएचएमसी के आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने इस विशेष अभियान का उपयोग करने के लिए कहा ताकि अधिक संख्या में पात्र नागरिक मतदाता के रूप में नामांकन कर सकें और मतदाताओं को मतदाता सूची में अपने नामों को सत्यापित करने और जांचने और उचित फॉर्म भरकर नाम, उम्र और पते को सही करने के लिए शिक्षित करें। केवल मतदाता पहचान पत्र होने का मतलब वोट देने का अधिकार नहीं है, उनका नाम मतदाता सूची में होना चाहिए, ऐसी कठिनाइयों से बचने के लिए उन्हें मतदाता सूची की जांच करनी होगी। इसके अलावा उन्होंने एक परिवार के अलग-अलग मतदान केंद्रों के मुद्दे को भी संबोधित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि एक परिवार के सभी सदस्यों का वोट एक ही मतदान केंद्र पर हो ताकि मतदाताओं को अपने मताधिकार के लिए प्रोत्साहित किया जा सके और मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की योजना बनाने और इलाके में मौजूद मतदाताओं की संख्या के आधार पर जनशक्ति की आवश्यकता को तर्कसंगत बनाने का निर्देश दिया और उन्हें सीईओ को दैनिक रिपोर्ट भेजनी होगी। कलेक्टर मेडचल मल्काजगिरी अमोय कुमार, कलेक्टर रंगारेड्डी हरीश और कलेक्टर संगारेड्डी शरत ने भी सभा को संबोधित किया।

एक घर में 100 वोट, भाजपा ने सीईओ से की शिकायत

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मध्य जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. एन. गौतम राव ने जुबली हिल्स विधानसभा में नामांकित फर्जी मतदाताओं के संबंध में तेलंगाना मुख्य चुनाव अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। डॉ. गौतम राव ने कहा कि उन्हें जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथों पर बहुत सारे फर्जी मतदाता पंजीकरण मिले हैं। एक विशेष मकान में हमें 100 से अधिक वोट मिले, लेकिन वास्तव में, वहाँ चार से अधिक शयनकक्ष नहीं हैं, जो 150 वर्ग गज से अधिक नहीं है। हमें अधिकांश स्थानों पर इसी तरह की अनियमितताएं मिलीं, हम तत्काल कार्रवाई और सावधानियों के लिए कुछ फर्जी मतदाता सूचियां जमा करेंगे।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान न होना शर्म की बात : केशवराम मादिगा

कुमरमभीम आसिफाबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एमआरपीएस एमएसपी के राष्ट्रीय नेता केशवराम मादिगा ने कहा कि यह शर्म की बात है कि ग्राम पंचायत स्वच्छता कर्मचारी अपनी उचित मांगों को हल करने के लिए 27 दिनों से तेलंगाना राज्य भर में जिला कलेक्टर कार्यालयों के सामने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें नजरअंदाज कर रही है। यदि ग्राम पंचायत स्वच्छताकर्मी, गांव, तालुके, नगर पालिकाएं, कॉर्पोरेट शहर में नहीं होंगे, तो पूरा भारत एक कब्रिस्तान बन जाएगा। सफाई कर्मचारी मृतक कुत्तों, सूअरों, मवेशियों, गधों आदि के मल आदि की सफाई कर अपनी जान जोखिम में डालते हैं, भले ही उन्हें कितनी भी दुर्गंध मिले, वे मल को हटाते हैं और उसे साफ रखते हैं। यह सफाई कर्मचारी ही हैं जो लोगों की जान बचाते हैं। देश में कोरोना महामारी के दौरान जब पूरे देश में लॉकडाउन था, तब पवित्र कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना इस देश के लोगों की सेवा और रक्षा की।वर्तमान में सफाई कर्मचारी बामुश्किल पर्याप्त वेतन के साथ अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस राज्य के शासक मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री, सांसद और विधायक तक हर माह मासिक वेतन के रूप में लाखों रुपये जनता का पैसा लूट रहे हैं। हमें लगता है कि यह शर्म की बात है कि समाज को किसी भी बीमारी से बचाने के लिए ठंड और खुली हवा में कड़ी मेहनत करने वाले सफाई कर्मचारियों को 25000 का न्यूनतम वेतन नहीं दिया जाना चाहिए। फिर भी राज्य के मुख्यमंत्री को ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की अनुचित मांगों का समाधान करना चाहिए या नहीं करने की सूरत में फिर सफाई कर्मचारियों के समर्थन में एमएमएआरपीएस एमएसपी एससी एसटी जाति संघ के तत्वाधान में राष्ट्र आंदोलन कार्यक्रम करने की बात कही।स्वच्छता कर्मियों के दीक्षांत समारोह का दौरा किया। इस अवसर पर रेंगुंटा केशव राम मादिगा एमआरपीएस एमएसपी के राष्ट्रीय नेता थुरम संदीप ने गोंड वाना रिपब्लिकन पार्टी के जिला अध्यक्ष रायगुंटा महेश, एमआरपीएस कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला सह संयोजक, मतला राजू स्वच्छता कर्मी दीक्षा शिविर के प्रभारी हैं, दुर्गाप्रसाद, दुर्गम महेश, एसके साबिर प्रभाकर, भारती, संध्या पोचैया, बोम्मना अशोक, नागेश अत्रम, जग्गी राव में विभिन्न गांवों के सैकड़ों ग्राम पंचायत कार्यकर्ता शामिल हुए।

सीएम जगन ने आंध्र विश्वविद्यालय में 130 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

विशाखापत्तनम, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने मंगलवार को यहां सिरिपुरम में आंध्र विश्वविद्यालय परिसर में फार्मा इनक्यूबेशन, बायो मॉनिटरिंग हब और चार अन्य भवनों का उद्घाटन किया।

एयू के कुलपति प्रो. पीवीजीडी प्रसाद रेड्डी ने कहा कि परियोजनाओं की कुल लागत 130 करोड़ रुपये है और अगले तीन वर्षों में 300 से अधिक सॉफ्टवेयर कंपनियां एयू परिसर से काम करेंगी। कुलपति ने बताया कि 21 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एलिमेंट में पहले से ही 121 स्टार्टअप काम कर रहे हैं और 114 स्टार्टअप अपने स्वयं के संसाधन बनाने के स्तर तक पहुंच गए हैं। एलिमेंट में 55,000 वर्ग फुट की जगह है और इसे लगभग 44 करोड़ रुपये के साथ फार्मा, बायो, जीनोमिक्स इनक्यूबेशन और परीक्षण प्रयोगशाला के रूप में विकसित किया गया है।

अन्य परियोजनाएं एल्गोरिदम, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विंग के सामने 35 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 60,000 वर्ग फुट की संरचना, 15 करोड़ रुपये की लागत से 25,000 वर्ग फुट का आंध्र यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एयूएसआईबी) और एयू अवंती एक्वाकल्चर इनोवेशन एंड स्किल हब। 11 करोड़ रुपये की लागत से बनी बीच रोड पर 12,000 वर्ग फीट हैं।

आंध्र में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल क्षेत्र और परिधान पार्क स्थापित करने की मांग

नई दिल्ली, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के नरसापुरम से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सदस्य रघुराम कृष्ण राजू ने केन्द्र सरकार से आंध्र प्रदेश में प्रधानमंत्री इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल क्षेत्र और परिधान पार्क स्थापित करने की मांग की है। श्री राजू ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान उठाया।

उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में 20 प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल क्षेत्र और परिधान पार्क स्थापित करने के फैसले का स्वागत करते हुये कहा कि इससे 20 लाख नौकरियां के अवसर होने के अलावा बडे पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा लेकिन आंध्र प्रदेश को इससे वंचित रखा गया है। श्री राजू ने बताया कि आंध्र प्रदेश उन राज्यों में से एक है, जिसने कपड़ा उद्योग को उत्तर आंध्र के उप्पादा और रायलसीमा क्षेत्र के धर्मावरम में स्थानीयकरण किया है। अब इसकी पहचान राज्य के बडे कपड़ा उद्योग केन्द्र के रूप में है। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल से कपड़ा उद्योग आंध्र प्रदेश के महत्वपूर्ण उद्योगों में से एक है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha2006@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

G20 | Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारतीय रिज़र्व बैंक / Reserve Bank of India
आंध्र प्रदेश / Andhra Pradesh
पर्यवेक्षण विभाग / Department of Supervision

डीओआर.एमओएन/ DOR.MON/D-46/12.24.020/2023-24

बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35 ए के तहत निदेश - दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा - अवधि का विस्तार

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए के तहत दुर्गा सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा को 28 जुलाई 2022 के निदेश संख्या HYD.DOS.INSP4.No.S241/15-36-070/2022-2023, जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया, के अनुसार इसे 29 जनवरी 2023 तक छह महीने की अवधि विस्तार हेतु निदेश जारी किए थे, इसे अंतिम बार 26 अप्रैल 2023 के निदेश संख्या DOR.MON/D-15/12.24.020/2023-24 के माध्यम से 29 जुलाई 2023 तक की अवधि के लिए बढ़ाया गया था। भारतीय रिज़र्व बैंक इस बात से संतुष्ट है कि जनहित में, निदेश के संचालन की अवधि को 29 जुलाई 2023 से आगे बढ़ाया जाना आवश्यक है।

2. तदनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए की उप-धारा (1) के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा निदेश को 30 जुलाई 2023 से 29 अक्टूबर 2023 तक तीन महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जाता है, जो समीक्षाधीन होगा।

3. संदर्भाधीन निदेश की अन्य शर्तें, समय-समय पर यथासंशोधित, अपरिवर्तित रहेंगी।

02 अगस्त 2023

आर.के. महाना
प्रभारी महाप्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.